THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा पर अमित शाह की हाई लेवल मीटिंग

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लेह-लद्दाख और जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा और विकास के मुद्दे पर दिल्ली में हाई लेवल मीटिंग की है। इसमें गृह सचिव, एनआईए,सीआरपीएफ-बीएसएफ के अधिकारी और एलजी मनोज सिन्हा मौजूद रहे। यह मीटिंग जम्मू के सिधरा में आज सुबह सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ के बाद बुलाई गई है। इसमें 4 आतंकी मारे गए थे। इसके बाद ही, गृह मंत्रालय अलर्ट हो गया। जम्मू के सिधरा इलाके में बुधवार सुबह सुरक्षाबलों ने चार आतंकियों को मार गिराया। पुलिस ने बताया कि अभी इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। कुछ और आतंकवादियों के छिपे होने की आशंका है।

वर्ष-27 अंक : 285 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.7 2079 गुरुवार, 29 दिसंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मोदी ने जाना माँ का हालचाल

राहुल ने कहा-मां और बेटे का प्यार अनमोल, मुश्किल वक्त में आपके साथ हूं

अहमदाबाद, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मां हीराबा की सेहत की जानकारी लेकर अहमदाबाद के यूएन मेहता अस्पताल से निकल चुके हैं। वे करीब एक घंटे 20 मिनट अस्पताल में रहे। इस दौरान उन्होंने डॉक्टरों से बातचीत की। अस्पताल में उनके साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और राज्य के कुछ अन्य मंत्री भी मौजूद थे।

भाजपा के राज्यसभा सांसद जुगलजी ठाकोर ने बताया कि प्रधानमंत्री मां हीराबा की तबीयत को लेकर चिंतित थे, लेकिन डॉक्टरों से बातचीत के बाद वे सीधे दिल्ली के लिए निकल गए। ठाकोर ने दावा किया कि हीराबा को अगले दो-तीन दिन में अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। फिलहाल उनकी तबीयत में सुधार है। इससे पहले मंगलवार देर रात सांस लेने में तकलीफ होने के बाद हीराबा को अहमदाबाद के यूएन मेहता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के डॉक्टरों की एक टीम लगातार उनके स्वास्थ्य की निगरानी कर रही है। अस्पताल ने बुधवार दोपहर को हेल्थ बुलेटिन जारी कर बताया कि हीराबा की तबीयत अब स्थिर है। हीराबा ने जून में ही अपना 99वां जन्मदिन मनाया है। प्रधानमंत्री मोदी भी उस समय उनसे मिलने आए थे। इधर, राहुल गांधी ने भी हीराबा के जल्द ठीक होने की कामना की है। राहुल ने लिखा- एक मां और बेटे के बीच का प्यार अनन्त और अनमोल होता है। मोदी जी, इस कठिन समय में मेरा प्यार और समर्थन आपके साथ है। मैं आशा करता हूं आपकी माताजी जल्द से जल्द स्वस्थ हो जाएं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी ट्विट कर लिखा- मुश्किल घड़ी में पीएम मोदी के साथ। पीएम मोदी की माता जल्द स्वस्थ हों।

नरेंद्र मोदी के गृहनगर वडनगर के हाटकेश्वर मंदिर में हीराबा के अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की गई। हीराबा के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा से रुद्राभिषेक भी किया गया। इसके अलावा वाराणसी में भी हीराबा के जल्द ठीक होने के लिए पूजा-अर्चना की गई।

देश में कोरोना का खतरा

3 दिन में 39 इंटरनेशनल पैसेंजर्स पॉजिटिव मिले

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पिछले 3 दिन में 39 इंटरनेशनल पैसेंजर्स पॉजिटिव पाए गए हैं। इनमें श्रीलंका के रास्ते चीन से तमिलनाडु आई एक महिला और उसकी 6 साल की बच्ची भी शामिल है। कोरोना की तैयारियों की जांच करने के लिए मंगलवार को देश के करीब सभी राज्यों में मॉक ड्रिल की गई। देश में मंगलवार को 188 कोरोना के केस मिले। इनमें केरल में सबसे ज्यादा 39 केस मिले हैं। कहीं से भी संक्रमण से मौत की खबर नहीं है। एक्टिव कोविड केसों की संख्या 2,495 है। हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक, देश में कोरोना वैक्सीनेशन का आंकड़ा 220 करोड़ डोज को पार कर गया है। बिहार में कोरोना केसेस में 10 गुना की बढ़ोतरी हुई है। राज्य स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, राज्य में रविवार तक कोई भी एक्टिव केस नहीं था। अब यहां केसों की संख्या 14 है। इनमें से 12 अकेले गया में है।

कोरोना की पहली नेजल वैक्सीन को मंजूरी देने के चार दिन बाद केंद्र सरकार ने इसकी कीमत तय कर दी है। भारत बायोटेक की यह वैक्सीन सरकारी अस्पतालों में 325 रुपए में लगवाई जा सकेगी। वहीं प्राइवेट अस्पतालों में इसके लिए 800 रुपए चुकाने होंगे। यह वैक्सीन जनवरी के आखिरी हफ्ते से उपलब्ध हो जाएगी। केंद्र ने दुनिया की पहली नेजल कोरोना वैक्सीन को 23 दिसंबर को मंजूरी दी थी।

राहुल गांधी को खतरा?: कांग्रेस ने गृह मंत्री अमित शाह को लिखी चिट्ठी, सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से लिखे गए पत्र में राहुल गांधी की सुरक्षा के बारे में चिंता व्यक्ति की गई है। पत्र में कहा गया है कि दिल्ली में कई जगहों पर राहुल की सुरक्षा में लापरवाही हुई। इसलिए उनकी सुरक्षा के लिए कड़े इंतजाम किए जाएं। कांग्रेस नेता ने कहा- "भारत जोड़ो यात्रा के दिल्ली में 24 दिसंबर को पहुंचने के बाद यात्रा की सुरक्षा में कई बार छेड़छाड़ हुई है। दिल्ली पुलिस कई मौकों पर यात्रा में बढ़ती भीड़ को नियंत्रण करने और राहुल गांधी, जिन्हें जेड प्लस सुरक्षा मिली है, के आसपास सुरक्षा घेरा बनाए रखने में पूरी तरह नाकाम हुई है। यह स्थिति इतनी गंभीर है कि राहुल गांधी के साथ चल रहे यात्री और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उनके आसपास घेरा बनाना पड़ता है। जबकि इसी दौरान दिल्ली पुलिस मूकदर्शक बनी रहती है।" वेणुगोपाल ने चिट्ठी में आगे कहा, इतना ही नहीं भारत जोड़ो यात्रा में भाग लेने वालों को परेशान करने और बड़ी हस्तियों को हिस्सा न लेने देने के लिए इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) यात्रा में शामिल होने वाले कई लोगों से पूछताछ कर रहा है। >14

'भारत जोड़ो यात्रा से कार्यकर्ताओं को संजीवनी मिली'

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस आज 138 वां स्थापना दिवस मना रही है। इस मौके पर दिल्ली स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस का मुख्यालय आकर्षक ढंग से सजाया गया है। इस मौके पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एआईसीसी मुख्यालय पहुंचकर झंडा फहराया। इस दौरान कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। >14

महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख जेल से छूटे

एक साल, एक महीने, 27 दिन बाद बाहर आए; बोले-मुझे झूठे केस में फंसाया

मुंबई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।आर्थर रोड जेल में बंद महाराष्ट्र सरकार के गृह मंत्री रहे अनिल देशमुख को आज जमानत पर रिहा कर दिया गया। देशमुख को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में अरेस्ट किया गया था। उन पर मुंबई पुलिस कमिश्नर से सौ करोड़ रुपए की वसूली का भी आरोप लगाया था। देशमुख एक साल एक महीने 27 दिन बाद जेल से बाहर आए हैं।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने 12 दिसंबर को एक लाख रुपए के मुचलके पर सशर्त जमानत दी थी। सीबीआई के अनुरोध पर जमानत आदेश 27 दिसंबर तक रोका था। लेकिन, मंगलवार को कोर्ट ने रोक का समय बढ़ाने की मांग खारिज कर दी थी। जेल से निकलते वक्त जयंत पाटिल, सुप्रिया सुले, अजित पवार, छगन भुजबल समेत कई नेता अनिल देशमुख को रिसीव करने पहुंचे। अनिल देशमुख जेल से बाहर आने के बाद कहा- मुझे झूठे केस में फंसाया गया था। सचिन वझे के आरोप में सच्चाई नहीं है। पुलिस और सीबीआई मेरे खिलाफ सबूत पेश नहीं कर पाई। मुझे झूठे केस में 14 महीने जेल में रखा गया।

ये मामला मनी लॉन्ड्रिंग और वसूली के आरोपों से जुड़ा है। मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लिखे एक पत्र में आरोप लगाया था कि अनिल देशमुख ने गृहमंत्री रहते हुए सचिन वझे से हर महीने 100 करोड़ रुपए देने की मांग की थी।

मैसूर के चर्च में बदमाशों ने की तोड़फोड़, जीसस की मूर्ति मिली क्षतिग्रस्त

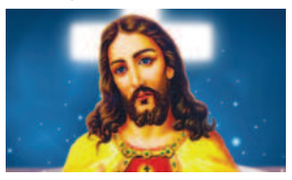

बेंगलुरू, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मैसूर के एक चर्च में तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, अज्ञात बदमाशों पिरियापटना स्थित चर्च में देर रात घुसकर तोड़फोड़ की और बेबी जीसस की मूर्ति के अलावा वहां रखी चीजों को क्षतिग्रस्त कर दिया। एसपी मैसूर सीमा लटकर का कहना है कि चर्च में तोड़फोड़ करने वाले बदमाशों को पकड़ने के लिए टीम गठित की गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी छानबीन की जा रही है। उन्होंने बताय, बदमाश वहां रखे दान पात्र जैसी कुछ चीजों को चुराकर ले गए हैं। जांच जारी है।

पीएम मोदी से कन्नी काट रहे नीतीश ?

नमामि गंगे की बैठक में शामिल नहीं होने का खुद बताया कारण

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार एनडीए से नाता तोड़ने और महागठबंधन के साथ बिहार में सरकार बनाने के बाद से जदयू नेता और बिहार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दूरियां बना रहे हैं। कहा जा रहा है कि वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कन्नी काट कर रहे हैं? ऐसी अटकलें तब तेज हुई जब बिहार के मुख्यमंत्री ने इसी महीने के अंत में कोलकाता में होने वाली नमामि गंगे की बैठक में शामिल होने से इंकार कर दिया। इससे पहले कोलकाता में ही गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में नीतीश ने तेजस्वी को भेजा था। पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक के बाद नमामि गंगे की बैठक से खुद को दूर कर पीएम से दूरी बनाने की अटकलें और तेज हुई थी। लेकिन अब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद इसका कारण बताया है।

30 दिसंबर को कोलकाता में पीएम की अध्यक्षता में नमामि गंगे की बैठक

प्रधानमंत्री 30 दिसंबर को कोलकाता में 'नमामि गंगे' कार्यक्रम के लिए जा रहे हैं। नीतीश कुमार ने वहां नहीं जाने का फैसला किया है और कहा है कि इस कार्यक्रम में वह अपने डिप्टी तेजस्वी यादव को भेजेंगे। केंद्र ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी, बिहार के नीतीश कुमार, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ और अन्य सहित सभी उत्तर और पूर्वी भारतीय राज्यों के मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित किया है। ममता इस कार्यक्रम में शामिल होने वाली हैं, लेकिन नीतीश कुमार इसमें शामिल नहीं होंगे।

ईस्टर्न जोनल काउंसिल की बैठक में शामिल नहीं हुए थे नीतीश

बिहार में महागठबंधन की सरकार बनने के बाद हाल ही में कोलकाता में अमित शाह की अध्यक्षता में हुई ईस्टर्न जोनल काउंसिल की बैठक में नीतीश कुमार ने हिस्सा नहीं लिया। उस मौके पर भी उन्होंने तेजस्वी यादव और राज्य के वित्तमंत्री विजय कुमार चौधरी को भेजा था। इस मसले पर जदयू प्रवक्ता अभिषेक झा ने कहा कि वह राज्य के मुख्यमंत्री हैं और उनके पास यहां कई काम हैं, इसलिए वह वहां नहीं जा रहे हैं।

नीतीश कुमार ने बताया क्यों नमामि गंगे की बैठक में नहीं लेंगे भाग

अब हालांकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद नमामि गंगे की बैठक में भाग नहीं लेने का कारण बताया है। 30 दिसंबर को कोलकाता में पीएम की अध्यक्षता में होने वाली राष्ट्रीय गंगा परिषद की बैठक में शामिल नहीं होने पर बिहार सीएम नीतीश कुमार ने बताया कि पिछली बार बैठक में सुशील मोदी गए थे क्योंकि उनके पास ही वो विभाग था। इस बार वो विभाग तेजस्वी यादव के पास है, इसलिए मैंने इनसे आग्रह किया है।

कॉलेज की छात्रा का प्रेमी ने आधी रात को घर के बाहर गला रेता, आरोपी हिरासत में

तिरुवनंतपुरम, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल के तिरुवनंतपुरम में एक नाबालिग कॉलेज छात्रा की बीती रात उसके प्रेमी ने उसके ही घर के बाहर गला रेतकर हत्या कर दी। घटना के कुछ देर बाद ही पुलिस ने उसके प्रेमी को हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार घटना बुधवार तड़के वर्कला के पास वडसेरीकोनम में हुई। 17 साल की लड़की उसके ही घर के बाहर खून से लथपथ मिली थी। घटना के कुछ घंटे बाद उसके दोस्त व प्रेमी गोपू (20) को हिरासत में ले लिया।

गोपू का मृतका के साथ कुछ समय से प्रेम संबंध था। मृतका की पहचान संगीता के रूप में हुई। वह कॉलेज में पढ़ती थी। पुलिस को संदेह था कि आरोपी ने बुधवार आधी रात के बाद उसे घर से बाहर बुलाया और चाकू से गला रेतकर मार डाला। लड़की की चीख-पुकार सुनकर परिजन व पड़ोसी घर से बाहर निकले तो उन्होंने लड़की को घर के पास खून से लथपथ पाया। वे तुरंत उसे अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोपी गोपू को मोबाइल फोन के ब्योरे और अन्य परिस्थिति जन्य साक्ष्यों के आधार पर हिरासत में लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई है। विस्तृत पूछताछ के बाद ही हत्या की सही वजह पता चलेगी। पुलिस को संदेह है कि प्रेमी युगल के बीच तनावपूर्ण संबंध हत्या का कारण हो सकते हैं। अब तक इस संबंध में और कोई विवरण नहीं दिया गया है। आरोपी केरल के पल्लीकल का रहने वाला है, जबकि मृत लड़की तिरुवनंतपुरम के एक कॉलेज की छात्रा थी।

जम्मू के सिधरा इलाके में एनकाउंटर

सुरक्षाबलों ने 4 आतंकियों को मार गिराया

श्रीनगर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्म-कश्मीर के सिधरा इलाके में एनकाउंटर में सुरक्षा बलों ने 4 आतंकियों को मार गिराया। सुरक्षा बलों को यह खुफिया सूचना मिली थी कि आतंकवादी ट्रक में सवार होकर जम्मू से श्रीनगर जा रहे हैं। इसी सूचना के आधार पर सिधरा में सुरक्षा बलों ने तीनों आतंकियों को घेर लिया। आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। जानकारी के मुताबिक सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में चारों आतंकी मारे गए। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक ट्रक को संदिग्ध आवाजाही के आधार पर सिधरा नाके पर रोका गया। सिधरा नाके पर ट्रक के रुकते ही ड्राइवर भाग खड़ा हुआ। सुरक्षाकर्मियों ने जब

ट्रक की तलाशी शुरू की तो अंदर से फायरिंग होने लगी। जवाबी कार्रवाई में आतंकी मारे गए हैं। फिलहाल आतंकियों की पहचान नहीं हो पाई है। ट्रक का ड्राइवर फिलहाल फरार है। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। आतंकी किस संगठन के हैं यह फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

वहीं, जम्मू क्षेत्र के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) मुकेश सिंह ने कहा कि उग्रवादी भारी हथियारों से लैस थे और कश्मीर की ओर जा रहे थे जब उन्हें रोका गया। ट्रक चालक की तलाश जारी है। एडीजीपी ने कहा, '' आतंवादियों की पहचान के प्रयास किये जा रहे हैं और वे किस संगठन से संबद्ध थे यह पता लगाया जा रहा है।'' इससे पहले पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने बताया कि अभी तक तीन आतंकवादियों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा, '' यह संख्या अधिक हो सकती है।'' यह पूछे जाने पर कि क्या आतंकवादी सीमा पार से आए थे और ट्रक चालक उन्हें कश्मीर ले जा रहा था, उन्होंने कहा कि इस संबंध में जांच जारी है। अधिकारियों ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच 45 मिनट से अधिक समय तक मुठभेड़ चली। इस दौरान ग्रेनेड फेंके जाने के कारण कई विस्फोट भी हुए। भूसी से लदे ट्रक से धुआं निकलता देखा गया, जो मुठभेड़ में पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है।

हरियाणा आप के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष चंडीगढ़ में गिरफ्तार

रोहतक\चंडीगढ़, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा में मुख्यमंत्री, पक्ष और विपक्ष के विधायकों को बेरोजगारों की बारात का न्योता देने गए आम आदमी पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नवीन जयहिंद को

चंडीगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान चंडीगढ़ में जमकर हाई वोल्टेज ड्रामा भी चला। नवीन जयहिंद को गिरफ्तार करने के लिए चंडीगढ़ पुलिस का अमला पहुंचा और उन्हें पकड़ कर ले गया।

महाराष्ट्र के सरकारी अस्पतालों में दवाओं का संकट

मंत्री बोले- बनेगा नया दवा खरीदी निगम

नागपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार राज्य के सरकारी अस्पतालों में दवाओं की आपूर्ति के लिए नया निगम बनाने पर विचार कर रही है। मौजूदा सरकारी स्वामित्व वाला हाफकीन बायोफार्मास्यूटिकल कॉरपोरेशन दवाओं व उपकरणों की खरीदी में देरी कर रहा है। यह मामला बुधवार को महाराष्ट्र विधान परिषद में उठा। महाराष्ट्र के चिकित्सा शिक्षा मंत्री गिरीश महाजन ने राज्य विधान परिषद में भाजपा के प्रवीण दटके के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जवाब में यह जानकारी दी। महाजन ने कहा कि हाफकिन कॉरपोरेशन ने इस साल 1,500 करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन में से 650 करोड़ रुपये का उपयोग नहीं किया। नतीजतन, कई सरकारी अस्पतालों में दवाएं और उपकरण खत्म हो रहे हैं। महाजन ने कहा कि हालात से निपटने के लिए सरकार ने अस्पतालों को अपने बजट का 30 फीसदी दवाओं और उपकरणों की खरीद पर खर्च करने के लिए अधिकृत किया है, जबकि आमतौर पर 10 फीसदी आवंटन किया जाता है।

अध्यक्ष का तीन सालों में 11 बार तबादला

उन्होंने कहा कि हाफकीन कार्पोरेशन में मानव संसाधनों की कमी है और उसके अध्यक्ष का पिछले तीन सालों में 11 बार तबादला किया गया। हाफकीन निगम में 24 स्थाई व 109 संविदा कर्मचारी कार्यरत हैं।

इससे पहले दटके ने कहा कि राज्य के सरकारी अस्पताल दवाओं व उपकरणों की गंभीर कमी का सामना कर रहे हैं। नागपुर के मेयो अस्पताल में सर्जिकल उपकरण, दवाओं, एक्सरे, पैथालॉजी किट की किल्लत है। गरीब मरीजों को ये सब दवाओं की दुकानों से खरीदी के लिए कहा जा रहा है। इसके जवाब में मंत्री महाजन ने नए दवा खरीदी निगम के गठन की योजना बताई।

यौन शोषण मामला

केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी को क्लीन चिट, सीबीआई कर रही थी जांच

तिरुवनंतपुरम, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सनसनीखेज सौर घोटाले में एक मुख्य आरोपी महिला द्वारा लगाए गए यौन शोषण के आरोप में केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता ओमन चांडी को क्लीन चिट देते हुए यहां मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत में एक रिपोर्ट पेश की है। सूत्रों ने बताया कि सीबीआई ने मंगलवार को यहां अदालत में रेफरल रिपोर्ट सौंपी। पिछले साल सीबीआई ने चांडी, पूर्व केंद्रीय मंत्री के सी वेणुगोपाल और आरोपी महिला द्वारा यौन शोषण के आरोपों से जुड़े अन्य नेताओं के खिलाफ मामलों की जांच अपने हाथ में ली थी। चांडी सहित छह लोगों के खिलाफ मामले पिछले कुछ वर्षों में दर्ज किए गए थे और केरल पुलिस की अपराध शाखा द्वारा महिला की शिकायत के आधार पर जांच की गई थी,

जो यूडीएफ सरकार के दौरान करोड़ों के सौर पैनल घोटाले में आरोपी थी। कि 2012 में उनके द्वारा उनका यौन शोषण किया गया था। माकपा के नेतृत्व वाली केरल सरकार ने 2021 की शुरुआत में मामलों की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी।

कर्नाटक में 'भड़काऊ भाषण' को लेकर

बीजेपी सांसद प्रज्ञा ठाकुर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज

बेंगलूरू, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता और एक राजनीतिक विश्लेषक ने बीजेपी सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है. शिवमोगा में हाल ही में एक हिंदू-समर्थक संगठन की ओर से आयोजित एक सम्मेलन में प्रज्ञा सिंह ठाकुर के शामिल होने और उनकी तरफ से कथित रूप से "भड़काऊ भाषण" दिए जाने को लेकर पुलिस में यह शिकायत दर्ज कराई गई है. टीएमसी के प्रवक्ता साकेत गोखले और राजनीतिक विशेषज्ञ तहसीन पूनावाला ने शिवमोगा के सांसद जीके मिथुन कुमार सहित ठाकुर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है. इसकी जानकारी दोनों ने अलग-अलग ट्वीट करके दी है.

क्या कहा टीएमसी लीडर गोखले ने?

गोखले ने इस संबंध में ट्विटर पर लिखा, "बीजेपी सांसद प्रज्ञा ठाकुर की तरफ से 25 दिसंबर को दिए गए सांप्रदायिक और "भड़काऊ भाषण" के संबंध में आज सुबह कर्नाटक पुलिस और शिवमोगा के पुलिस अधीक्षक के पास शिकायत दर्ज कराई." गोखले ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि ठाकुर की रविवार को कार्यक्रम में की गई टिप्पणियों को विभिन्न धार्मिक समुदायों के बीच सांप्रदायिक अशांति भड़काने और धर्म के आधार पर विभिन्न समुदायों के बीच दुर्भावना पैदा करने के लिए तैयार किया गया था.

क्या कहा तहसीन पूनावाला ने?

वहीं, पूनावाला ने अपनी शिकायत में, ठाकुर पर कार्यक्रम में "अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ अत्यधिक निंदनीय और अपमानजनक भाषण" देने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक ने उन्हें कार्रवाई का आश्वासन दिया और बाद में उनके कार्यालय ने उन्हें फोन किया और आधिकारिक ट्वीट अकाउंट पर ट्वीट कर शिकायत प्राप्त होने की पुष्टि की.

क्या कहा था प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने?

मध्य प्रदेश के भोपाल से बीजेपी सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने कहा था कि हिंदुओं को उन पर और उनकी गरिमा पर हमला करने वालों को जवाब देने का अधिकार है. यहां तक कि उन्होंने हिंदू कार्यकर्ताओं की हत्या के बारे में भी बात की थी. उन्होंने शिवमोगा कार्यक्रम में यह भी कहा था समुदाय (हिंदू समुदाय) आत्मरक्षा के लिए ''अपने घरों में धारदार चाकू'' रखे.

पश्चिम बंगाल में एक्ट्रेस की गोली मारकर हत्या

लुटेरों ने इस तरह दिया वारदात को अंजाम

हावड़ाः पश्चिम बंगाल के हावड़ा में बुधवार को एक एक्ट्रेस की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि इस घटना को लुटेरों ने हावड़ा जिले में राजमार्ग पर उस वक्त अंजाम दिया, जब एक्ट्रेस लूटपाट का विरोध कर रही थी। एक्ट्रेस का नाम रिया कुमारी था और वह झारखंड की रहने वाली थीं। एक्ट्रेस रिया अपने पति प्रकाश कुमार और अपनी 2 साल की बेटी के साथ कार से राष्ट्रीय राजमार्ग-16 से होकर कोलकाता जा रही थीं। प्रकाश कुमार एक फिल्म निर्माता हैं। पुलिस ने बताया कि प्रकाश कुमार बागनान थाना क्षेत्र में महिषरेखा के पास सुबह करीब छह बजे टॉयलेट के लिए रुके। इसी बीच, तीन लोगों के एक गिरोह ने उन पर हमला कर दिया और उनका सामान लूटने लगे। जब रिया ने अपने पति को बचाने की कोशिश की तो लुटेरों ने उन्हें गोली मार दी और वहां से फरार हो गए। प्रकाश कुमार अपनी पत्नी को कार तक ले गए और मदद की तलाश में लगभग तीन किलोमीटर तक इधर-उधर भटकते रहे। कुलगछिया-पिरताला में राजमार्ग के किनारे उन्होंने कुछ लोगों को देखा तो उन्हें आपबीती सुनाई। पुलिस ने कहा कि स्थानीय लोगों ने प्रकाश और उसकी पत्नी रिया को उलुबेरिया के एससीसी मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल ले जाने में मदद की, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कहा कि वह घटना की जांच कर रही है और रिया के पति प्रकाश से भी इस सिलसिले में पूछताछ कर रही है।

बीजेपी-शिवसेना की सरकार ने विधानसभा में पारित किया महाराष्ट्र लोकायुक्त विधेयक

अब सीएम के खिलाफ जांच बैठाना मुश्किल

मुंबई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी के साथ गठ-जोड़ से बनी शिंदे सरकार ने आज एक अहम विधेयक पारित कर दिया. शिंदे सरकार की ओर से महाराष्ट्र विधानसभा में महाराष्ट्र लोकायुक्त विधेयक 2022 पास किया गया है. इस विधेयक के अनुसार, लोकायुक्त को मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई जांच शुरू करने से पहले विधानसभा की मंजूरी लेनी होगी. साथ ही इसके लिए विधानसभा के कुल सदस्यों में से कम से कम दो-तिहाई सदस्यों की मंजूरी जरूरी होगी. महाराष्ट्र लोकायुक्त विधेयक 2022 को विधानसभा में सोमवार को पेश किया गया था. बता दें कि यह वो विधेयक है जिसमें मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल को भ्रष्टाचार रोधी लोकपाल के दायरे में लाने का प्रावधान है. इस विधेयक में यह भी कहा गया है कि लोकायुक्त मुख्यमंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप से जुड़े ऐसे मामलों की जांच नहीं करेगा, जो आंतरिक सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था से संबंधित

होंगे.

अब मुख्यमंत्री के खिलाफ जांच करना होगा मुश्किल

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, महाराष्ट्र लोकायुक्त विधेयक 2022 में यह भी प्रावधान है कि मुख्यमंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप से जुड़े किसी ऐसे मामले जो आंतरिक सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था से संबंधित हैं, उसकी कोई भी जांच गुप्त रखी जाएगी और अगर लोकायुक्त इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि शिकायत खारिज करने लायक है तो जांच के रिकॉर्ड प्रकाशित नहीं किए जाएंगे या किसी को उपलब्ध नहीं कराए जाएंगे.

विरोध करते रह गए विपक्षी दलों के नेता

इस विधेयक का कई दलों के नेता विरोध कर रहे थे. इसके बावजूद महाराष्ट्र विधानसभा में यह विधेयक आज पारित हो गया. इससे पहले महाराष्ट्र विधानसभा से जुड़ी एक अहम खबर यह आई कि नेता प्रतिपक्ष अजित पवार को सरकार ने नागपुर से मुंबई आने के लिए सरकारी विमान उपलब्ध कराया. अजित पवार की पहले से फ्लाइट की टिकट बुक थी लेकिन उन्हें मुंबई लाने के लिए सरकारी प्लेन भेजा गया. इसके चलते महाराष्ट्र में कई तरह की चर्चाएं होने लगीं.

अरुण यादव को कांग्रेस ने हाथ जोड़ो अभियान का छग प्रभारी बनाया, गृहमंत्री ने ली चुटकी

भोपाल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत नई नियुक्तियां की है। इसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव को हाथ जोड़ा अभियान का छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाया गया है। वहीं, प्रमोद तिवारी को मध्य प्रदेश की जिम्मेदारी दी गई। अरुण यादव को छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाने पर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने प्रदेश कांग्रेस पर चुटकी ली है। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा बोले कांग्रेस का हाथ जोड़ो अभियान पर चुटकी ली है। मिश्रा ने कहा कि उन्होंने हाथ जोड़ो अभियान पहले से शुरू कर दिया है। कमलनाथ ने विधानसभा से

हाथ जोड़ लिए थे। नेताप्रतिपक्ष ने कमलनाथ गुट के विधायकों से जोड़ लिए और उन विधायकों ने नेता प्रतिपक्ष से जोड़ लिए। नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री के भाषण से हाथ जोड़ लिए थे। अब यह सब कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस से हाथ जोड़ लिए। 2023 आ रहा है। इसमें जनता कांग्रेस से हाथ जोड़ लेंगी। अरुण यादव ने कमलनाथ और मध्य प्रदेश कांग्रेस से हाथ जोड़ लिए है। यह स्थिति इनके हाथ जोड़ो अभियान की है। बता दें कांग्रेस का हाथ जोड़ो अभियान 26 जनवरी से शुरू होगा। यह दो महीने तक चलेगा। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता डोर टू डोर जाएंगे और राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बारे में लोगों को बताएंगे।

भोपाल में 68% लोग बिना ड्राइविंग लाइसेंस चला रहे वाहन

भोपाल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी में 68.25% वाहन चालकों के पास ड्राइविंग लाइसेंस ही नहीं है। केवल 31.75% वाहन चालक ही लाइसेंस के साथ वाहन चलाते हैं। यह स्थिति प्रदेश में संभवतः सबसे खराब है। ऐसा इसलिए क्योंकि, इंदौर में 71.7% वाहन चालक जबकि, जबलपुर में 51.36% वाहन चालक ड्राइविंग लाइसेंस रखते हैं। राजगढ़ की स्थिति भी भोपाल से बेहतर है। यह जानकारी खुद सरकार ने विधानसभा में कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह द्वारा पूछे गए प्रश्न के जवाब में दी है। सरकार की ओर से बताया गया है कि मप्र में सबसे अधिक पंजीकृत वाहन इंदौर में हैं।

लोकतंत्र देश के 'डीएनए' में गहराई से समाया हुआ है

बोले केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भारत को ₹लोकतंत्र की जननी₹ बताते हुए मंगलवार (27 दिसंबर) को कहा कि लोकतंत्र देश के 'डीएनए' में गहराई से समाया हुआ है. केंद्रीय मंत्री ने मंगलवार को राष्ट्रीय सम्मेलन में कहा कि भारत का गौरवशाली इतिहास और शिक्षा इसकी सबसे बड़ी संपत्ति रही है. प्रधान ने कहा कि हमें यह याद रखना चाहिए कि हमारा दायित्व केवल देश के गौरव की रक्षा करना ही नहीं, बल्कि विश्व को उसके मूल्यों से प्रेरित करना भी है. उन्होंने कहा,भारत वैश्विक नेता है और 500 करोड़ वैश्विक नागरिकों का केंद्र बिंदु भी है. हमारा देश लोकतंत्र की जननी है. लोकतंत्र भारत के 'डीएनए' में गहराई से समाया हुआ है. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश भर के छात्रों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत 26 जनवरी, 2023 से वसंत पंचमी के अवसर पर भारतीय इतिहास का सही संस्करण पढ़ाया जाएगा. उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति हमें अनेक अवसर प्रदान कर रही है. आज भारत में मातृभाषा को प्राथमिकता देने से लेकर पढ़ाई के लिए 200 टीवी चैनल, डिजिटल यूनिवर्सिटी जैसे प्रयास हो रहे हैं. उन्होंने कहा, इतिहासकारों को इनके लिए ज्ञानवर्धक, वैज्ञानिक सामग्री तैयार करना होगा. हमें 21वीं सदी में भारत की प्राचीन संस्कृति और सभ्यता को एक नया वैश्विक परिप्रेक्ष्य देना चाहिए. केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना द्वारा 75 पुरानी किताबों को नई रचनाओं के साथ फिर से प्रकाशित किया जा रहा है. प्रधान ने कहा कि यह किताबें भारत के बौद्धिक जगत को स्पष्टता देंगी. इंडियन काउंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च (आईसीएचआर) और नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) से उन्होंने आग्रह किया कि इन किताबों को भारत की सभी भाषाओं में अनुवाद कर डिजिटल माध्यमों में उपलब्ध कराया जाए. भारत के जी-20 की अध्यक्षता संभालने के बारे में प्रधान ने कहा, हमें जी-20 को भारत का उत्सव बनाना होगा. कला, संस्कृति, सभ्यता की विरासत को तर्क, लेख, संगोष्ठी, संवाद के माध्यम से विश्व के सामने प्रस्तुत करना होगा. मैं सभी को इसमें अपनी रुचि के हिसाब से सहभागिता के लिए अपील करता हूं. अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना और आईसीएचआर के द्वारा संयुक्त रूप से बिहार के रोहतास जिला के जमुहार स्थित गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित इस सम्मेलन में हिमाचल केंद्रीय विश्वविद्यालय (धर्मशाला) के कुलपति सहित कई विद्वानों ने भाग लिया.

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 29 दिसंबर, 2022 3

सु वि चा र

हर्षितमुखता ही चेहरे का सच्चा सौंदर्य है, चिड़चिड़े स्वभाव का व्यक्ति वास्तव में कुरूप है

विधायकों की खरीद-फरोख्त मामले में पक्षकार याचिका दायर करने पर विचार : रेवंत

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस कथित बीआरएस विधायकों की खरीद-फरोख्त के मामले में उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि चूंकि मामले में शामिल चार में से तीन विधायक 2018 में कांग्रेस से बीआरएस के साथ नौ अन्य कांग्रेस विधायकों के साथ अपनी वफादारी बदल चुके हैं, सीबीआई को विधायक पोचगेट मामले के साथ इसकी भी जांच करनी चाहिए।

बुधवार को यहां गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि उनकी पार्टी याचिका दायर करने पर गंभीरता से विचार कर रही थी क्योंकि कांग्रेस से बीआरएस में शामिल होने वाले विधायकों को मंत्री पद दिया गया था। बीआरएस में शामिल होने वाले कांग्रेस विधायकों में शामिल भ्रष्टाचार की जांच करने की आवश्यकता है।

सीबीआई को पोचगेट के साथ-साथ इस मामले की भी जांच करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस और भाजपा दोनों ही कथितविधायकों की खरीद-फरोख्त मामले के माध्यम से राजनीतिक स्कोर तय करने के लिए जांच एजेंसियों का उपयोग कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हालांकि दोनों समान रूप से दोषी हैं लेकिन वे खुद को पीड़ित दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि जिस दिन बीआरएस सरकार ने राज्य पुलिस के माध्यम से विधायकों की खरीद-फरोख्त के मामले की जांच करने का फैसला किया और बीजेपी ने सीबीआई जांच की मांग की, दोनों का पर्दाफाश हो गया। उन्होंने कहा कि बीजेपी का दावा है कि मामले से उसका कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन वह आरोपियों को बचाने की कोशिश करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह दिखाता है कि वे मामले में बहुत अधिक शामिल हैं।

तेलंगाना में हर घर तक 'भारत जोड़ो यात्रा' का संदेश ले जाएगी कांग्रेस

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद और टीपीसीसी के पूर्व अध्यक्ष एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' का संदेश 'हाथ से हाथ जोड़ो अभियान' के जरिए गांवों और शहर के हर घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। बुधवार को कांग्रेस के 138वें स्थापना दिवस के अवसर पर हुजूरनगर में कांग्रेस का झंडा फहराने के बाद बोल रहे थे। उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया कि 'हाथ से हाथ जोड़ो अभियान' 26 जनवरी से शुरू हो रही सफल 'भारत जोड़ो यात्रा' का विस्तार होगा। दो महीने तक चलने वाले कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक और मंडल कांग्रेस कमेटी द्वारा पदयात्राएं आयोजित की जाएंगी। उन्होंने राज्य में ग्राम पंचायतों, गांवों और मतदान केंद्रों को कवर किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि तेलंगाना में मोदी सरकार और बीआरएस सरकार के खिलाफ चार्जशीट बांटने के अलावा अभियान के दौरान राहुल गांधी का एक पत्र भारत जोड़ो यात्रा के मूल संदेश के साथ लोगों को सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत भारत जोड़ो यात्रा के चुनिंदा वीडियो हर गांव में दिखाए जाएंगे और युवा कांग्रेस और एनएसयूआई हर मंडल में बाइक रैली आयोजित करेंगे।

दो वाहन लिफ्टर गिरफ्तार, चार स्पोर्ट्स बाइक जब्त

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टास्कफोर्स आयुक्त, पूर्वी क्षेत्र की टीम ने फरदीन खान और मोहम्मद शरीफ के रूप में पहचाने गए दो वाहन लिफ्टरों को पकड़ा, जिन्होंने हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा के ट्राई कमिश्नरेट के तहत ऑटोमोबाइल की चोरी की और छह लाख रुपये की कीमत की चार स्पोर्ट्स बाइक जब्त कीं। आरोपियों ने स्पोर्ट्स बाइक उठाने की योजना बनाई और 2021 में उन्होंने शमशाबाद थाने के तहत बुलेट वाहनों की चोरी की और चौटुप्पल थाने के तहत पल्सर एनएस, बाद में उन्हें शमशाबाद थाने ने पकड़ लिया और जेल में बंद कर दिया।

जेल से छूटने के बाद भी स्पोर्ट्स बाइक की चोरी करते थे। योजना के अनुसार, उन्होंने एसआर नगर, आर.सी पुरम, इब्राहिमपटनम और जवाहरनगर पुलिस थाना क्षेत्रों के अंतर्गत चार बाइक चोरी की।

एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, कमिश्नर टास्कफोर्स, ईस्ट ज़ोन टीम ने दो आरोपियों को पकड़ लिया और उनकी निशानदेही पर चार वाहनों को जब्त कर लिया। जब्त की गई संपत्ति के साथ दोनों को एसएचओ एसआर को सौंप दिया गया।

एआईएस, सीसीएस और एमईएस अधिकारियों ने रंगारंग समारोह मनाया

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. एमसीआर एचआरडी इंस्टीट्यूट में अपने फाउंडेशन कोर्स में भाग लेने वाले देश भर से अखिल भारतीय सेवाओं, केंद्रीय सिविल सेवाओं और सैन्य अभियंता सेवा अधिकारियों ने एक रंगीन भारत दिवस समारोह प्रस्तुत किया। इस आयोजन का उद्देश्य देश के विभिन्न क्षेत्रों से अद्वितीय वेशभूषा, विविध नृत्य रूपों, समृद्ध संस्कृति, मुंह में पानी लाने वाले व्यंजनों का प्रदर्शन करने के लिए और इस तरह देश की "विविधता में एकता" पेश करने के लिए किया गया।

कार्यक्रम में श्रीमती अनीता राजेंद्र, आईएएस, संयुक्त महानिदेशक और सरकार के सचिव ने भाग लिया। बड़ी संख्या में तेलंगाना के अधिकारी, संकाय और संस्थान के कर्मचारी।अपने अनूठे पारंपरिक परिधानों और विभिन्न राज्यों के आभूषणों से सजे, अधिकारी प्रशिक्षुओं ने संस्थान के परिसर को मिनी-इंडिया में बदल दिया और इस कार्यक्रम के ग्लैमर को बढ़ा दिया। सांस्कृतिक विविधता के चकाचौंध भरे प्रदर्शन ने सभी के दिलों पर कब्जा कर लिया और उन्हें अचंभित भी कर दिया। उत्सव जैसा माहौल दिखाने वाला संस्थान का पूरा परिसर उत्सव के साये में डूबा हुआ था। अधिकारी प्रशिक्षुओं ने गोदावरी छात्रावास से एडमिन ब्लॉक तक रंगारंग जुलूस निकाला। उन्होंने इस अवसर के उत्सव के मूड का आनंद लिया और ड्रम की लयबद्ध ताल और विद्युत संगीत बैंड पर नृत्य किया। बड़ी संख्या में दर्शकों ने उत्सव का माहौल बनाया, कदम दर कदम मेल किया और सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर अधिकारी प्रशिक्षुओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसमें कश्मीर, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र आदि के ऊर्जावान लोग शामिल रहे।विभिन्न भाषाओं में मधुर गायन, जिससे दर्शकों का मूड अच्छा हो गया। उन्हें एक अच्छा फुट टैपिंग समय प्रदान किया। अधिकारी प्रशिक्षु, जिन्होंने भाग लिया।सांस्कृतिक कार्यक्रम को तालियों के कई दौर मिले। अनीता राजेंद्र,ने कहा कि भारत दिवस समारोह अधिकारी प्रशिक्षुओं को न केवल देश की विविध संस्कृति को समझने में मदद करता है बल्कि विभिन्न सेवाओं के साथी प्रशिक्षुओं के साथ संबंध बनाने में भी मदद करता है।

उन्होंने कहा कि भारत दिवस कार्यक्रम के सफल आयोजन ने साबित कर दिया है कि अधिकारी प्रशिक्षुओं के कौशल का दायरा बहुत व्यापक है और वे अपने करियर में सफल होने के लिए पूरी तरह से सुसज्जित हैं। इस अवसर पर परोसा गया शानदार लंच, जो देश के विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का प्रतिनिधित्व करता था, विविधता में एकता का जश्न मनाने के लिए भारत दिवस के उद्देश्य के अनुरूप था।

बीआरएस सरकार श्रमिकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : जगदीश रेड्डी

सूर्यापेट, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डीने बुधवार को कहा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार श्रम के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है क्योंकि यह देश में एकमात्र पार्टी है, जो अनुबंध श्रम के लिए भी 30 प्रतिशत पीआरसी लागू कर रही है। यहां पुराने बाजार प्रांगण में आयोजित एक कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री की उपस्थिति में विभिन्न ट्रेड यूनियनों के 150 से अधिक सदस्य बीआरएस कर्मिका विभागम में शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए, जगदीश रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने श्रमिकों के कल्याण और उनके अधिकारों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। बीआरएस सरकार ने नगर निगम के कर्मचारियों के वेतन को 6,000 प्रति माह बढाकर 15,000 रुपये कर दिया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य सरकार को छोड़कर, कोई अन्य राज्य सरकार देश में आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए पीआरसी का विस्तार नहीं कर रही है। इसलिए, अन्य राज्यों की श्रम शक्ति भी बीआरएस के गठन के बाद मुख्यमंत्री के नेतृत्व की तलाश कर रही है। यह कहते हुए कि भाजपा शासित राज्यों में संविदा कर्मचारियों को सबसे खराब स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, उन्होंने कहा कि गुजरात राज्य में न तो नौकरी की सुरक्षा थी और न ही ठेका श्रमिकों को वेतन का उचित भुगतान, जहां नरेंद्र मोदी ने लगभग 15 वर्षों तक शासन किया था। तेलंगाना राज्य में विभिन्न वर्गों के लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन के कारण प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी बीआरएस सरकार की बढ़ती प्रतिष्ठा को पचा नहीं पा रहे हैं।

इसलिए उसने तेलंगाना में बीआरएस सरकार को गिराने की साजिश रची। उन्होंने याद दिलाया कि नरेंद्र मोदी सरकार भी हमारे राज्य में धन रोककर कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न कर रही है। जगदीश रेड्डी ने आश्वासन दिया कि वह सूर्यापेट शहर में एक ईएसआई अस्पताल लाने के लिए काम करेंगे। कार्यक्रम में श्रमिक संघ के नेता वलदासु मधुसूदन, चगंती वेंटाका रमना और बीआरएसकेवी के राज्य सचिव वाई वेंकटेश्वरलू भी शामिल हुए।

बायोलॉजिकल ई और भारत बायोटेक के पास 25 करोड़ कोविड टीके का भंडार, आपूर्ति के लिए तैयार

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की दो प्रमुख वैक्सीन निर्माता कंपनियों बायोलॉजिकल ई लिमिटेड और भारत बायोटेक के पास कोविड-19 टीकों की लगभग 25 करोड़ खुराक का भंडार है।

दोनों कंपनियों को ऑर्डर मिलने का इंतजार है। कंपनी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि बायोलॉजिकल ई के पास कोविड टीके कॉर्बेवैक्स की 20 करोड़ खुराक है, जबकि भारत बायोटेक के पास कोवैक्सीन की पांच करोड़ खुराक का भंडार है। बायोलॉजिकल ई के कार्यकारी उपाध्यक्ष (विनिर्माण) डॉ. विक्रम पाराडकर ने कहा कि केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का पालन करते हुए उनकी कंपनी ने कॉर्बेवैक्स की कुल 30 करोड़ खुराक का उत्पादन किया।

विधायक अवैध शिकार मामला : मंत्री ने सीबीआई की पारदर्शी जांच पर संदेह जताया

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने बीआरएस विधायकों के अवैध शिकार मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा पारदर्शी जाच पर संदेह व्यक्त किया है।

बुधवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि जिस तरह से भाजपा नेता उच्च न्यायालय के फैसले पर जश्न मना रहे हैं, जिसने राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से पोचगेट मामले को स्थानांतरित करने का आदेश दिया हैख सीबीआई पर शक हो रहा है।

उन्होंने उच्च न्यायालय के फैसले को भगवा पार्टी की जीत के रूप में मनाने के लिए भाजपा नेताओं के साथ गलती की और कहा कि बीआरएस पार्टी यह नहीं सोच सकती थी कि विधायक अवैध शिकार मामले में सीबीआई द्वारा निष्पक्ष जांच की जाएगी। तलसानी श्रीनिवास

यादव ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के लिए केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी की भी आलोचना की और कहा कि केंद्रीय मंत्री केवल राजनीति में अपनी पहचान के लिए अपमानजनक टिप्पणी कर रहे हैं। मंत्री ने यह भी मांग की कि केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी बताएं कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान सिकंदराबाद संसद क्षेत्र के विकास के लिए कितना फंड लाया है।

तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि किशन रेड्डी ने उनके द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए सिकंदराबाद संसद क्षेत्र के लिए कुछ नहीं किया है। वह अंबरपेट विधानसभा क्षेत्र के लिए भी न्याय नहीं कर सके, भले ही वह पहले क्षेत्र से विधायक के रूप में चुने गए हैं। मंत्री ने कहा कि किशन रेड्डी की टिप्पणी तेलंगाना पुलिस का अपमान कर रही है और केंद्रीय मंत्री को यह ध्यान रखना चाहिए कि मामला अभी सीबीआई को स्थानांतरित किया गया है, अदालत को मामले की जांच में कोई गलती नहीं मिली।

समर्पण के साथ काम करे पुलिस विभाग : सुरेश कुमार

आसिफाबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला एसपी के. सुरेश कुमार आईपीएस ने बुधवार को केरामेरी थाने का वार्षिक निरीक्षण किया। उन्होंने एसआई वेंकटेश से लंबित मामलों और जांच की जानकारी ली।थाने में प्रतिदिन दर्ज होने वाली शिकायतों व मुकदमों के रिकार्ड की जांच की गई।थाना स्वागत कक्ष, हवालात, मेन बैरक, तकनीकी कक्ष के आसपास का जायजा लिया। रिसेप्शन काउंटर पर जाकर शिकायत प्राप्त करने के बाद दर्ज की गई रिसेप्शन डायरी की जांच की गई। कर्मचारियों को कई निर्देश दिए। इस मौके पर एसपी ने कहा कि पुलिस विभाग सबसे जिम्मेदार व्यवस्था है, उसे अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित होना चाहिए और लोगों के लिए हमेशा उपलब्ध रहना चाहिए। न्यायपूर्ण कानून को लागू करना पुलिस की जिम्मेदारी है। और सबसे पहले वे खुद कानूनों का पालन करना चाहते हैं और लोगों के लिए एक उदाहरण के रूप में खड़े होना चाहते हैं।उन्होंने कहा कि गंभीर मामलों में आरोपियों को अविलंब गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाए। बताया गया है कि आरोपियों को सजा दिलाने के लिए भौतिक साक्ष्य के साथ तकनीकी ज्ञान भी जोड़ा जाए।लगातार अलर्ट रहने की जानकारी दी।

संदिग्ध व्यक्तियों को सलाह दी जाती है कि जब भी वे दिखें तो तुरंत जांच करें।उन्होंने कहा कि किसी भी असामाजिक गतिविधियों को रोकने के लिए सख्ती से पेट्रोलिंग की जाए।सड़क किनारे ड्रंक एंड ड्राइव टेस्ट कराया जाए और दुर्घटनाओं को रोकने के प्रयास किए जाएं।उन्होंने कहा कि वित्तीय अपराधों को रोकने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने के प्रति लोगों को जागरूक किया जाए.उन्होंने सुझाव दिया कि लोग डायल-100 के माध्यम से किसी भी सूचना की सूचना दे सकते हैं। बाद में एसपी ने थाना परिसर में पौधारोपण किया।

वन्यजीवों के शिकार के लिए बिजली तार लगाना कानूनन अपराध : जिला एसपी

आसिफाबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जंगली जानवरों के लिए फसल के खेतों या वन क्षेत्रों में बिजली के तार लगाने पर शिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कुमरम भीम आसिफाबाद जिले के एसपी के. सुरेश कुमार आईपीएस ने बुधवार को एक बयान में कहा कि बिजली के तार चोरी-छिपे लगाए जाने के कारण, वे जानवरों और लोगों के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं और अगर उन्हें पता चलता है कि वे बिजली का उपयोग कर रहे हैं, तो आईपीसी की धारा 307 हत्या का प्रयास, गैर-जमानती मामले और पीडी एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। ऐसे लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा।

तेलंगाना सरकार ने आर एंड बी विभाग के पुनर्गठन के आदेश जारी किए

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने सड़क और भवन (आर एंड बी) विभाग के पुनर्गठन के आदेश जारी किए हैं। राज्य मंत्रिमंडल ने हाल ही में पूरे राज्य सड़क और भवन विभाग के पुनरुद्धार को मंजूरी दी है और तदनुसार मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के निर्देश के अनुसार परिवर्तन किए गए हैं।

आर एंड बी विभाग के अधिकारियों के अनुसार, सरकार ने तीन नए मुख्य अभियंता कार्यालय, 10 मंडल, 13 मंडल, 79 अनुमंडल और 124 नए खंड बनाने का फैसला किया है। विभाग बेहतर पर्यवेक्षण और निगरानी के लिए मौजूदा कार्यालयों के स्थानांतरण के माध्यम से एक सर्किल, तीन मंडल, 15 अनुमंडल और 96 अनुभाग कार्यालय बनाएगा। शासन ने विभाग की नवीन व्यवस्था की आवश्यकता के अनुरूप मुख्य अभियंता के तीन नये पद, अंचल अधीक्षक के 10 पद, संभागीय कार्यपालन यंत्री के 13 पद, अनुमंडल उपयंत्री के 79, अनुमंडल अभियंता के 124 पद स्वीकृत किये हैं। तीन नए मुख्य अभियंता कार्यालयों में दो मुख्य अभियंता (प्रादेशिक) और एक मुख्य अभियंता (विद्युत) शामिल होंगे। मनचेरियल, जगतियाल, जयशंकर भूपालपल्ली, सिद्दीपेट, भद्राद्री कोठागुडेम, यदाद्री भुवनगिरी, वारंगल और निजामाबाद में दस नए सर्किल कार्यालय खुलेंगे। दो सर्किलों के लिए शीघ्र ही आदेश जारी किए जाएंगे। नया सर्कल कार्यालय वारंगल में बनेगा। नए मंडल कार्यालय मुलुगु, गजवेल, भद्राचलम, मिरयालगुडा, नारायणपेट, निजामाबाद, वारंगल, जनगांव, महबूबनगर और सिद्दीपेट में खुलेंगे। अधिकारियों से कई बार चर्चा के बाद सड़कों, भवनों, राजमार्गों, प्रशासन, गुणवत्ता नियंत्रण और अन्य विभागों के पुनर्गठन के प्रस्ताव प्राप्त हुए और इस संबंध में नए पद स्थापित किए गए।

राज्य में नए जिलों के गठन के बाद, मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सड़कों और इमारतों को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए आरएंडबी विभागका पुनर्गठन करने का निर्णय लिया है। राज्य में वाहनों की बढ़ती संख्या के अलावा, कृषि क्षेत्र के विकास के साथ जिलों और ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रैक्टर और हार्वेस्टर की संख्या में काफी वृद्धि हुई है, जिससे नए निर्माण के लिए आर एंड बी विभाग के पुनर्गठन की आवश्यकता हुई है।

आरएंडबी विभाग की सड़क संपत्ति में 24,245 किलोमीटर सड़क की लंबाई के साथ 3,152 किलोमीटर राज्य राजमार्ग, 12,079 किलोमीटर प्रमुख जिला सड़कें और 9,014 किलोमीटर अन्य जिला सड़कें शामिल हैं। 16 राष्ट्रीय राजमार्ग 2,690 किलोमीटर की लंबाई वाले राज्य से गुजर रहे हैं, जिनमें से 868 किलोमीटर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के पास हैं।

तिरुमाला मंदिर में अब मास्क अनिवार्य

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में वैकुंठ द्वार दर्शन में शामिल होने वाले भक्तों से मास्क पहनने का आग्रह किया है। यह कदम केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा जारी किए गए नए कोविड-19 दिशानिर्देशों के मद्देनज़र आया है। मंदिर निकाय यह सुनिश्चित करने के लिए वैकुंठ द्वार दर्शन के लिए विस्तृत व्यवस्था कर रहा है कि भक्तों को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े। टीटीडी के अध्यक्ष वाईवी सुब्बा रेड्डी के अनुसार, वैकुण्ठ द्वार दर्शन के लिए 2 से 11 जनवरी तक प्रति दिन 45,000 स्लॉटेड सर्व दर्शन टिकट जारी किए जाएंगे। कुल 92 काउंटरों वाले तिरुपतिके नौ केंद्रों पर 1 जनवरी को दोपहर 2 बजे मुफ़्त एसएसडी टोकन जारी करना शुरू होगा।

केंद्रों में भूदेवी कांप्लेक्स, इंदिरा मैदान, रामचंद्र पुष्करिणी, जीवकोना जिला परिषद हाई स्कूल, विष्णु निवासम, श्रीनिवासम, रामानायडू म्यूनिसिपल हाई स्कूल, बैरागीपट्टेडा में शेषाद्रिनगर जिला परिषद हाई स्कूल और गोविंदराजा मुर्गी शामिल हैं। एसएसडी टोकन वाले भक्तों को केवल दर्शन के लिए लंबे समय तक इंतजार से बचने के लिए तिरुमाला में श्री कृष्ण तेजा रेस्ट हाउस में उनकी निर्दिष्ट तिथि और समय पर रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है। टीटीडी ने कहा कि कोई भी श्रीवानी टिकट व्यक्तिगत रूप से वितरित नहीं किया जाएगा। नए साल के दिन, 2 जनवरी को वैकुंठ एकादशी और 3 जनवरी को वैकुंठ द्वादशी को देखते हुए, 29 दिसंबर से 3 जनवरी तक आवास की सभी बुकिंग रद्द कर दी गई हैं। यहां तक कि वीआईपी को भी केवल दो कमरे आवंटित किए जाएंगे क्योंकि तिरुमाला में सीमित आवास है।

दत्तात्रेय ने राष्ट्रपति मुर्मू से बोलाराम में मुलाकात की

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हरियाणा राज्य के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने आज राष्ट्रपति निलयम, बोलारम, सिकंदराबाद में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शिष्टाचार मुलाकात की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हरियाणा राजभवन, चंडीगढ़ में अपने प्रवास के दौरान मिले आतिथ्य पर प्रसन्नता व्यक्त की, जहां राज्य सरकार द्वारा उनका नागरिक अभिनंदन किया गया। राष्ट्रपति मुर्मू ने महिला राज्यपाल और बच्चों का हालचाल भी जाना. राष्ट्रपति ने राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के साथ शिष्टाचार मुलाकात के दौरान हरियाणा सरकार के 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम की प्रशंसा की।

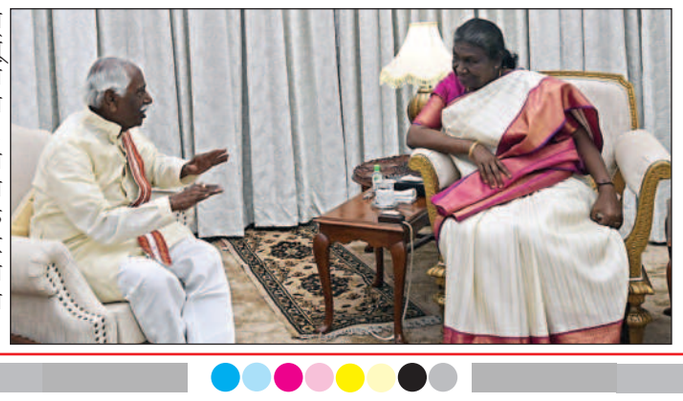

चाचा-भतीजे की जुगलबंदी से भाजपा में बेचैनी!

लखनऊ, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। इसके इतर भारतीय जनता पार्टी में खासी मायूसी देखी जा रही है। असल में भारतीय जनता पार्टी ऐसा दावा कर रही थी कि नेताजी के निधन के बाद इस सीट पर भगवा परिचम हर हाल में फहराएगा लेकिन उसकी तमाम कोशिशें नाकाम रहीं और एक बार फिर से मैनपुरी संसदीय सीट पर समाजवादियों का कब्जा कायम रहा ।

राजनीतिक टीकाकार ऐसा मानते हैं कि चाचा भतीजे की जुगलबंदी का फायदा 2024 के संसदीय चुनाव में समाजवादी पार्टी को बड पैमाने पर मिल सकता है। शिवपाल अखिलेश के एक होने के बाद समाजवादी पार्टी की ताकत के बढ़ने के उम्मीद जताई जा रही है। समाजवादी पार्टी मैनपुरी संसदीय सीट के चुनाव में जिस ढंग से सक्रिय दिखाई दी है, उसी अंदाज में लोकसभा का चुनाव लड़ना चाह रही है। इससे भाजपा आलाकमान कहीं ना कहीं चिंतित है। साल 2017 से समाजवादी पार्टी में अखिलेश ओर शिवपाल के बीच सत्ता संघर्ष चल रहा था, लेकिन मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद मैनपुरी संसदीय सीट के चुनाव के ऐलान के साथ ही दोनों ने हाथ मिला लिए। शिवपाल अखिलेश यादव ऐसे ही एक नहीं हुए हैं। शिवपाल सिंह यादव ने अपनी पूरी पार्टी की पार्टी का विलय समाजवादी पार्टी में कर लिया है। शिवपाल सिंह यादव साफ-साफ शब्दों में अब बोलने लगे हैं कि कि वे हमेशा समाजवादी पार्टी के साथ रहेंगे और अखिलेश और समाजवादी पार्टी को ताकत और मजबूती प्रदान करने का काम करेंगे।

जब बात उठी कि शिवपाल को क्या पद दिया जाएगा तो उन्होंने साफ शब्दों में कह दिया कि उनकी कोई महत्त्वाकांक्षा नहीं है। वे उत्तर प्रदेश में नेता विरोधी दल भी रह चुके हैं और कई दफा मंत्री भी रह लिए हैं, इसलिए किसी भी पद का कोई महत्त्व नहीं है। शिवपाल के इस बयान को अखिलेश के लिए बेहद अहम माना जा रहा है क्योंकि कल तक वे खुद अपने लिए सम्मान की और अपने कार्यकर्ताओं को सम्मान दिलाने की बात कहते आ रहे थे।

2022 के विधानसभा चुनाव में जहां शिवपाल सिंह यादव 100 सीट मांग कर रहे थे, बाद में केवल एक जसवंतनगर विधानसभा सीट पर ही उन्हें मैदान में उतारा गया और वे सदन में पहुंचे। बाद में शिवपाल सिंह यादव ने अखिलेश से दूरी बना ली थी और उनके रुख से ऐसा लगा था कि वे सत्तारूढ़ दल के करीब जा सकते हैं। लेकिन उन्होंने अपने पत्ते पूरी तरह से खोले नहीं थे। शिवपाल को लेकर भारतीय जनता पार्टी आलाकमान ऐसा मान कर के चल रहा था कि अखिलेश से उनकी अनबन चल रही इसलिए वे भाजपा को फायदा पहुंचाने का काम करेंगे। लेकिन शिवपाल ने भाजपा के मंसूबों पर पानी फेरते हुए भतीजे के साथ खड़ा होना ज्यादा मुनासिब समझा।

धर्मांतरण केस में 54 मामले दर्ज

प्रयागराज में विश्वविद्यालय के शीर्ष अधिकारियों को नोटिस

लखनऊ, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में एक कथित अवैध धर्मांतरण मामले की आठ महीने की लंबी जांच के बाद पुलिस ने मंगलवार को प्रयागराज में एक कृषि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, कुलपति और एक अधिकारी को नोटिस जारी किया है। पुलिस उन्हें 15 अप्रैल को सामूहिक धर्मांतरण मामले में अपनी भूमिका स्पष्ट करने के लिए कह रही है। साथ ही पुलिस ने प्रयागराज के एक बिशप को भी नोटिस जारी किया है। हरिहरगंज स्थित इवेंजिकल चर्च में 14 अप्रैल को सामूहिक धर्मांतरण कराए जाने का आरोप लगाकर हिंदू संगठनों ने हंगामा किया था।

कथित धर्मांतरण का यह मामला इस साल 14 अप्रैल का है। पुलिस ने अपनी जांच के बाद बताया कि मामले में आरोपियों द्वारा नौकरी, शिक्षा और घर देने का वादा कर लोगों का धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। ऐसे कुछ लोग पुलिस की जांच के बाद सामने आए हैं जिनका धर्म

परिवर्तन कराया गया है। पुलिस ने जानकारी दी है कि लगभग चार महीने बाद किशन (45) और सत्य पाल (42) के रूप में पहचाने जाने वाले दो स्थानीय किसानों दावा किया कि उनका धर्मांतरण अप्रैल में चर्च में हुआ था। इनके अलावा प्रमोद कुमार दीक्षित, संजय सिंह और राजेश कुमार त्रिवेदी नाम के लोग भी सामने आए हैं और हलफनामा दायर किया कि आरोपियों ने उन्हें ईसाई धर्म अपनाने के लिए मनाने की कोशिश की थी। सभी पांचों ने पुलिस को बताया कि वे 14 अप्रैल को चर्च में थे, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही भाग गए थे।

जांच के दौरान सैम हिगिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज के चांसलर डॉ जेट्टी ए ओलिवर, कुलपति बिशप राजेंद्र बी लाल और प्रशासनिक अधिकारी विनोद बी लाल की भूमिका सामने आई है। पुलिस ने इन्हें 29 दिसंबर तक अपनी भूमिका स्पष्ट करने के लिए कहा है।

हिन्दू संगठनों ने किया था विरोध

मामले के अगले ही दिन झूठे वादे कर धर्म परिवर्तन का झांसे का आरोप लगाकर बजरंग दल सहित कुछ हिंदू संगठनों ने फतेहपुर के हरिहरगंज इलाके में इवेंजेलिकल चर्च ऑफ इंडिया (ईसीआई) द्वारा चलाए जा रहे एक चर्च के बाहर विरोध प्रदर्शन किया था।

विश्व हिन्दू परिषद के एक स्थानीय नेता हिमांशु दीक्षित की शिकायत के आधार पर अगले दिन एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

जिसमें एक नाबालिग लड़की सहित 35 लोगों को नामित किया गया था जबकि 20 अन्य अज्ञात थे। नामित लोगों में से 22 चर्च के पास स्थित ब्रॉडवेल क्रिश्चियन अस्पताल के कर्मचारी हैं। चर्च के पादरी विजय मसीह (36) सहित छब्बीस अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया था और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया था। पुलिस ने प्राथमिकी में नामित 16 वर्षीय लड़की के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिलने के कारण आरोप हटा दिए थे। आईपीसी की धारा 153-ए, 506, 420, 467 और 468के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि इस बात के सबूत हैं कि आरोपी धर्मांतरण में शामिल थे।

हमने मामले में अब तक 54 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इनमें से 15 जेल में हैं, 36 ने अग्रिम जमानत हासिल कर ली है और तीन फरार हैं।

कई होटलों में छापेमारी

दर्जनों युवक-युवती हिरासत में

बक्सर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। शहर के विभिन्न होटलों-रेस्टोरेंट्स में बड़े पैमाने पर की गई छापेमारी में बड़ी संख्या में आपत्तिजनक हालत में प्रेमी युगल जोड़ा एवं कॉल गर्ल सहित युवक पकड़े गए हैं। एसडीएम धीरेंद्र कुमार मिश्रा, डीएसपी गोरख राम और सार्जेंट मेजर की जॉइंट ऑपरेशन टीम ने बक्सर नगर के स्टेशन रोड स्थित अलग-अलग होटलों में छापेमारी की। इस दौरान विभिन्न कमरों में आपत्तिजनक हालत में युवक और युवती को संदेह के आधार पर पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। सभी पकड़े गए महिलाएं, पुरुषों, युवक-युवतियों को बस में भर कर थाना ले जाया गया।

घटना को लेकर काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही और लोग इधर-उधर भागने लगे। कमरे से आपत्तिजनक हालत में कई जोड़ों को पुलिस ने पकड़ लिया।

तेजस्वी यादव को सीएम पोस्ट के लिए ट्रेनिंग या किनारे लगाने की रणनीति?

माथा चकराने वाली है नीतीश की यह चाल

पटना, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इधर से कोई ऐसा मौका नहीं छोड़ रहे हैं, जहां वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने एक प्रश्न बनकर खड़े न हो जाएं? देखा यह जा रहा है कि अपनी टिप्पणियों से या अपने इरादों से वह किसी न किसी बहाने नरेंद्र मोदी के नाम को राजनीतिक गलियारों में घसीट रहे हैं। अब अटल बिहारी बाजपेयी के जन्मदिवस पर नीतीश कुमार की प्रशंसा के स्वर हो या केंद्र की ओर से निर्धारित बैठक में स्वयं न जा कर तेजस्वी यादव को भेजने का निर्णय करना देश की राजनीत को उथल पुथल कर देने के लिए काफी है। कहा जा रहा है सत्ता से दूर रखने की रणनीति पर हो काम हो रहा है। नीतीश कुमार ने अटल जी के जन्मोत्सव कार्यक्रम में

उनकी प्रशंसा क्या कर दी, राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज हो गई कि क्या यह बीजेपी के साथ फिर गंठबंधन बनाने की तैयारी तो नहीं है। वहीं राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा चल रही है कि उन्होंने ऐसा बयान देकर अटल जी के बरक्स नीतीश कुमार को खड़े कर यह संदेश देना भी चाहते थे कि आप भले बार-बार सरकार बना लें, पर उनके जैसे लोकप्रिय और विपक्षी दलों का सम्मान कर होने वाला नेता नहीं हो सकते हैं। दरअसल, ऐसा कहकर नीतीश कुमार अपनी भड़ास निकालना चाह रहे हों कि जो पीएम मेटेरियल अटल जी में थी वह आपने नहीं है। लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसके साथ-साथ एक अलग चिंतन यह भी चल रहा है कि हर व्यक्ति संवेदनशील होता है और उसके भीतर हर किसी व्यक्ति के प्रति अपने आंकलन होते हैं। नीतीश कुमार अब अटल जी की प्रशंसा क्यों नहीं करें? जिसने नीतीश कुमार को 2000 में राज्य का सीएम बना कर लालू प्रसाद और रामविलास पासवान जैसे नेता के सामने खड़ा कर दिया। जिस व्यक्ति ने केंद्रीय मंत्रिमंडल में हमेशा स्वंत्र प्रभार वाला मंत्रालय दिया उसके प्रति सम्मान बोध आया तो उसे राजनीति नहीं श्रद्धा कहा जाना चाहिए। नीतीश कुमार ऐसा करने में विश्वास करते हैं। बिहार में ही अरुण जेटली की प्रतिमा लगाने की क्या जरूरत थी।

पांच जनवरी से सीएम नीतीश की नई यात्रा का आगाज

चंपारण की धरती से जानने निकलेंगे बिहार की जनता का मिजाज

पटना, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यात्रा पांच जनवरी से शुरू होगी। बुधवार को मुख्यमंत्री ने कहा, हम पांच जनवरी से यात्रा शुरु करेंगे। एक दो दिनों में सभी जिलों से बातकर कार्यक्रम तय किया जाएगा। हर जगह जो काम हुआ है, उसको देखेंगे। जहां कोई समस्या होगी उसको भी देखेंगे। हर तबके के लोगों से मुलाकात करेंगे। सीएम नीतीश की यह 14वीं यात्रा होगी।

बता दें कि नमामि गंगे कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के साथ होने वाली बैठक में शामिल नहीं होने से संबंधित प्रश्न का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, पिछली बार उत्तर प्रदेश में आयोजित बैठक में उस समय के उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी शामिल हुए थे। ये विभाग भी उन्हीं के पास था, इस बार उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव के पास यह विभाग है। इसलिए हमने इनसे आग्रह किया कि कार्यक्रम में शामिल होने चले जाएं। हम लोगों की गंगा नदी को लेकर जो इच्छाएं हैं, उन सब बातों की चर्चा करेंगे। हम लोग बहुत पहले से इसको लेकर यहां काम कर रहे हैं। साल 2017 में यहां बैठक कर और फिर दिल्ली में भी बैठक कर केंद्र सरकार को हम लोगों ने सारी बातों की जानकारी दी थी। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी भी जाकर सारी बातों को रखेंगे।

बोरे में 1.36 करोड़ भरकर फरार हो गया कैश कलेक्शन कंपनी का डिलिवरी मैन

पुलिस की 8 टीमें कर रहीं तलाश

आगरा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। कैश कलेक्शन करने वाली कंपनी का कर्मचारी 1.36 करोड़ रुपये लेकर फरार हो गया है। शातिर ने सुरक्षाकर्मियों समेत पांच लोगों को एक साथ चकमा दिया था। बॉक्स से कैश को वह बोरे में भरकर बाइक से फरार हुआ है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि उसने कैश ले जाने की योजना पूर्व में ही बना ली थी। तभी उसने अपनी बाइक बैंक में पार्क की थी। जैसे ही कंपनी के सुरक्षाकर्मी बैंक से निकले। वह कैश को बोरे में भरकर बाइक से निकल गया। शातिर को पकड़ने के लिए पुलिस ने 8 टीमें लगाई हैं। ब्रिक्स इंडिया कंपनी लिमिटेड का कर्मचारी विवेक कुमार मंगलवार दोपहर को एक करोड़ 36 लाख का कैश जमा कराने के लिए साई की तकिया बैंक ऑफ बड़ौदा आया था। विवेक कुमार सदर क्षेत्र के सुल्तान पुरा का निवासी है। विवेक कैश बॉक्स में भरकर लाया था। उसके साथ चालक राजवीर, बैंक कर्मचारी बॉबी यादव, पुष्पेंद्र और दो सुरक्षाकर्मी केशव और रामनिवास थे। गाड़ी से बॉक्स को लेकर वह बैंक के भीतर गया। बॉक्स रखकर कंपनी के कर्मचारी बाहर आ गए। काफी देर तक वह बैंक से बाहर नहीं आया तो कंपनी के कर्मचारी गाड़ी को लेकर वहां से लौट आए।

इसके बाद विवेक ने बॉक्स से कैश निकालकर एक प्लास्टिक के बोरे में भरा और अपनी बाइक से चंपत हो गया। शाम तक जब विवेक नहीं लौटा और कोई सूचना नहीं मिली तो कंपनी के मैनेजर ने विवेक को फोन किया, लेकिन उसका फोन बंद जा रहा था। इसके बाद मैनेजर शिशुपाल यादव ने थाना रकाबगंज में एफआईआर दर्ज कराई।

ब्रिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी अन्य कंपनियों के कैश कलेक्शन का काम करती है। विवेक अपने घर से मंगलवार सुबह 10.30 बजे निकला था। वह सीधे कंपनी पहुंचा और वहां से दोपहर को कैश लेकर थाना रकाबगंज स्थित साई की तकिया बैंक ऑफ बड़ौदा पहुंचा था।

आठ टीमें लगीं हैं सर्च ऑपरेशन में

थाना रकाबगंज के प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज चैक किए जा रहे हैं। आरोपी किस ओर भागा है। सभी रास्ते पर लगे कैमरों की जांच की जा रही है। आरोपी की मां और दो बहनों से पूछताछ की जा रही है। सर्च ऑपरेशन के लिए पुलिस की 8 टीमें लगाई गई हैं। उन्होंने कहा है कि जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में दो बच्चों समेत मां की मौत, पिता की हालत गंभीर

बलरामपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बलरामपुर जिले के उतरौला कोतवाली के लालगंज में बुधवार को संदिग्ध परिस्थितियों में दो बच्चों समेत मां की मौत हो गई। जबकि पिता की हालत गम्भीर है। उसे सीएचसी ले जाया गया है। मौत कैसे हुई, इसका अभी तक पता नहीं चल सका है। पुलिस अधिकारी मौके पर छानबीन कर रहे हैं।

मध्य प्रदेश के भिंड जिले के थाना लहर के बौढ़खरी निवासी मंटोले (42) पुत्र कालीचरन छह साल से उतरौला कस्बे से सटे लालगंज में किराए के मकान में रहते थे। वह कस्बे में पानी पूरी का ठेला लगाते थे। उनके साथ पत्नी रेखा (38) के अतिरिक्त बेटी लक्ष्मी (11) व बेटा कान्हा (8) रहता था।

बुधवार को जब सुबह दस बजे के बाद भी कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो आसपास के लोगों को कुछ शक हुआ। आवाज देने पर भी कोई जवाब नहीं मिला तो पुलिस को जानकारी दी गई। इस पर डॉयल 112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दरवाजा काटकर खुलवाया। अंदर देखा तो चारों बेसुध पड़े थे। मंटोले की सांस चल रही थी, ऐसे में तत्काल उसे अस्पताल भिजवाया गया। जबकि रेखा, लक्ष्मी व कान्हा दम तोड़ चुके थे। मौके पर चिकित्सकों की टीम बुलाई गई।

इस घटना से हर कोई हतप्रद है। मंटोले कस्बे में विधायक के घर के सामने पानी पूरी का ठेला लगाता था। बताते हैं कि वह सीधा साधा था। आसपास के लोगों से ज्यादा मेलजोल नहीं था। वह अपने काम से काम रखता था। दोपहर में ठेला लाकर जाता था। शाम को वापस आता था। पत्नी रेखा घर पर ही रहती थी। ऐसे में पड़ोसी भी घटना को लेकर सकते में हैं।

प्राथमिक विद्यालय मधुपुर के शिक्षक दिनेश सिंह कहते हैं कि 11 वर्षीय लक्ष्मी उनके यहां पांचवीं की छात्रा थी। आठ वर्षीय कान्हा चौथी का छात्र था। लक्ष्मी पढ़ाई में तेज थी।

मुख्यमंत्री योगी बोले 'ब्रांड यूपी' से दुनिया का परिचय कराएगा जी-20 सम्मेलन

लखनऊ, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में वर्ष 2023 में भारत की अध्यक्षता में होने वाले जी-20 सम्मेलनों के सफल आयोजन के लिए उच्चाधिकारियों के साथ बैठक की और अफसरों को दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में भारत को विश्व के बड़े राष्ट्रों के समूह जी-20 की अध्यक्षता करने का गौरव प्राप्त हुआ है। यह वैश्विक समारोह उत्तर प्रदेश के लिए अपार संभावनाएं लेकर आया है। यह कार्यक्रम 'ब्रांड यूपी' को दुनिया से परिचय कराने का शानदार मंच है। हमें इस वैश्विक समारोह का अधिकाधिक लाभ लेना चाहिए। भारत की अध्यक्षता वाले जी-20 के एक वर्ष की अवधि में उत्तर प्रदेश के वाराणसी, लखनऊ आगरा और ग्रेटर नोएडा में अलग-अलग कार्यक्रम होने प्रस्तावित हैं। इन जनपदों में 'अतिथि देवो भव' की भारतीय भावना के अनुरूप आयोजन को भव्य बनाने की तैयारी की जाए। यह आयोजन स्वच्छता, सुंदरता, सुरक्षा और सुव्यवस्था का मानक हो, इसके लिए एक टीम के रूप में सभी को प्रयास करना होगा।

विदेशी आगन्तुकों की सुरक्षा के मानक अनुरूप प्रबंध किए जाएं। मेडिकल इमरजेंसी, ट्रैफिक आदि के संबंध में भी आवश्यक व्यवस्था की जाए। अतिथियों के भोजन में उत्तर प्रदेश की विविधतापूर्ण खान-पान संस्कृति का समावेश होना चाहिए। जी-20 सम्मेलनों की मेजबानी वाले शहरों को भव्य स्वरूप दिया जाए। शहर में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक महत्व वाली विरासतों पर आकर्षक लाइटिंग की जानी चाहिए। अतिथियों के भ्रमण रूट पर दीवारों पर प्रदेश की संस्कृति को दर्शाने वाले चित्रों को प्रदर्शित किया जाए। भारत की योग परंपरा को आज पूरी दुनिया अपना रही है, ऐसे में सूर्य नमस्कार के विभिन्न मुद्राओं को प्रदर्शित करती हुई प्रतिमाएं लगाई जा सकती हैं।

सभी चार शहरों में होने वाले आयोजन में स्थानीय संस्कृति को थीम बनाया जाए। जैसे, राजधानी लखनऊ में अवध संस्कृति, आगरा में ब्रज संस्कृति, रंगोत्सव, वाराणसी में गंगा संस्कृति को थीम बनाकर कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। प्रदेश आगमन पर पुष्पवर्षा के साथ अतिथियों का स्वागत किया जाए। स्थानीय सांस्कृतिक समूहों, स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग लें।

कस्टडी रिमांड पूरी होने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में बांदा जेल भेजा गया माफिया मुख्तार अंसारी

प्रयागराज, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मनी लांड्रिंग मामले में ईडी की कस्टडी रिमांड पूरा होते ही बाहुबली मुख्तार अंसारी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। कोर्ट ने उनकी न्यायिक अभिरक्षा को 10 जनवरी 2023 तक के लिए मंजूर किया है। इसके साथ ही बाहुबली को पूरी सुरक्षा के साथ बांदा जेल में शिफ्ट किए जाने का आदेश दिया है। मुख्तार अंसारी की सुनवाई एसीजीएम अट्ठारह की कोर्ट में हुई। सुनवाई के दौरान ईडी ने उन्हें कोर्ट में पेश किया था।

ईडी की तरफ से अधिवक्ता शिव मूर्ति वर्मा पेश हुए थे। सरकारी अधिवक्ता गुलाब चंद्र अग्रहरी ने न्यायिक अभिरक्षा में भेजे जाने का कोई विरोध नहीं किया। एसीजीएम अट्ठारह की कोर्ट ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई पर संबंधित कोर्ट के समक्ष आरोपी को पेश किया जाए।

इसके पहले बाहुबली मुख्तार अंसारी की ईडी कस्टडी रिमांड 28 जनवरी तक जिला जज की कोर्ट ने मंजूर की थी। आज जब समयावधि पूरी हुई तब उन्हें कोर्ट के समक्ष पेश किया गया।

मायावती ने तीस दिसंबर को लखनऊ में बुलाई बैठक

निकाय चुनाव की तैयारियों पर करेंगी मंथन

लखनऊ, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने लखनऊ में पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर बैठक रखी है। तीस दिसंबर को इस बैठक का आयोजन होगा।

बैठक में पार्टी के सभी बड़े नेता, मंडल कोआर्डिनेटर, सेक्टर कोआर्डिनेटर, बामसेफ के जिलाध्यक्ष एवं पार्टी जिलाध्यक्ष बुलाए गए हैं।

इसमें निकाय चुनाव एवं लोकसभा चुनाव 2024 दोनों पर मंथन होगा। साथ ही 15 जनवरी को उनके जन्मदिन को कल्याणकारी दिवस के रूप में मनाए जाने पर भी बात होगी।

वोटिंग के दौरान वोटरों को पैसे बांटने का आरोप

छपरा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले के मशरक नगर पंचायत चुनाव में बुधवार को मतदाताओं में रुपये बांटने की सूचना पर बड़ी मुसहर टोली गांव के पास एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया। मामले में पुलिस के द्वारा जांच पड़ताल की जा रही है। वहीं, इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

मौके पर वीडियो में मुख्य पार्षद पद प्रत्याशी नलीन कुमार उर्फ जेपी के द्वारा पुलिस को बताया जा रहा है कि गिरफ्तार आरोपी मतदान के लिए जा रहे मतदाताओं के बीच रुपये बांट रहा है। गिरफ्तार मशरक प्रखंड का पूर्व उप प्रमुख ललन महंतों है। वहीं, सूचना पर पुलिस द्वारा उसके खिलाफ कार्रवाई की गई और उसे मौका-ए-वारदात से गिरफ्तार कर लिया गया और उसे गिरफ्तार करके थाने लाया गया है और उससे पूछताछ हो रही है। गौरतलब है कि रुपये और साड़ी कपड़ा बाटने की घटनाएं लगातार प्रकाश में आ रही है।

एसडीओ कार्यालय के सामने फेंक दी जीवन रक्षक दवाई

अररिया, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के अररिया जिले के फारबिसगंज अनुमंडल कार्यालय के चारदीवारी के ठीक पीछे सीता धार से सटे लाखों रुपए मूल्य की दवाएं फेंक दी गई थीं।

इसमें से कुछ दवा एक्सपायरी डेट की थीं, वहीं कुछ दवाओं की तारीख अभी बची हुई थी। दवा देखने के बाद स्थानीय लोगों ने अनुमंडल पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार अलबेला को इसकी जानकारी दी। उसके बाद एसडीओ के निर्देश पर अनुमंडल निर्वाची पदाधिकारी अविनाश कृष्ण मौके पर पहुंचे तो पाया कि चार पांच कंपनियों की एथिकल और जेनेरिक दवाओं का बड़ा खेप फेंका हुआ है।

यूनिक हीरो के मालिक अशफाक आलम के आवास में सुबह से आईटी की रेड जारी

मधेपुरा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मधेपुरा में बुधवार की सुबह से ही इनकम टैक्स द्वारा ताबड़तोड़ छापेमारी हो रही है। आई टी द्वारा मधेपुरा के यूनिक हीरो शोरूम के मालिक मोहम्मद अशफाक आलम के आवास, शोरूम सहित अन्य ठिकानों पर आईटी ने आज सुबह 7:00 बजे से छापेमारी शुरू कर दी। इनकम टैक्स की छापेमारी अभी भी जारी है। बताते चलें कि अशफाक आलम का मधेपुरा के अलावे सहरसा और सुपौल में भी हीरो मोटर्स का शोरूम है। इसके अलावे भी उनके कई कारोबार हैं। इधर छापेमारी की सूचना मिलते हैं बड़ी

संख्या में लोग उनके आवास के आगे जमा हो गए। फिलहाल आईटी द्वारा मोहम्मद अशफाक आलम को मधेपुरा के उनके आवास से यूनिक हीरो शोरूम लाया गया है। जहां से पूछताछ की जा रही है। इधर आईटी के अधिकारियों ने अभी तक इस मामले में कुछ भी बोलने से मना कर दिया है।

टीम में कई अधिकारियों के अलावे बड़ी संख्या में पुलिस के जवान भी शामिल हैं। चार गाड़ियों पर आईटी की टीम के आने से इलाके में चर्चाओं का दौर गर्म है।

उमा बोलीं- मैं नहीं कहती बीजेपी को वोट दो

वो मेरा फोटो दिखाकर लोधियों से वोट मांगते हैं

भोपाल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश की पूर्व सीएम और बीजेपी की फायर ब्रांड नेता उमा भारती ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि चुनाव के समय मेरी फोटो दिखाकर लोधियों के वोट लिए जाते हैं। सभाओं में मैं भाजपा के लिए वोट मांगूंगी, क्योंकि मैं पार्टी की निष्ठावान सिपाही हूं। फिर भी आप अपना हित देखकर वोट देना, क्योंकि आप भाजपा के निष्ठावान सिपाही नहीं हैं। उमा भारती युवती परिचय सम्मेलन में शामिल हुईं थीं। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने संबोधित भी किया। इसका वीडियो मंगलवार को सामने आया। कार्यक्रम के दौरान भाजपा से निकाले जाने का उनका दर्द भी फिर छलक उठा। परिचय सम्मेलन के दौरान उमा भारती बेबाकी से बोलीं।

उमा भाजपा के नुकसान का कभी सोच ही नहीं सकतीं

उमा के इस बयान पर भाजपा के मीडिया प्रभारी लोकेंद्र पाराशर ने कहा, उमा भारती हमारी पार्टी का मजबूत स्तंभ हैं। उन्होंने किस भावना से ये बात कही, इसे समझना होगा। उमा जी हमारी ताकत हैं। उनके भाव को समझना चाहिए। सामाजिक दृष्टि से सोचें तो उमा भारती लोधी समाज की बहुत कद्दावर नेता हैं। वे भाजपा के नुकसान का कभी सोच ही नहीं सकती हैं। वे ईश्वर से प्रार्थना करती हैं, परिक्षम करती हैं कि भाजपा फले-फूले और देश का विकास हो।

मेरे कहने पर भी वोट अपने हिसाब से देना

उमा ने कहा- मैं अपनी पार्टी के मंच पर आऊंगी। लोगों का वोट भी मांगूंगी। मैं कभी नहीं कहती कि लोधियों, तुम भाजपा को वोट करो। मैं तो सबको कहती हूं कि तुम भाजपा को वोट करो, क्योंकि मैं तो पार्टी की निष्ठावान सिपाही हूं। मैं आप से नहीं कहती कि आप पार्टी के निष्ठावान सिपाही रहो। आपको अपने हित देखना है। हम प्यार के बंधन में बंधे हैं, लेकिन राजनीति के बंधन से आप आजाद हैं। मैं आऊंगी उम्मीदवार के पक्ष में बोलूंगी, वोट मांगूंगी। लेकिन, आपको उसी उम्मीदवार को वोट देना है, जिसने आपका सम्मान रखा हो, जिसने आपको उचित स्थान दिया हो।

लोधी समाज के लोगों को दी सलाह

उमा भारती ने कहा कि मैं कई बार कह चुकी हूं कि जब मैं प्रचार करने आती हूं, तो मेरा आग्रह है कि मुझे फोन नहीं करना कि यहां मत आइए। मुझे सब जगह जाना होता है, लेकिन भाषण सुनने के बाद भी आपको तय करना है कि आपको वोट देना है या नहीं। मैं आपको कई बार इस बंधन से मुक्त कर चुकी हूं कि मेरा फोटो देखकर, भाषण सुनकर वोट नहीं दें। मैं आपको गिरवी नहीं रख सकती। मेरी सभा के बाद आपको पट्टे में लिख दिया गया है, यह मैं नहीं कर सकती।

27 सीटों पर लोधी, जिसे चाहें जिता सकते हैं

उमा भारती ने कहा- आपका वोट बहुत है। करीब 50 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जिनमें से 27 में आप जिसको चाहो जिता सकते हैं। यूपी में 70 सीटें हैं। राजस्थान, उप्र और मध्यप्रदेश को जोड़ दिया जाए, तो 30-40 लोकसभा सीटों पर लोधियों का अधिपत्य है। आपको फोटो दिखा दिया जाता है, उमा भारती और उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत कल्याण सिंह का। वैसे, मेरा फोटो कभी नहीं दिखाते, लेकिन चुनाव में जरूर दिखाया जाएगा। कल्याण सिंह का भी यही हाल है। उनकी फोटो भी चुनाव के समय दिखाई जाती है। ऐसे में आपका दिल आ जाता है कि हमारा नेता जिधर है, हम भी उधर हैं। नहीं, आपको अपने अधिकार और शान के लिए लड़ना है। आज मैं आपको बोल रही हूं। मैं किसी जाति की नहीं हूं। सन्यासी की जाति नहीं होती, लेकिन किसी जाति का तो मुझ पर अधिकार है, जिसने मुझे पाल-पोस कर बड़ा किया है। मैं अपने वंश और कुल को कैसे ठुकरा सकती हूं। उसका तो खून मेरे अंदर बह रहा है। उसे मैं कैसे नकार सकती हूं। ऐसा करने पर मेरा वजूद ही मिट जाएगा।

मैंने आपकी रजिस्ट्री नहीं की

उमा ने शेर सुनाते हुए कहा- मैं हमेशा एक शेर सुनाती हूं ...ये तेरा ही नूर है, जो चमकता है मेरे चेहरे पर, वरना मुझे कौन पूछता है। उमा ने कहा कि आपको मैं खुलकर बोल रही हूं, आपको किसी के पट्टे में नहीं लिखे गए हो। मैंने आपकी किसी को रजिस्ट्री नहीं की है। आपको जीतने की रणनीति में रहना है कि हमारा स्थान, सम्मान पूछपरख कितनी है, हमारी सीटें कितनी हैं।

यहां सरकार बनाने की किसी की औकात नहीं थी

उमा ने कहा- एक बात ध्यान रखना, मैंने बीजेपी छोड़ी नहीं थी, बल्कि मुझे निकाला गया था। शायद इसकी डिजाइन पहले से बनी हुई थी कि इससे सरकार बनवा लो, फिर इसको निकालो। कारण- यहां सरकार बनाने की औकात किसी और की थी ही नहीं। उस समय बीजेपी के अधिकांश नेता उस समय के मुख्यमंत्री के पैर छूते थे। पांव छूते हुए उनके फोटो छपते थे। मैं एकमात्र ऐसी व्यक्ति थी, जो गांव से किसान के खेत से निकलकर आई और महल के राजा को धूल चटा दी। आपकी एकजुटता बहुत काम आई। जब मुझे बीजेपी से निकाल दिया गया, तो मेरे निकालने का कारण भी तिरंगा था। तिरंगे की शान के लिए कुर्सी छोड़ गई थी। उसके बाद जो स्थितियां बनी थीं, उसका परिणाम आया कि उन्हें तो निकालना ही था। तय था कि मुझे राजनीति नहीं छोड़नी है, क्योंकि मेरी राजनीति नेताओं ने तय नहीं की है। मेरी राजनीति उन बेसहारा लोगों ने तय की है, जिनकी कोई आवाज नहीं सुनता। उनकी आवाज मैं सुनती हूं। मैं उनसे बात करती हूं।

अलग पार्टी बनाई, लेकिन सिद्धांत नहीं छोड़े

उमा भारती ने कहा कि मैंने अलग पार्टी बनाई, लेकिन पार्टी के उन आदर्शों को नहीं छोड़ा, जो भाजपा की स्थापना के मूल तत्व थे। वह मेरी पार्टी के अंदर भी कायम रहे, इसलिए जब मैं वापस आई, तो भाजपा के लोगों को लगा ही नहीं कि मैं छोड़कर चली गई थी। मैंने कुछ चीजों से समझौता करने से मना कर दिया था। जैसे- मुझे कहा गया कि राम का नाम लेना बंद कर दो, तो हम आपको उत्तर भारत का सबसे बड़ा नेता बना देंगे। मैंने उनसे कहा- जो मेरे राम का नहीं होगा, वह मेरे काम का नहीं होगा।

तो नहीं जाती कल्याण सिंह की कुर्सी

यूपी के पूर्व सीएम दिवंगत कल्याण सिंह की मुख्यमंत्री की कुर्सी भी रह सकती थी। अगर उन्होंने 6 दिसंबर को कारसेवकों पर गोली चलाने का ऑर्डर दे दिया होता। बाद में राष्ट्रीय एकता परिषद में उन्हें एक दिन का दंड भी दिया गया था। राष्ट्रीय एकता परिषद में जब उनसे पूछा गया कि आपने मुख्यमंत्री के नाते जो संकल्प लिया था, उसका पालन क्यों नहीं किया ? आपने कारसेवकों पर गोली चलाने का आदेश क्यों नहीं दिया, तो कल्याण सिंह ने कहा था कि वह कोई जम्मू कश्मीर के आतंकवादी नहीं थे। वे राम भक्त थे, उनके ऊपर कैसे गोली चलाने का आदेश दे देता।

नागरिक सचिवालय परिसर में लगी आग

दमकल विभाग की टीम ने बुझाया

जम्मू, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू में नागरिक सचिवालय के परिसर में आग लगने की घटना सामने आई है। घटना का पता चलते ही दमकल विभाग को सूचित किया गया। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर हैं। आग पर काबू पाए जाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, सिविल सचिवालय के परिसर में बुधवार दोपहर 1.02 बजे मुख्य भवन की चौथी मंजिल पर आग लग गई। आग की लपटें सबसे पहले एक कमरे में देखी गई। आग ने तेजी से आसपास के कमरों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। आग पर को बुझाने की कोशिश की जा रही है।

सीएम शिवराज का फिर मंच से एक्शन, निवाड़ी कलेक्टर और ओरछा तहसीलदार को हटाया

भोपाल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज निवाड़ी दौरे पर हैं। वे जिले के गढ़कुंडार महोत्सव में शामिल होने पहुंचे। यहां उन्होंने मंच से निवाड़ी कलेक्टर तरुण भटनागर और ओरछा के तहसीलदार संदीप शर्मा को हटाने के निर्देश दिए। बताया जा रहा है कि भ्रष्टाचार, प्रधानमंत्री आवास योजना में धांधली और शासकीय भूमि के क्रय-विक्रय में हेरफेर की शिकायत मिली थी। इसलिए कार्य में लापरवाही बरतने पर सीएम ने तत्काल हटाने की कार्रवाई की है। साथ ही जमीन से जुड़े मामले की जांच के निर्देश दिए गए हैं।

अप्रैल तक लटके पांच नगर निगमों के चुनाव

जनसंख्या कम होने से दोबारा होगा सर्वे

जालंधर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के पांच शहरों में नगर निगम चुनाव अगले साल अप्रैल तक होने की संभावना नजर नहीं आ रही है। वार्ड सर्वेक्षण में जनसंख्या 2011 के मुकाबले कम हो गई है। इतना ही नहीं वार्डबंदी से लेकर वार्ड की काट-छांट, महिलाओं और एससी/एसटी के लिए वार्डों का आरक्षण भी किया जाएगा। इन सभी में समय लग सकता है। इसलिए अभी अप्रैल तक निगमों के चुनाव होने की संभावना नहीं दिख रही। नगर निगम के चुनाव स्थानीय निकाय विभाग की चुनाव शाखा ही करवाती है लेकिन आचार संहिता के मामले में चुनाव आयोग की पूरी गाइडलाइन का पालन किया जाता है। स्थानी निकाय विभाग के चुनाव विंग ने नगर निगमों के चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी थीं।

जालंधर, अमृतसर, पटियाला, लुधियाना व फगवाड़ा में चुनाव जनवरी माह में होने की प्रबल संभावना जताई जा रही थी। हर जिले में क्षेत्रफल बढ़ने से दोबारा सर्वेक्षण किया गया तो मतदाताओं की संख्या बढ़ने के बजाय घट गई। जालंधर में 2011 में जनसंख्या 9 लाख 16 हजार 735 थी और आसपास के कई गांव निगम क्षेत्र में शामिल होने से जनसंख्या 10 लाख 50 हजार के आसपास होने की उम्मीद थी लेकिन सर्वेक्षण में जनसंख्या गिरकर 8 लाख 74 हजार रह गई। इससे नेताओं व अधिकारियों के माथे पर बल पड़ गए कि वार्डों के सर्वेक्षण सही नहीं हैं, लिहाजा दोबारा करवाने की जरूरत है। इतना ही नहीं तमाम जिलों में पांच पांच वार्ड बढ़ाने का भी प्रस्ताव है। इस पूरी प्रकिया से गुजरने में वक्त लगना तय है।

मेयर का कार्यकाल खत्म होते ही कमान कमिश्नर के हाथ

नगर निगम में मेयर का कार्यकाल जनवरी माह में खत्म हो जाएंगे जबकि लुधियाना का मार्च में। जालंधर में 24 जनवरी को हाउस व मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर व डिप्टी मेयर का पद खाली हो जाएगा। जालंधर, अमृतसर व पटियाला में नगर निगम का कार्यकाल जनवरी में खाली हो जाएगा और कमान निगम कमिश्नर के हाथ आ जाएगी।

यह है चुनावी प्रकिया

पहले वार्ड का सर्वे होगा कि कितनी जनसंख्या है। इसके बाद वार्डबंदी को लेकर चंडीगढ़ में बैठक होगी। वार्ड काटछांट कर तैयार किए जाएंगे। एससी-एसटी व महिलाओं के लिए वार्ड आरक्षित किए जाएंगे। वार्डबंदी का नया नक्शा चंडीगढ़ में तैयार होगा। इसके पश्चात वार्डबंदी का नक्शा जिलों में भेजा जाएगा फिर वार्डबंदी पर आपत्तियां मांगी जाएंगी। इसके लिए एक माह का समय दिया जाएगा। निगम कमिश्नर आपत्तियों को सुनेंगे और फिर अपनी रिपोर्ट चंडीगढ़ भेजेंगे। चंडीगढ़ में वार्डबंदी फाइनल की जाएगी। इसके बाद निकाय विभाग चुनाव को लेकर नोटिफिकेशन जारी करेगा। निकाय विभाग का चुनाव विंग चुनाव करवाएगा।

वार्डबंदी पर फंसेगा पेच

आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब में है। आप विधायकों की पूरी ताकत लगेगी कि वह वार्डबंदी अपने मुताबिक करवाएं ताकि उनके उम्मीदवार आसानी से जीत सकें लेकिन कांग्रेस भी पूरा जोर लगाएगी कि वार्डबंदी पुरानी ही रहे और उनके पार्षद दोबारा जीत सकें।

रामबन: एक ही परिवार के चार सदस्यों की संदिग्ध परिस्थिति में मौत, पुलिस कर रही जांच

जम्मू, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के जिला रामबन में एक ही परिवार के चार सदस्यों की संदिग्ध परिस्थिति में मौत का मामला सामने आया है। मामला रामबन जिले के बनिहाल इलाके का है। यहां बुधवार सुबह एक ही परिवार के चार लोग मृत पाए गए हैं। इसका पता चलते ही आसपास के लोगों में सनसनी फैल गई। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए उपजिला अस्पताल बनिहाल रवाना कराया। परिवार के रिश्तेदारों का कहना है कि यह सभी की जान संदिग्ध परिस्थिति में गई है। ऐसे में इसकी जांच की जानी चाहिए। फिलहाल पुलिस की तरफ से मामले में पड़ताल की जा रही है।

घायल छात्र के परिजनों ने घेरा थाना:हाथ-पांव तोड़ने वालों की गिरफ्तारी न होने पर भड़के

यमुनानगर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के यमुनानगर में कस्बा बूढिया में दसवीं के छात्र को स्कूल के बाहर बुरी तरह से मारपीट करने के मामले में बुधवार को परिजन भड़क गए। आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर लोगों, जिनमें महिलाएं भी ने थाना बूढिया का घेराव किया और पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान यमुनानगर रोड को भी जाम कर दिया। घायल छात्र सुहेल के चाचा शाहनवाज खान ने बताया कि हमलावरों ने छात्र के हाथ-पांव तोड़ दिए हैं। उसकी हालत गंभीर है। पुलिस आरोपियों की पहचान कर चुकी है, लेकिन किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। छात्र की हालत गंभीर है और वह अस्पताल में दाखिल है। छात्र के अभी पुलिस में बयान दर्ज नहीं हुए हैं। परिजनों का कहना है कि एक बड़ी साजिश के तहत सुहेल पर हमला हुआ है। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। बूढ़िया-यमुनानगर रोड जाम की सूचना मिलते ही डीएसपी राजीव मौके पर पहुंचे। उन्होंने गुस्साए परिजनों से बात की। इस दौरान लोगों ने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। डीएसपी ने लोगों को शांत करा कर रोड जाम खुलवाया। डीएसपी ने बताया कि पुलिस ने हमलावरों की कार को बरामद कर लिया है। पुलिस जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लेगी।

फ्लाइट रद्द करना कंपनी को पड़ा भारी, लौटानी होगी टिकट की रकम, 50 हजार रुपये जुर्माना भी लगा

रेवाड़ी (हरियाणा), 28 दिसंबर (एजेंसियां)। रेवाड़ी में जिला उपभोक्ता फोरम ने हवाई यात्रा टिकट की कीमत वापस नहीं करने पर एयर कोस्टा फ्लाइट कंपनी और एजेंट पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माना अदा करने के साथ किराये की राशि भी नौ प्रतिशत ब्याज समेत वापस करनी होगी। उपभोक्ता कमीशन ने एक माह में आदेश का पालन नहीं करने पर तीन साल की सजा या एक लाख रुपये के जुर्माने का भी प्रावधान किया है। मोहल्ला संधी का बास निवासी रोहित कुमार ने अपने परिवार एवं दोस्तों के साथ दिल्ली से तिरुपति बालाजी जाने के लिए शहर के ही पंजाबी मार्केट गोकल बाजार स्थित विमान ट्रैवल से 11 टिकट बुक कराई थी। इसमें एजेंट ने चार फरवरी 2017 को स्पाइसजेट फ्लाइट से दिल्ली से हैदराबाद की टिकट बुक की थी। इसके बाद हैदराबाद से सीधे तिरुपति बालाजी जाने के लिए एयर कोस्टा एयरलाइन से टिकट बुक की गई थी और एयर कोस्टा एयरलाइन से ही तिरुपति बालाजी से हैदराबाद वापस आने की भी टिकट एजेंट से बुक कराई थी। इन टिकटों के लिए एजेंट ने 60,428 रूपये रोहित कुमार व उनके साथियों से वसूले। एयर कोस्टा फ्लाइट की टिकट 11 मार्च 2017 के लिए बुक थी लेकिन कंपनी ने छह मार्च 2017 को उक्त फ्लाइट रद्द कर दी। फ्लाइट रद्द होने के बाद रोहित कुमार व उसके साथियों ने 106236 रुपये की दूसरी फ्लाइट बुक की। इसमें उसे ज्यादा पैसे अदा करने पड़े। इतना ही नहीं इसके बाद फ्लाइट से चेन्नई तक जाना पड़ा और चेन्नई से तिरुपति बालाजी तक 20 हजर रुपये देकर टैक्सी करनी पड़ी। इसके बाद जब रोहित कुमार ने अपनी फ्लाइट की टिकट का पैसा वापस मांगा तो एजेंट ने एयर कोस्टा कंपनी से पैसा नहीं मिलने की बात कहकर टिकट के पैसे वापस नहीं किए हैं। इसके बाद परेशान होकर रोहित कुमार ने जिला उपभोक्ता कमीशन में चार जुलाई 2019 को एक शिकायत अधिवक्ता अश्वनी तिवारी के माध्यम से दायर की। अब जिला उपभोक्ता कमीशन के चेयरमैन संजय कुमार खंडूजा व सदस्य डॉ. ऋषि दत्त कौशिक ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया कि एयर कोस्टा कंपनी व एजेंट ने शिकायतकर्ता का पैसा वापस नहीं किया है। वहीं अपने जवाब में एयर कोस्टा कंपनी ने माना कि यह पैसा एजेंट को वापस किया जा चुका है लेकिन इस संदर्भ में कंपनी कोई सबूत पेश नहीं कर सकी। अपने निर्णय में जिला उपभोक्ता आयोग ने स्पष्ट लिखा है कि अचानक फ्लाइट रद्द कर उपभोक्ताओं के साथ ज्यादती की गई है। शिकायतकर्ता को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा और यात्रा में व्यवधान पैदा हुआ। उपभोक्ता आयोग ने स्पष्ट किया है कि शिकायतकर्ता को कंपनी व एजेंट दोनों संयुक्त रूप से 50 हजार रुपये बतौर क्षतिपूर्ति नौ प्रतिशत ब्याज समेत अदा करेंगे और टिकट की राशि 60,428 भी नौ प्रतिशत ब्याज समेत अदा करने होंगे। इसके अलावा टैक्सी में खर्च 20 हजार रुपये भी अलग से उपभोक्ता को देने होंगे।

लेडी डॉक्टर को चांटा मारा, मंगलसूत्र-चूड़ियां तोड़ीं डॉक्टर बोली

हम पढ़-लिखकर यहां बैठे हैं, कोई भी पीट जाता है

जबलपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। जबलपुर में दो महिलाओं ने एक लेडी डॉक्टर पर हमला कर दिया। डॉक्टर को थप्पड़ मारा, उनका मंगलसूत्र और चूड़ियां भी तोड़ दी। हमले में डॉक्टर को हाथ, पैर और गले में चोट आई है। इधर पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। मामला जिला अस्पताल का है।

बुधवार दोपहर 12 बजे डॉक्टर आकांक्षा चौधरी इमरजेंसी वार्ड में ड्यूटी पर थीं। इस दौरान माढ़ोताल की रहने वाली रानी विश्वकर्मा, पति के घाव का इलाज कराने के लिए जिला अस्पताल पहुंची। डॉक्टर के मुताबिक, उन्होंने महिला से कहा कि उसके पति का जख्म 1 साल पुराना है। लिहाजा इसकी सर्जरी करनी होगी। इतना सुनते ही वह तैश में आ गई। उसने और उसके साथ आई एक और महिला ने हमला कर दिया। अस्पताल के दूसरे डॉक्टर जमा हो गए। उन्होंने बीच-बचाव किया।

डॉक्टर बोलीं, बचाने के लिए अस्पताल में एक गार्ड तक नहीं...

डॉक्टर आकांक्षा ने बताया, मैं पेशेंट का घाव देखने के लिए उठी, इतने में उसकी पत्नी ने सीधे मेरा मंगलसूत्र पकड़कर खींचा। वो इतनी बलिष्ठ औरत थी कि उसे पलटकर कोई मार भी नहीं सका। दो-तीन लोग बचाने भी आए थे। जो भैया मुझे बचाने आए थे, उनका भी उसने हाथ मरोड़ दिया। मुझे चांटा मारा। हाथ, पैर में मारा। यह बहुत गलत है। सरकार को शर्म आनी चाहिए। यह कोई तरीका नहीं है कि हम इतना पढ़-लिखकर यहां पर बैठे हैं, कोई भी मार जाता है। एक गार्ड तक नहीं है यहां पर बचाने के लिए।

15 मिनट तक झगड़ा किया, महिलाओं पर कार्रवाई होगी

जिला अस्पताल की पुलिस सुरक्षा चौकी पर पदस्थ आरक्षक भूपेंद्र कुमार इस पूरी घटना के चश्मदीद हैं। उन्होंने बताया, मैं सुरक्षा चौकी पर बैठा हुआ था। इसी दौरान कैजुअलिटी से शोर सुनाई दिया। वहां जाकर देखा, तो दो महिलाएं डॉक्टर पर हमला कर रही थीं। एक महिला रानी विश्वकर्मा को ओमती थाने ले जाया गया है। उसके खिलाफ डॉक्टर पर हमला करने को लेकर कार्रवाई की जा रही है। 15 मिनट तक महिलाओं ने डॉक्टर से झगड़ा किया।

घटना से साथी डॉक्टर्स में नाराजगी, बोले- सरकार सुरक्षा दे

डॉ. आकांक्षा चौधरी पर हुए हमले की साथी डॉक्टर ने निंदा की है। डॉक्टर नीलकमल का कहना है कि आए दिन डॉक्टरों पर हमला हो रहा है। इसके चलते हम लोग अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। लिहाजा प्रशासन को सुरक्षा मुहैया करवाना चाहिए। आकस्मिक चिकित्सा केंद्र में गार्ड की तैनाती की गई है, लेकिन वह यहां नहीं रहता।

जिला अस्पताल के डॉक्टर पहुंचे एसपी के पास

घटना से नाराज जिला अस्पताल के डॉक्टर का एक प्रतिनिधिमंडल ने एसपी से मुलाकात की। एसपी सिद्धार्थ बहुगुणा ने बताया कि डॉक्टरों ने मांग की है कि डायल 100 का नोडल पॉइंट जिला अस्पताल के पास हो। एक गार्ड की भी मांग की गई है। इस समस्या का हल करेंगे।

2 दिन पहले ही पूर्व विधायक के बेटे ने डॉक्टर को धमकाया था

जबलपुर के सिहोरा सरकारी अस्पताल में रविवार को पूर्व भाजपा विधायक दिलीप दुबे के बेटे राजा दुबे ने डॉक्टर चिन्मय प्रधान को धमकाया था। राजा के ड्राइवर का पैर फ्रैक्चर हो गया था। अस्पताल में प्लास्टर बांधने को लेकर हंगामा हो रहा था। इसी बीच अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. चिन्मय प्रधान अस्पताल की ऊपरी मंजिल से नीचे उतरकर आ गए। उन्हें देखते ही राजा दुबे उनसे बहस करने लगा। डॉक्टर ने छुट्टी होने की बात बताई, तो उन पर बहानेबाजी का आरोप लगने लगा। नाराज डॉ. चिन्मय प्रधान ने तुरंत अपना इस्तीफा दे दिया था। उनका कहना था कि उन्हें धमकाया गया, वह इस स्थिति में काम नहीं कर सकते।

आरवी देशपांडे को मिला सर्वश्रेष्ठ कांग्रेस विधायक का अवॉर्ड, पूर्व सीएम सिद्धारमैया ने की सराहना

बेंगलुरु, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस विधायक और कर्नाटक के पूर्व मंत्री रघुनाथ विश्वनाथ देशपांडे ने बुधवार को सर्वश्रेष्ठ विधायक पुरस्कार जीता। अध्यक्ष विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी ने उत्तर कन्नड़ के हलियाल से आठ बार के विधायक को यह पुरस्कार प्रदान किया। पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष देशपांडे ने विभिन्न सरकार में मंत्री के रूप में काम किया है। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी उनकी सराहना की और कहा कि उन्होंने हमेशा राज्य में ज्यादा निवेश लाने और लोगों के कल्याण के लिए काम किया। इस मौके पर देशपांडे ने कहा कि राजनीति बिगड़ती जा रही है। दिग्गज नेता ने कहा, राजनीति में इतना पतन हो गया है कि नेता अपना परिचय देने में भी डरते हैं। लोग नेताओं को लेकर अच्छी राय नहीं रखते। उन्होंने राजनेताओं से रचनात्मक चर्चाओं में भाग लेने के लिए अधिक ज्ञान प्राप्त करने की अपील की। उन्होंने इस पुरस्कार के लिए भगवान, कांग्रेस पार्टी, अपने माता-पिता और राज्य के लोगों को धन्यवाद दिया।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 29 दिसंबर, 2022

जलवायु परिवर्तन पर खोखली चिंताएं

सब कुछ जानते-समझते हुए भी दुनिया के तमाम ताकतवर देश और पर्यावरण हितैषी संगठन तापमान नियंत्रण की चिंता छोड़ कर अपना हित और व्यापार देख रहे हैं। जिस बैठक में मिस्र से एक बेहतर संकेत निकलना चाहिए था, हरित ऊर्जा पर जोर होना चाहिए था, ताकि जलवायु का बिगड़ता संतुलन और न बिगड़े, वह दिखा नहीं। पिछली डेढ़ सदी में हमने तरक्की की जो मिसाल कायम की है, वह सब कुछ पर्यावरण की कुर्बानी देकर हासिल हुआ है। नतीजा सामने है। हवा, पानी, जमीन और जंगल को लेकर हर कहीं चिंता पैदा हो गई है। हालांकि आबोहवा में तब्दीली हमें महसूस तो पचास साल पहले ही होने लगी थी, लेकिन उसे लगातार नजरअंदाज करने का नतीजा यह है कि धरती खतरनाक स्थिति में पहुंच चुकी है। गर्मी, बारिश, सूखा, बाढ़, ठंड के बेवक्त और जबरदस्त प्रकोप से डगमगाए संतुलन ने घबराहट पैदा कर दी है। अब जब थोड़ा चेते हैं, तो रस्मअदायगी के सम्मेलनों की बाढ़-सी आ गई है। मगर जो हाल है और जैसा चल रहा है अगर वैसा ही चलता रहा तो जलवायु परिवर्तन पर होने वाले तमाम सम्मेलन और दूसरी गतिविधियां कहीं महज उत्सव बन कर न रह जाएं।

आज बात भले पृथ्वी के बढ़ते तापमान, उसमें भी 1.5 डिग्री सेल्सियस, को लेकर हो या इससे उपजे दूसरे दुष्परिणामों की, पर्यवारण को नुकसान पहुंचा कर तरक्की हासिल करने तथा बचे-खुचे संसाधनों के दोहन से पीछे हटने को कोई तैयार नहीं है। औद्योगिक क्रांति की बढ़ती भूख, खासकर धरती पर मौजूद संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के न जाने कितने दुष्परिणाम भोग कर भी चुप्पी साधे रहना धरती के साथ हमारा कैसा इंसाफ है? ऐसे दुष्परिणामों की भरपाई तो दूर, पहले कुछ सोचा नहीं और अब जब सोचा जा रहा है, तो सोचने का दिखावा हो रहा है। वाकई काफी देर हो चुकी है। फिर भी हम हैं कि मानते नहीं और इसी होड़ में विकास से ज्यादा विनाश की इबारत लिख रहे हैं। होना तो यह चाहिए था कि जैसे ही पर्यावरण असंतुलन का अहसास होने लगा, तुरंत चरणबद्ध तरीके से गलती सुधारने में जुट जाना था। मगर यह हुआ नहीं, जागरूकता पैदा करने के नाम पर दुनिया भर में बड़े-बड़े संगठन बन गए, कोष इकट्ठा हुए, एजंडे तय हुए। उससे लगा कि धरती के साथ न्याय होगा। मगर कितना न्याय हुआ, नतीजा सबके सामने है।

महीने भर पहले पूरी दुनिया की उम्मीदें संयुक्त राष्ट्र के तत्त्वावधान में मिस्र के शर्म अल-शेख में आयोजित विश्व जलवायु सम्मेलन पर टिकी थीं। उम्मीद थी कि पिछली छब्बीस बैठकों के मुकाबले इसमें कुछ ठोस जरूर होगा। वजह भी थी कि बीते साल भर में जलवायु परिवर्तन से जुड़ी जितनी भी घटनाएं हुर्इं, उनको सबने देखा, महसूस किया और चिंता में डूबे दिखे।

मगर जब मिस्र में सब जुटे तो जलवायु परिवर्तन पर गंभीर चिंता के बजाय अमेरिका की अफ्रीका से नई पाइप लाइनें बिछा कर जीवाश्म गैसें लाने की दिलचस्पी सुर्खियों में रही। अक्षय ऊर्जा पर कोई ठोस बहस नहीं हुई। निश्चित रूप से जो मौजूदा परिस्थितियां हैं, उससे तो यही लगता है कि कहीं ऊर्जा संकट जलवायु संकट पर भारी न पड़ जाए।

जलवायु परिवर्तन से नुकसान की भरपाई को लेकर इतने मतभेद उभरे कि लगने लगा कि कोई निष्कर्ष निकल भी पाएगा या नहीं। 'क्षरण और क्षति' पर पूरी बहस केंद्रित थी, जिसकी भरपाई कार्बन उत्सर्जन के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार देशों से कराने की मांग थी। सहमति न बन पाने और मतभेद ज्यादा होने से बैठक को एक दिन और बढ़ाना पड़ा। अब भरपाई कैसे हो पाएगी, यह वक्त बताएगा। फिलहाल धरती की बिगड़ती हालत के परिणामों में कहीं कोई कमी दिखती नहीं है। भावी पीढ़ी को लेकर कपट भरी चिंताएं या दिखावा धरती के अस्तित्व के लिए बेहद गंभीर संकेत हैं।

अगर अफ्रीकी द्वीप समूह से आवाज उठती है कि वे जीवाश्म र्इंधन पर निर्भर औद्योगीकरण से दूर रहेंगे और अमीर देशों के मनमाने और औपनिवेशिक हितों, खासकर यूरोपीय देशों का सताया नहीं कहलाएंगे, तो बुरा क्या है? इधर अमेरिका है कि येन केन प्रकारेण अफ्रीका से नई गैस पाइपलानें बिछाने के लिए अरबों डालर का निवेश करना चाहता है। यूरोपीय समूह असल में रूसी गैस का विकल्प ढूंढ़ रहा है।

वह इसलिए भी अफ्रीका को ललचाई और स्वार्थ भरी निगाहों से देख रहा है, क्योंकि उसको पता है कि रूस के मुकाबले अफ्रीका हर मोर्चे पर पीछे रहेगा। दुनिया के तमाम उदाहरणों को भी देखना होगा, जब तेल को लेकर कहां-कहां और कैसी-कैसी लड़ाइयां हुई हैं। हो सकता है कि अमेरिका और यूरोपीय समूह के लिए अफ्रीकी देश, रूस के मुकाबले बेहद आसान लक्ष्य हों। हकीकत यह है कि समूची दुनिया में जीवाश्म गैसों के कुल उत्पादन में छह फीसद हिस्सेदारी ही अफ्रीका की है, जबकि जलवायु परिवर्तन से वहां की फसलों पर जबरदस्त दुष्प्रभाव पड़ा है। वहीं अफ्रीका में अब भी साठ करोड़ से ज्यादा लोगों के घरों में बिजली नहीं पहुंची है। ऐसे में अंधेरे अफ्रीकी देश यूरोप को रोशन करेंगे, सुन कर ही कितना अजीब लगता है।

बात भारत में साल दर साल बढ़ती भयावह गर्मी की हो या फिर 2022 में इंग्लैंड और पूरे यूरोप की भयावह गर्मी या उस सूखे की, जो पांच सौ साल का कीर्तिमान था या फिर पाकिस्तान में आई विनाशकारी बाढ़ की हो। दुनिया के तेजी से पिघलते ग्लेशियरों के चलते समुद्री जलस्तर से दुनिया के कई इलाकों के डूबने के खतरे हों या जलवायु परिवर्तन झेल रहे तमाम देशों की, इस पर कब चेतेंगे?

अभी तो हमने केवल 1.2 डिग्री सेल्सियस तापमान वृद्धि में ऐसे हालात देखे हैं, अगर यही वृद्धि 1.5 डिग्री सेल्सियस या इससे भी आगे बढ़ी, तो हालात कैसे होंगे, कल्पना मात्र से सिहरन हो उठती है। सब कुछ जानते-समझते हुए भी दुनिया के तमाम ताकतवर देश और पर्यावरण हितैषी संगठन तापमान नियंत्रण की चिंता छोड़ कर अपना हित और व्यापार देख रहे हैं। जिस बैठक में मिस्र से एक बेहतर संकेत निकलना चाहिए था, हरित ऊर्जा पर जोर होना चाहिए था, ताकि जलवायु का बिगड़ता संतुलन और न बिगड़े, वह दिखा नहीं।

अक्षय ऊर्जा के लिए पर्याप्त धन देकर प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भरता न बढ़ाने की सहमति बनानी थी, वैसा न कर एक मौका और गंवा दिया। आखिर कब तक दुनिया भर में चुकते प्राकृतिक संसाधन हमारे लिए अवसर बनते रहेंगे? शायद यही वह वक्त है जब जलवायु संतुलन पर जलवायु प्रेमी संगठनों के दखल की जरूरत है, जिसमें सरकारों से अलग जनभागीदारी से लोगों में यह संदेश पहुंचे और भावुक तौर-तरीके अपनाए जाएं, जिससे दुनिया के हर आम आदमी को दिन-प्रतिदिन बिगड़ती जलवायु को सुधारने की कैसी कोशिशें हों, समझाई जाएं। सवाल सिर्फ सरकारों के एजेंडे, देशों की तरक्की, पैसा कमाने की होड़ या बाहुबली बनने के लिए कुछ भी किया जाए, न होकर आने वाली उस पीढ़ी की चिंता पर है। इसी पर 2015 में पृथ्वी दिवस के दिन अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी अपनी गंभीर चिंता जताई थी और कहा था कि इससे निपटने की जवाबदेही नई पीढ़ी पर भला कैसे छोड़ी जा सकती है? उनका इशारा भावी पीढ़ी के साथ जबरदस्त और कभी भरपाई न हो सकने वाली मुसीबत की ओर था।

भला भावी पीढ़ी का इसमें क्या दोष? क्यों भुगते हमारी भावी पीढ़ी पर्यावरण असंतुलन का खमियाजा, जो इस मामले में अबोध, नासमझ है, कूटनीति, राजनीति या अर्थनीति की ज्यादा जानकारी नहीं रखती है। बहुतेरों को पर्यावरण, प्रदूषण या जलवायु परिवर्तन की समझ भी नहीं है, लेकिन प्रकृति के बदलते मिजाज को लेकर मन में जरूर कुछ न कुछ हलचल तो होती होगी। बस इसी को जगाना है। सच तो यह है कि समूची दुनिया में प्राकृतिक संतुलन को लेकर एक वैश्विक क्रांति की जरूरत है।

खुदकुशी कोई हल नहीं

अपनी जिंदगी में जिन चमकदार चेहरों को देख आम आदमी दिन भर उसकी ही नकल करता है और उनकी जिंदादिली और बहादुरी का कायल दिखता है, लेकिन वही अभिनेता और अभिनेत्रियां अंदर से कितनी कमजोर होती है कि जरा-जरा सी बात पर खुदकुशी कर लेती हैं। टीवी व रुपहले पर्दे पर तो सशक्त किरदार के तौर पर जिंदगी के लिए संघर्ष का संदेश देने वाले कलाकार ही व्यक्तिगत मोर्चे पर जिंदगी तक हार बैठते हैं। देखा जाए तो ऐसे मामलों में केवल उस व्यक्ति के मनोबल की कमजोरी ही जाहिर नहीं होती, बल्कि वह एक समाज या समुदाय की बहुस्तरीय नाकामी का उदाहरण भी है। मुंबइया फिल्म व टीवी इंडस्ट्रीज बीते कुछ सालों से आत्महत्या की समस्या से जूझ रहा है। सिनेमा में हंसता-खेलता और सार्वजनिक जीवन में लोगों का पसंदीदा बन गया कलाकार का दिल कब हर्ट कर जाए और वह मौत को गले लगा ले, कहा नहीं जा सकता। आखिर कलाकार भी तो इंसान ही होते हैं और उनकी जिंदगी में भी कई तरह के तनाव और दबाव बने रहते हैं। मामला जब हद से गुजर जाता है तो वे जिंदगी को ही दांव पर लगा बैठते हैं। ऐसे में सवाल लाजमी है कि जब साधारण लोगों के मुकाबले फिल्म व टीवी के कलाकारों की जिंदगी चकाचौंध से भरी होती है, तो इस उद्योग ने इतने सालों के सफर के बावजूद ऐसा तंत्र विकसित क्यों नहीं किया है, जिसमें किसी कलाकार को मुश्किल हालात का सामना ही न करना पडे। फिर भी किसी के हालात बेहद खराब हो गए हैं तो वह फिल्मी तंत्र में ही अपनी जिंदगी संवारने का रास्ता तलाश कर सके। यह मसला एक बार फिर चिंता का केंद्र इसलिए बना है कि पिछले हफ्ते टीवी धारावाहिकों की एक लोकप्रिय अभिनेत्री स्टूडियों के मेकअप रूम में फंदे से लटकी मिली। सिर्फ इक्कीस साल की उम्र में उसकी इस तरह मौत किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को परेशान करने वाली है। इतनी कम आयु में ही उसने धारावाहिक और मनोरंजन जगत में अच्छी पहचान और पैसा बना ली थी। अभी उसके सामने लंबी जिंदगी, मौके और खुला आसमान था, जहां वह भविष्य की ऊंची उड़ान भर सकती थी। कम उम्र में इतनी अपार सफलता के बाद आखिर ऐसा क्या हुआ, जिसका हल उसे अपनी जान देने में ही नजर आया! सामान्य नजरिए से देखें तो यही कहा जा सकता है कि आत्महत्या की दूसरी घटनाओं में जिस तरह व्यक्ति हार कर ऐसा कदम उठाता है, वैसी ही कोई परिस्थिति पैदा हुई होगी। पर वे कौन-सी और कैसी असामान्य परिस्थितियां सामने आर्इं कि अभिनेत्री ने उनसे बचने या टकराने के बजाय जिंदगी को ही दांव पर लगाने का रास्ता चुना? पिछले कुछ सालों में कलाकार सुशांत सिंह राजपूत, वैशाली ठक्कर, आसिफ बसरा और कुशल पंजाबी से लेकर परीक्षा मेहता जैसे अनेक कलाकारों ने कम समय में ही फिल्म व टीवी की दुनिया में अपने अभिनय से अपनी अच्छी पहचान बनाई थी, लेकिन अचानक जब उनके आत्महत्या कर लेने की खबरें आर्इं तो लोग स्तब्ध रह गए। निश्चित रूप से खुदकुशी सबसे तकलीफदेह हालात के सामने हार जाने का नतीजा होती है। ऐसा फैसला करने वालों के भीतर वंचना का अहसास, उससे उपजे तनाव, दबाव, अवसाद और दुख का अंदाजा लगा पाना दूसरों के लिए मुमकिन नहीं है। किसी भी हालत में जीवन खो देने के बजाय हालात से लड़ना और उसका हल निकालना ही बेहतर रास्ता माना जाता है। ऐसी घटनाएं सामने आने के बाद बिना किसी ठोस आधार के कई बार कुछ विवाद खड़े हो जाते हैं। लेकिन मुख्य सवाल यही रह जाता है कि आमतौर पर सभी सुविधाओं से लैस, अपने आसपास कई स्तर पर समर्थ लोगों की दुनिया में सार्वजनिक रूप से अक्सर मजबूत दिखने के बावजूद कोई व्यक्ति भीतर से इतना कमजोर कैसे हो जाता है कि जिंदगी के उतार-चढ़ाव या झटकों को बर्दाश्त नहीं कर पाता? जाहिर है, सामाजिक प्रशिक्षण के अलावा सामुदायिक स्तर पर एक ऐसे ठोस तंत्र की जरूरत है, जहां अपने सबसे मुश्किल और जटिल हालात में पड़ा कोई व्यक्ति बिना किसी संकोच या बाधा के अपने लिए संवेदनात्मक जगह महसूस कर सके।

ट्रिपल टेस्ट में फंसा नगर निकाय चुनाव

उत्तर प्रदेश के नगर निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बिना ओबीसी आरक्षण लागू किए चुनाव कराने का आदेश दिया है। उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि बगैर ओबीसी आरक्षण के नगर निकाय चुनाव नहीं होगा। इसके लिए सरकार सुप्रीम कोर्ट जाने की भी तैयारी कर रही है। बता दें कि उत्तर प्रदेश सरकार ने पांच दिसंबर को निकाय चुनाव के लिए आरक्षण की अधिसूचना जारी की थी। इसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। कहा गया कि यूपी सरकार ने आरक्षण तय करने में सुप्रीम कोर्ट के ट्रिपल टेस्ट फॉर्मूले का पालन नहीं किया है।

इस पर हाईकोर्ट ने आरक्षण की अधिसूचना रद्द करते हुए यूपी सरकार को तत्काल प्रभाव से बिना ओबीसी आरक्षण लागू किए नगर निकाय चुनाव कराने का फैसला दे दिया। अब हर कोई जानना चाहता है कि ये ट्रिपल टेस्ट फॉर्मूला है क्या, जिसके फेर में नगर निकाय चुनाव फंसा हुआ है? सवाल ये भी है कि सरकार और कोर्ट के आदेश के बीच अब नगर निकाय चुनाव का क्या होगा

सुप्रीम कोर्ट ने विकास किशनराव गवली की याचिका पर सुनवाई करते हुए ट्रिपल टेस्ट फॉर्मूले से नगर निकाय चुनाव कराने का आदेश दिया था। कोर्ट का ये आदेश सभी राज्यों को लागू करना था, लेकिन अब तब उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में लागू नहीं हो सका है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि निकाय चुनाव में राज्य सरकार ट्रिपल टेस्ट फार्मूले का पालन करने के बाद ही ओबीसी आरक्षण तय कर सकती है। इस ट्रिपल टेस्ट फॉर्मूले में तीन अहम बातें हैं।

स्थानीय निकायों में पिछड़ेपन की प्रकृति की जांच के लिए एक आयोग की स्थापना की जाए। यह आयोग निकायों में पिछड़पेन की प्रकृति का आकलन करेगा और सीटों के लिए आरक्षण प्रस्तावित करेगा। आयोग की सिफारिशों के तहत स्थानीय निकायों की ओर से ओबीसी की संख्या का परीक्षण कराया जाए और उसका सत्यापन किया जाए। इसके बाद ओबीसी आरक्षण तय करने से पहले यह ध्यान रखा जाए कि एससी-एसटी और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए कुल आरक्षित सीटें 50 फीसदी से ज्यादा न हों। पांच दिसंबर को यूपी सरकार ने नगर निकाय चुनाव के लिए आरक्षण की अधिसूचना जारी की। आरोप है कि सरकार ने इसमें सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार, ट्रिपल टेस्ट फॉर्मूले का पालन नहीं किया। मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचा तो उत्तर प्रदेश सरकार ने हलफनामा दाखिल कर अपना जवाब दिया। सरकार का कहना है कि उसने सात अप्रैल 2017 को विस्तृत प्रक्रिया के साथ निकाय चुनाव के लिए ओबीसी आबादी की पहचान के लिए दिशा निर्देश जारी किए थे, जो ट्रिपल टेस्ट फार्मूले की पहली शर्त है। इसके बाद ओबीसी के आनुपातिक आरक्षण के नियम को यूपी सरकार सख्ती से पालन कर रही है। 50 फीसदी से ज्यादा आरक्षण न दिए जाने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का भी पालन किया जा रहा है।

न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया की खंडपीठ ने नगर निकाय चुनाव को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने मंगलवार को इसपर बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि बगैर ट्रिपल टेस्ट की औपचारिकता पूरी किए ओबीसी को कोई आरक्षण नहीं दिया जाएगा। कोर्ट ने कहा चूंकि नगर पालिकाओं का कार्यकाल या तो खत्म हो चुका है या फिर खत्म होने वाला है, ऐसे में राज्य सरकार/ राज्य निर्वाचन आयोग तत्काल चुनाव अधिसूचित करेंगें। चुनाव की जारी होने वाली अधिसूचना में सांविधानिक प्रावधानों के तहत महिला आरक्षण शामिल होगा। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि ट्रिपल टेस्ट संबंधी आयोग बनने पर ट्रांसजेंडर्स को पिछड़ा वर्ग में शामिल किए जाने के दावे पर गौर किया जाएगा।

नगर निकाय के चुनाव को लेकर हाईकोर्ट का फैसला आने के तत्काल बाद ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ ने कहा कि नगर निकाय का चुनाव पिछड़ों को आरक्षण दिए बगैर नहीं कराएंगे। उन्होंने कहा कि पिछड़ों को आरक्षण देने के लिए पहले पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन करेंगे और इसके बाद ट्रिपल टेस्ट के आधार पर पिछड़ों के लिए आरक्षण तय किया जाएगा। इसके बाद ही नगर निकाय चुनाव कराएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले के परिप्रेक्ष्य में सरकार कानूनी राय ले रही है। इसके बाद जरूरी हुआ तो सरकार सुप्रीम कोर्ट में भी अपील करेगी।

चार राज्यों में पहले ही फंस चुका है पेंच

ऐसा नहीं है कि ट्रिपल टेस्ट को लेकर केवल यूपी में नगर निकाय चुनाव फंसा है। इसके पहले चार अन्य राज्यों में भी इसी तरह का विवाद हो चुका है। इसमें मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और झारखंड शामिल है। महाराष्ट्रः इस साल की शुरुआत में बिना ट्रिपल टेस्ट लागू करके ओबीसी आरक्षण देने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले को खारिज कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने भी बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। तब राज्य सरकार पिछड़ों को आरक्षण देने के लिए अध्यादेश ले आई। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस अध्यादेश को भी खारिज कर दिया। अंत में राज्य सरकार को पिछड़ा आयोग का गठन करना पड़ा और उसकी सिफारिशों के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण की अनुमति दी।

बिहारः राज्य सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग की जगह पहले से काम कर रहे अति पिछड़ा आयोग को ओबीसी आरक्षण की रिपोर्ट तैयार करने का काम सौंप दिया। इस फैसले को यह कहते हुए सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई कि यह समर्पित पिछड़ा आयोग नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने आयोग की रिपोर्ट के आधार पर जारी चुनाव कार्यक्रम में कोई दखल नहीं दिया। लेकिन, आयोग की वैधता पर जरूर जनवरी में सुनवाई होगी।

मध्य प्रदेशः यहां भी नगर निकाय का चुनाव अदालत में फंस गया। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने बिना ट्रिपल टेस्ट फॉर्मूला लागू किए चुनाव कराने के सरकार के फैसले को खारिज कर दिया था। इसके खिलाफ मध्य प्रदेश सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई थी। मई, 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग को बिना ओबीसी आरक्षण लागू किए चुनाव कराने का आदेश दे दिया। हालांकि, बाद में सरकार ने राज्य पिछड़ा आयोग का गठन किया और उसकी सिफारिशों के आधार पर ही चुनाव हुए।

स्थितियाँ बदलें तो बात बने

नया साल हर साल आता है। 365 दिनों तक लगातार चलने के बाद आना ही होता है उसे। कहने को नया होता है लेकिन सामान्यतः कुछ भी नहीं बदलता नए साल में। मँहगाई, बेटियों से बलात्कार की घटनाएँ, झूठ, पाखंड, फरेब, उन्माद, नेताओं की शातिराना चालें, जहरीली जुबानें, सेलेक्टिव चुप्पियाँ, पार्टी प्रवक्ताओं की मुँहजोरी, बिकाऊ नेताओं की मंडियाँ और इतिहास रचने से ज्यादा इतिहास लिखने की जल्दबाजी सभी कुछ चला आता है पिछले साल की बाँह थामे नए साल में। वादे और रेवडियाँ और उनसे मुकरना भी नया रूप धर कर चले आते हैं नए साल में। बाढ़, भूकंप, प्रदूषण

और दहशतगर्दी मौका पाते ही निकल लेते हैं अपना रूप दिखाने। भूख, गरीबी, आँसू और आहें भी कहाँ बाज आती हैं न आने से। सब चले आते हैं नए साल में पुराने साल की याद दिलाने। इस साल भी चले आएँगे पूर्ववर्ती बेशर्मी से, रोकने से भी नहीं रुकने वाले, अब तक ढीठ भी बहुत हो चुके हैं और बेखौफ भी।

हर साल की तरह इस बार भी पुराना साल व्यथित तो बहुत होगा वही सब चीजें नए साल को सौंपते हुए। उसके हाथ में नहीं है इनको रोक पाना। फिर भी वह चाहता है कुछ चीजों को अपने पास रखना। नहीं चाहता उन चीजों को नए साल के हाथों में सौंपना। शरीर पर लगी चोटों के निशान मिटाने का कोई कारगर मंत्र नहीं है उसके पास। उसे दुख है इस बात का, अपने चोटिल शरीर को तो हर हाल में सौंपना ही होगा नए साल को लेकिन दिल के जख्म दिल में छुपाए रखना चाहता है।

अतीत में विलीन हो जाने से पहले इन्हें भी अतीत की खाई में दफन करना चाहता है। नहीं चाहता वह कि ये पुराने जख्म नए साल के दिल को भी टीस देते रहें। नहीं चाहता वह कि नए साल में किसी धर्म की खिल्ली उडाई जाए और फिर किसी बेकसूर कन्हैयालाल का गला रेता जाए या फिर कोई चूडीवाला धार्मिक उंमाद की भेंट चढ़े। नहीं चाहता वह कि धर्मगुरु शांति की बातें छोड़, नरसंहार की हुंकार भरें। नहीं चाहता वह कि नए साल में प्रेम कलंकित हो और कोई प्रेमी अपनी प्रेमिका को पचास टुकड़ों में काट कर, दरिंदगी का घिनौना रूप समाज को दिखाए। नहीं चाहता वह परिवार का पेट पालने के लिए नौकरी करने वाली किसी बेटी को मालिक की हवश पूरी न करने के कारण मौत के घाट उतारा जाए। नहीं चाहता वह बलात्कारियों की बेशर्म रिहाई हो और नए साल में उनका सार्वजनिक रूप से वीरोचित सम्मान हो। नहीं चाहता वह कि प्रकृति के दिए रंगों का भी कोई मजहब हो, किसी रंग पर बेशर्मी की तोहमत लगे और रंगों से किसी का दिल आहत हो।

हालाँकि लोग मान चुके हैं कि हर हाल में पुराने साल की चीजों को नए साल में आना ही है, इनसे बचकर रहना मुश्किल है, क्योंकि बहुत से लोग अमादा हैं पुराने साल की कटुता को नए साल में भी रोपित करने के लिए। लोगों को इनके साथ ही चलते हुए अगले साल में प्रवेश करना है। हर मुसीबत से लोग सीखते हैं। सीखने से लोगों को हिम्मत मिलती है। दूसरी तरफ खड़े लोग मानते हैं कि जिन चीजों को ये लोग पुराने साल में झेल चुके हैं, नए साल में भी वे झेल ही लेंगे और उनका दबदबा बना रहेगा। इसलिए साल बदल जाता है, स्थितियाँ नहीं बदलतीं।

-अरुण अर्णव खरे

नालों में लोटती किताबें

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

पढ़े लिखों की बस्ती में किताबें नालें में पड़ी-पड़ी लोट रही थी। पहले लगा हो न उन किताबों में शराब की प्रचार-प्रसार सामग्री छपी होगी। उनमें भी नशा चढ़ गया होगा। इसीलिए उनका यह हाल हो रहा है। बाद में किसी भलमानुस ने बताया कि इन्हें बच्चों तक पहुँचाना था। स्कूल जो शुरु होने वाले हैं। किताबें भी सोचने लगीं - मज़िल थी कहीं जाना था कहीं तक़दीर कहाँ ले आई है। वे आपस में बतियाने लगीं। थोड़ी पतली सी एकदम स्लिम ब्यूटी की तरह लग रही अंग्रेजी की किताब ने कहा – वाट इज हैपिनिंग हिअर? आयम फीलिंग डिस्गस्टिंग। तभी हिंदी की किताब जो थोड़ी सी मोटी लेकिन वाचाल लग रही थी, बीच में कूद पड़ी – अरे-अरे देखिए मैम साहब के नखरे। तुमको डिस्गस्टिंग लग रहा है। तुम्हारे चलते मेरे भीतर से कबीर, तुलसी की आत्मा निकाल दी गई है। बच्चे मुझे पाकर न ठीक से दो दोहे सीख पाते हैं और न कोई नौकरी। तुम हो कि ट्विंकिल-ट्विंकिल लिटिल स्टार, बा बा ब्लाक शिप, रेन रेन गो अवे जैसी बिन सिर टांग की राइम सिखाकर बड़ी बन बैठी हो।

तुम्हारी इन राइमों के चक्कर में हमारे बच्चे हिंदी के बालगीत भी नहीं सीख पाते। तुमने तो हमारा जीना हराम कर दिया है। इस पर अंग्रेजी बोली – नाच जाने आंगन टेढ़ा। बच्चों को लुभाना छोड़कर मुझ पर आरोप मढ़ रही हो। बाबा आदम का जमाना लद चुका है। कुछ बदलो। मॉर्डनाइज्ड बनो। चाल-ढाल में बदलाव लाओ। इन सबके बीच सामाजिक अध्ययन की किताबें कूद पड़ी – अरे-अरे! तुम लोगों में थोड़ी भी सामाजिकता नहीं है। मिलजुलकर रहना आता ही नहीं। कुछ सीखो मुझसे। इतना सुनना था कि विज्ञान की किताबें टूट पड़ी – अच्छा बहिन तुम चली हो सामाजिकता सिखाने। तुम्हारी सामाजिकता के चलते लोग आपस में लड़ रहे हैं। कोई नरम दल है तो कोई गरम दल। कोई पूँजीवाद का समर्थक तो कोई किसी और का। तुम तो रहने ही दो। कहाँ की बेकार की बातें लेकर बैठ गई हो।

आज न कोई भाषा पढ़ता है न सामाजिक अध्ययन। लोग तो विज्ञान पढ़ते हैं। डॉक्टर बनते हैं। कभी सुना किसी को कि वह कवि या लेखक बनना चाहता है या फिर समाज सुधारक? तभी मोटी और बद्सूररत सी लगने वाली गणित की किताब ने सभी को डाँटते हुए कहा – मेरे बिना किसी की कोई हस्ती नहीं है। आज दुनिया में सबसे ज्यादा लोग इंजीनियर बन रहे हैं। सबका हिसाब-किताब रखती हूँ।

सभी एक-दूसरे से लड़ने लगीं। वहीं एक कोने में कुछ किताबें सिसकियाँ भर रही थीं। यह देख हिंदी, अंग्रेजी, सामाजिक अध्ययन, विज्ञान और गणित की किताबें लड़ाई-झगड़ा रोककर कोने में पड़ी किताबों की सिसकियों का कारण पूछने लगीं। उन किताबों ने बताया – हम मूल्य शिक्षा, जीवन कौशल शिक्षा और स्वास्थ्य शिक्षा की किताबें हैं। हम छपती तो अवश्य हैं लेकिन बच्चों के लिए नहीं बल्कि कांट्रेक्टरों के लिए।

आप सभी सौभाग्यशाली हो कि कम से कम आप लोगों को बच्चों की छुअन का सुख तो मिलता है। हम हैं कि स्टोर रूम में पड़ी-पड़ी सड़ने के सिवाय कुछ नहीं कर सकतीं।

उधर, व्हाट्सप पर यह किस्सा पढ़कर बच्चे लोट-पोट हो रहे थे।

सरलता की शिक्षा

करीब तीन दशक पहले के मुकाबले आज की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह बदल चुकी है। समय के साथ शिक्षा का स्तर बढ़ा है और इसमें प्रतियोगिता का भाव आया है। जहां हमने शिक्षा को हंसी-खुशी अपनाया और अपने जीवन में शामिल कर लिया, वहीं दूसरी तरफ आज के विद्यार्थी शिक्षा को खुद के लिए बोझ बना लेते हैं। आज परीक्षा या शिक्षा के साथ विद्यार्थी सहज महसूस नहीं कर पाते हैं।

इसके कई कारण होते हैं या हो सकते हैं। कई बार विद्यार्थियों के स्तर पर और कई बार शिक्षण संस्थानों के स्तर पर। अगर इसके ठोस समाधान की बात करें तो इसके लिए शिक्षकों और शिक्षण संस्थानों को काम करना जरूरी है। शिक्षा और शिक्षण माहौल में कुछ अनुकूल परिवर्तन करके शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकता है।

सबसे पहले आज की शिक्षा व्यवस्था में व्यावहारिक ज्ञान को अधिक महत्त्व देना चाहिए। पिछले कई वर्षों से भारत में उच्च स्तरीय शिक्षा सिद्धांत आधारित बन चुकी है, वहीं इसके व्यावहारिक पहलू पर गौर करने की जरूरत है। बच्चों को किताबी ज्ञान से बाहर नैतिक और मौलिक ज्ञान देना जरूरी है। किसी भी विद्यार्थी को एक अच्छा डाक्टर या अच्छा इंजीनियर बनाने से पहले उसे एक अच्छा इंसान बनाना जरूरी है। साथ ही विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम को इसी के आधार पर फिर से तय करना जरूरी है, जिसमें व्यावहारिक ज्ञान की अधिक बात हो।

दूसरी बात यह है कि विद्यार्थियों को खेल-खेल में और मस्ती में पढ़ाना चाहिए। जिस तरह छोटे कक्षाओं के बच्चों को पढ़ाया जाता है, उसी प्रकार या उसी तरीके को आधार बनाकर उच्च स्तरीय शिक्षा भी देनी चाहिए। इससे बच्चों के लिए पढ़ने का सही और अनुकूल माहौल बनेगा।

एक अन्य जरूरी बात यह है कि बच्चों के पाठ्यक्रम में या उसे पढ़ाने के तरीके में श्रव्य-दृश्य माध्यम का प्रयोग अधिक होना चाहिए। कई बार विद्यार्थी पठन-पाठन की प्रक्रिया से ऊब जाते हैं। ऐसे में आडियो-वीडियो तकनीक का सहारा लेकर पढ़ाने का काम करने से उनके लिए शिक्षा का एक अनुकूल माहौल तैयार हो पाएगा।

हालांकि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था काफी हद तक अनुकूल माहौल बनाने में सफल नजर आती है। मगर उपर्युक्त विचारों को शिक्षा व्यवस्था में शामिल करने से विद्यार्थियों के सकल विकास पर काम करना आसान हो जाएगा। इससे शिक्षा का भी अनुकूल माहौल स्थापित हो पाएगा और देश की अगली पीढ़ी अधिक प्रभावशाली व्यक्तित्व वाली बनेगी। फिर परीक्षा या शिक्षा को बोझ नहीं, बल्कि सरल और सुगम बनाया जा सकेगा।

-अंकित श्वेताभ

पलायन की राह

कोई भी इंसान कभी अपनी जन्मभूमि, अपना देश तब तक नहीं त्यागता जब तक उसे यह न लगे कि अब यह देश रहने के लिए सुरक्षित नहीं रह गया है। जिस देश का आर्थिक भविष्य अंधकारमय हो, कानून व्यवस्था और नागरिक अधिकारों का हनन हो रहा हो, वैसे देशों से ही लोगों का पलायन होता है। आजादी के बाद से पिछले आठ वर्षों में आखिर किन कारणों से, भारत की नागरिकता को त्यागने वालों की बाढ़ से आ गई है! नरेंद्र मोदी सरकार के 2014 से चल रहे शासन के दौरान अब तक नौ लाख से अधिक लोगों ने अपनी भारतीय नागरिकता छोड़ दी है। पिछले पांच वर्षों में नागरिकता त्यागने वालों की संख्या में छत्तीस फीसद की बढ़ोतरी हुई है। इस साल 2022 के अक्तूबर माह तक ही करीब एक लाख चौरासी हजार लोग नागरिकता को त्याग कर दूसरे देशों में चले गए। आखिर क्यों सबसे बड़े लोकतंत्र और सोने की चिड़िया के रूप में प्रचारित देश से लोगों का मोहभंग होता जा रहा है? यह कितना सही है? वर्तमान सरकार अक्सर बड़े-बड़े दावे करती रही है कि सबसे तेज गति से विकास हो रहा है। आर्थिक मंदी के कोई आसार नहीं है। औद्योगिक और व्यापारिक वातावरण काफी दोस्ताना तरीके से फल-फूल रहा है। व्यापारी जीएसटी से काफी खुश हैं। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक। उत्तर भारत से लेकर उत्तर-पूर्व तक शांति व्याप्त हो चुका है। फिर भी लोग जा रहे हैं।

- जंग बहादुर सिंह

बेहद चमत्कारी है हल्दी की गांठ

औषधीय गुणों से भरपूर हल्दी को धार्मिक अनुष्ठानों में प्रयोग करना भी शुभ माना गया है। जिस तरह सेहत के लिए हल्दी का दूध बेहद लाभकारी होता है, उसी तरह हल्दी के कुछ उपाय सुख-समृद्धि व सौभाग्य प्राप्ति के लिए कारगर होते हैं। तो चलिए जानते हैं हल्दी की गांठ से जुड़े उपाय।

अटका हुआ धन होगा वापस

अगर कहीं आपके पैसे अटके पड़े हैं तो हल्दी का उपाय आपके लिए कारगर साबित हो सकता है। कुछ चावल के दानों को हल्दी में मिलाकर रंग लें। इसके बाद उन रंगे हुए चावलों को एक लाल वस्त्र में बांधकर अपने पर्स में रखें। इस उपाय से पैसों की बरकत होने लगेगी और शीघ्र ही आपका अटका हुआ धन भी वापस मिलेगा।

गुरु ग्रह होगा मजबूत

अगर किसी जातक की कुंडली में गुरु ग्रह अशुभ स्थिति में हो तो उसे गुरुवार के दिन हल्दी और चने की दाल का दान करना चाहिए। इसके साथ ही गुरुवार को भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए। इससे जीवन में गुरु की कृपा सदैव बनी रहेगी।

आर्थिक स्थिति में सुधार

अगर आपकी आर्थिक स्थिति बिगड़ती जा रही है तो आपको एक हल्दी की गांठ लेकर उस पर लाल कपड़ा बांध देना है। इसके बाद उसे आप अपने घर की तिजोरी में रख दें। सुबह-शाम उसकी पूजा करें। इस उपाय से धन की देवी मां लक्ष्मी प्रसन्न रहती हैं और उनकी कृपा बनी रहती है।

गणेश जी की कृपा पाने के लिए बहुत बार मेहनत करने के बाद भी उचित फल नहीं मिलता है। ऐसे में भगवान गणेश जी को हल्दी की माला चढ़ाएं। इससे आपके कार्य में आने वाली हर बाधा दूर होगी। साथ ही घर से बाहर जाते समय हल्दी का टीका लगाना भी शुभ माना जाता है। इससे जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहेगी।

शादी विवाह के लिए

अगर विवाह होने में किसी तरह की रुकावट आ रही है तो रोजाना भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी जी को एक चुटकी हल्दी अर्पित करनी चाहिए। इस उपाय से विवाह में आ रही सभी बाधाएं समाप्त हो जाएंगी और मनचाहा जीवनसाथी मिलेगा।

अनमोल वचन

जीत और हार आपकी सोच पर निर्भर है
मान लो तो हार होगी ठान लो तो जीत

जीवन में कभी भी हार ना मानो
क्या पता आपकी अगली ही कोशिश
आपको कामयाबी की ओर ले जाए

कोई लाख गलत भी बोले बस मुस्कुरा कर छोड़ दीजिए

वह आदमी वास्तव में बुद्धिमान है
जो क्रोध में भी गलत बात मुंह से नहीं निकालता है

बीत चुके कल को सोचने से अच्छा है
आज मेहनत करके आने वाले कल को अच्छा बना दो

एक निराशावादी को हर अवसर में कठिनाई दिखाई देती है ;
एक आशावादी को हर कठिनाई में अवसर दिखाई देता है ।

ब्रह्माजी ने झूठ बोला तो शिव जी ने दिया शाप

कई बार ऐसी स्थितियां बन जाती हैं, जब सच बोलना मुश्किल लगता है और लोग झूठ बोल देते हैं। शुरू में झूठ सुख देता है, लेकिन बाद में परेशानियां बढ़ा देता है। ये बात हम शिव जी, ब्रह्मा जी और विष्णु जी की एक प्रचलित कहानी से सीख सकते हैं।

एक बार ब्रह्मा जी और विष्णु जी में विवाद हो रहा था कि दोनों में कौन श्रेष्ठ है?

ब्रह्मा-विष्णु का विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों युद्ध करने लगे। एक-दूसरे पर दिव्यास्त्रों के वार करने लगे। दोनों देवताओं का युद्ध देखकर अन्य देवता घबरा गए। सभी देवता शिव जी के पास पहुंचे और देवताओं ने शिव जी से कहा कि आप इन दोनों को जल्दी रोकें, वर्ना सृष्टि के लिए संकट खड़ा हो जाएगा।

सभी देवताओं की बात मानकर शिव जी एक अग्नि स्तंभ के रूप में ब्रह्मा और विष्णु के बीच प्रकट हुए।

अग्नि स्तंभ को देखकर ब्रह्मा जी और विष्णु जी ने तय किया कि जो भी इस स्तंभ का अंतिम छोर खोज लेगा, वही श्रेष्ठ होगा। ब्रह्मा जी स्तंभ के ऊपरी भाग में गए और विष्णु जी नीचे वाले हिस्से में गए। जब विष्णु जी को स्तंभ का अंतिम छोर नहीं मिला तो वे लौट आए, लेकिन दूसरी तरफ ब्रह्मा जी ने खुद को श्रेष्ठ साबित करने के लिए एक योजना बनाई।

ब्रह्मा जी ने स्तंभ में केतकी का एक फूल देखा। केतकी के फूल से ब्रह्मा जी ने कहा तू मेरे साथ बाहर चल और बाहर निकलकर बोल देना कि मैंने इस स्तंभ का अंतिम छोर खोज लिया है।

केतकी के फूल ने ब्रह्मा जी की बात मान ली। स्तंभ से बाहर निकलकर केतकी के फूल ने झूठ बोल दिया कि ब्रह्मा जी ने इस स्तंभ का अंतिम छोर ढूंढ लिया है।

जैसे ही केतकी के फूल ने ये झूठ बोला, वहां शिव जी प्रकट हो गए। शिव जी ने ब्रह्मा जी के झूठ को पकड़ लिया था। शिव जी क्रोधित हुए और उन्होंने ब्रह्मा जी को शाप दे दिया कि आपने झूठ बोला है, इसलिए अब से आपकी पूजा नहीं होगी।

विष्णु जी ने शिव जी शाप वापस लेने का निवेदन किया तो शिव जी ने उनकी बात मानते हुए कहा कि अब से यज्ञ में ब्रह्मा जी को गुरु के रूप में स्थापित किया जा सकेगा।

ब्रह्मा जी के बाद शिव जी ने केतकी के फूल से कहा कि तूने झूठ में साथ दिया और झूठ बोला है, इसलिए अब से तू मेरी पूजा में वर्जित रहेगा।

प्रसंग की सीख

इस किस्से की सीख यह है कि हमें किसी भी स्थिति में झूठ नहीं बोलना चाहिए। झूठ शुरुआत में भले ही अच्छा लगता है, लेकिन जब झूठ पकड़ा जाता है तो हमारे लिए संकट बढ़ जाता है। सच शुरुआत में भले ही मुश्किल लगता है, लेकिन बाद के लिए जीवन सुखी हो जाता है।

घर में ऑरेंज और ग्रीन रंग की घड़ी क्यों नहीं लगानी चाहिए?

घड़ी समय दिखाने के अलावा घर की खूबसूरती और घर के वास्तु में भी अहम रोल निभाती है। हम सभी अपने घर में दीवार घड़ी का उपयोग करते हैं और इसे ऐसी जगह पर लगाते हैं, जहां समय देखने में हमें आसानी हो। सरल शब्दों में कहा जाए तो हम अपनी सुविधा के अनुसार घड़ी को किसी भी दीवार पर लगा देते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र में घर की हर एक चीज को रखने के नियम बताए गए हैं, जिन्हें हम अपनाएं तो घर में सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसी तरह घर में घड़ी किस दिशा में लगानी चाहिए, इसको लेकर भी वास्तु शास्त्र में नियम बताए गए हैं।

घड़ी लगाने की सही दिशा क्या है?

-वास्तु शास्त्र के अनुसार, घड़ी का काम सिर्फ समय दिखाना ही नहीं होता, बल्कि ये कई ऐसे संकेत भी देती है, जो परिवार के सदस्यों पर गहरा प्रभाव डाल सकते हैं।

-वास्तु शास्त्र के अनुसार, घड़ी को घर की दक्षिण दिशा में कभी नहीं लगाना चाहिए। इससे व्यक्ति के स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा, दक्षिण दिशा में घड़ी लगाने से पैसों की तंगी बढ़ जाती है।

- घड़ी को पूर्व दिशा में लगाना शुभ माना जाता है। ऐसा करने से आपके घर में खुशहाली और तरक्की बढ़ जाती है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार, घड़ी को घर के मुख्य द्वार पर कभी नहीं लगाना चाहिए। ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ जाता है। घर में रहने वाले लोगों की खुशियों पर बुरी नजर लग जाती है।

- आजकल घर को सजाने के लिए तरह-तरह की घड़ियां आ गई हैं। उन्हीं में से एक है पेंडुलम वाली घड़ी। बेशक, पेंडुलम वाली घड़ी दिखने में बहुत खूबसूरत लगती है, लेकिन इसे घर में लगाने से सुख-समृद्धि और खुशियां रुक जाती हैं।

- इसके अलावा, घर में बंद घड़ी कभी नहीं रखनी चाहिए। साथ ही घड़ी पर धूल भी नहीं जमने देना चाहिए।

- घर में ऑरेंज और ग्रीन रंग की घड़ी नहीं लगानी चाहिए। ये दोनों रंग की घड़ियां घर में नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती हैं।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के लिविंग रूम में चौकोर शेप की घड़ी लगाना लाभदाई होता है।

कई शुभ योग साथ लिए आएगा नया साल

नए साल 2023 का हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है। नए साल के शुभ होने की कामना भी हर दिल में है। हर व्यक्ति ये जानने को भी उत्सुक है कि नया साल कैसा रहेगा? ऐसे में आज हम आपको ग्रह-नक्षत्रों की चाल के आधार पर नये साल के शुभ व अशुभ योग व उनके फल के बारें में बताने जा रहे हैं।

शुभ होगा नए साल का पहला दिन

पंडित महेश चंद्र शर्मा के अनुसार ग्रहों की चाल के हिसाब से नये साल की शुरुआत सामान्यतः शुभ होगी। रविवार को अश्विनी नक्षत्र में शुरू हो रहे नए साल पर सुबह 7 बजकर 23 मिनट तक शिव व इसके बाद सिद्ध योग शुरू होगा। जो किसी भी संकल्प व सिद्धी के लिए अच्छा समय रहेगा। इसके अलावा जीवन ऊर्जा देने वाले सूर्य, न्याय के देव शनि व ज्ञान के देव व ग्रह बृहस्पति का अपने घर में रहना भी शुभ फल देने वाला है। हालांकि मेष राशि में पहले से मौजूद पाप ग्रह राहु के साथ चंद्रमा का गोचर ग्रहण का अशुभ योग भी बना रहा है, जो जातक के लिए परेशानी का कारण बन सकता है।

साल 2023 के पहले महीने में शनि का शश योग भी कई राशियों के लिए शुभ फल लेकर आएगा। 17 जनवरी 2023 को शनि अपनी गृह राशि कुंभ में प्रवेश करेगा। कुंभ शनि की मूल त्रिकोण राशि होने पर शश महापुरुष योग बनेगा। जो कुंभ, कन्या, मकर, मेष व वृषभ राशि के लिए शुभ फलदायी रहेगा। इसके साथ बनने वाला विपरीत राजयोग भी तुला, वृषभ व धनु राशि के लिए लाभदायक होगा। शनि के अलावा सूर्य, बुध और शुक्र का भी इस महीने गोचर होगा, जिसका भी जातकों पर असर रहेगा।

सोने का आभूषण चोरी होना, खोना और मिलना क्यों माना जाता है अशुभ

सनातन धर्म में कई सारी मान्यताएं प्रचलित हैं। इसी तरह सोने की धातु को पूजनीय और महत्वपूर्ण माना गया है क्योंकि इसका संबंध माता लक्ष्मी से माना जाता है, इसलिए यह मान्यता है कि जब भी सोना खरीदा जाता है तो हमेशा शुभ मुहूर्त में ही खरीदना चाहिए।

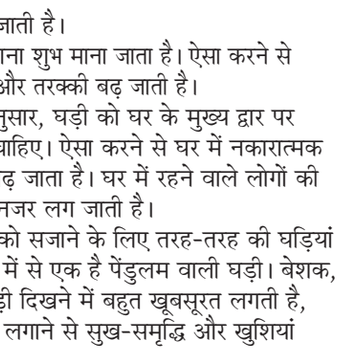

सोने का खोना और चोरी होने का मतलब

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार

सोने की धातु खो जाती है या चोरी हो जाती है तो उसे शुभ नहीं माना जाता है क्योंकि सोने की धातु का रंग पीला होता है और ज्योतिष शास्त्र में कहा गया है कि इसका संबंध देव गुरु बृहस्पति से माना जाता है। बृहस्पति ग्रह वैवाहिक जीवन, धन, संपत्ति और पति का प्रतिनिधित्व करता है, जिसकी वजह से सोना खोना और चोरी होना अशुभ माना जाता है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार बृहस्पति ग्रह को परिवार का कारक ग्रह माना जाता है, इसलिए सोना गुमना, चोरी होना अच्छा नहीं होता। ये स्थिति देव गुरु बृहस्पति की नाराजगी की वजह से निर्मित होती है। इस तरह की स्थिति में पारिवारिक कलह और दांपत्य जीवन में परेशानियां शुरू हो जाती हैं।

सोने का रास्ते में मिलना

इसी तरह ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सोना मिलना भी अच्छा नहीं होता। सोना मिलना और उसे घर पर रखना दोनों अशुभ माना जाता है। यदि मिला हुआ सोना आप घर पर रखते हैं तो बृहस्पति ग्रह का कुप्रभाव शुरू हो जाता है और जीवन में अनेक समस्याएं आने लगती हैं।

क्या करें

यदि आपको रास्ते में पड़ा सोना मिलता है तो उसे घर ना ले जाएं, बल्कि उसे बेचकर उससे मिले पैसों को दान कर दें। ऐसा करने से सुख-समृद्धि बनी रहती है और व्यक्ति के मान-सम्मान में बढ़ोतरी होती है।

सलमान खान से मिलने के लिए बेकाबू हुई भीड़

पुलिस ने भाईजान के फैंस को डंडों से पीटा

सलमान खान ने 27 दिसंबर को 57वां बर्थडे सेलिब्रेट किया है। इस खास मौके पर बॉलीवुड के दबंग खान की एक झलक पाने के लिए फैंस उनके घर गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर इकट्ठा हुए। लेकिन जैसे ही सलमान खान फैंस से मिलने के लिए घर की बालकनी में आए तो फैंस की भीड़ बेकाबू हो गई और पुलिस ने उन पर लाठी चार्ज कर दिया, जिसका एक वीडियो सामने आया है।दरअसल, सलमान से मिलने के लिए हर साल की तरह इस बार भी भारी तादाद में फैंस उनके घर में बाहर इकट्ठा हो गए। वीडियो में देखा जा सकता है कि सलमान को देखते ही फैंस बेकाबू होते नजर आ रहे हैं। भारी सुरक्षा और बंदोबस्त के बावजूद पुलिस भीड़ को काबू में नहीं रख पा रही थी। ऐसे में पुलिस को भीड़ को कंट्रोल करने के लिए लाठी चार्ज करना पड़ा। वीडियो में पुलिस के लाठी चार्ज के बाद लोग इधर-उधर भागते हुए दिख रहे हैं।सलमान खान ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक फोटो शेयर की है, जिसमें गैलेक्सी अपार्टमेंट के नीचे उनके फैंस की भीड़ देखी जा सकती है। फोटो में सलमान खान ने फैंस की तरफ अपना चेहरा किया है। उन्होंने फोटो को पोस्ट करते हुए अपने फैंस के लिए कैप्शन में लिखा है, 'आप सभी को धन्यवाद'। इस फोटो में सलमान ब्लू टी-शर्ट और जींस में नजर आ रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान 'टाइगर 3', 'पठान' और 'किसी का भाई किसी की जान' जैसी फिल्मों में नजर आएंगे। 'टाइगर 3' 10 नवंबर 2023 में रिलीज होगी, जबकि 'पठान' 25 जनवरी 2023 में रिलीज होगी। शाहरुख खान की फिल्म पठान में भी सलमान खान ने कैमियो किया है।

न्यू ईयर मनाने निकले विरुष्का

यूजर्स बोले- वामिका को किधर छोड़ आए

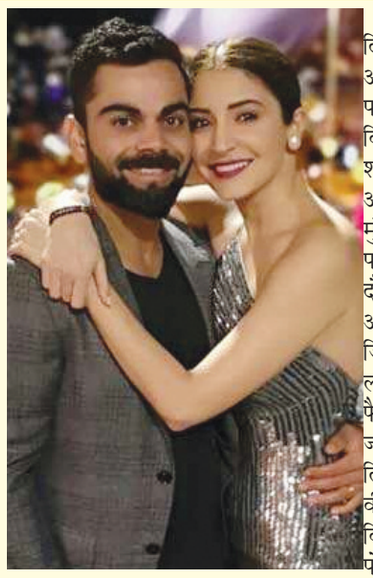

बॉलीवुड सेलेब्स इन दिनों न्यू ईयर मनाने के लिए अलग-अलग डेस्टिनेशन्स पर जा रहे हैं। इसी बीच विराट कोहली और अनुष्का शर्मा का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कपल को मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। इस दौरान दोनों वूलेन आउटफिट में नजर आए, जिसे देखकर फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि स्टार कपल फैमिली के साथ किसी सर्द जगह पर न्यू ईयर मनाने के लिए रवाना हो रहा है। वीडियो में अनुष्का और विराट पैपराजी के सामने पोज देते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि इस दौरान विराट और अनुष्का की बेटी वामिका उनके साथ नहीं दिखाई दे रही हैं, जिसे देखकर फैंस सवाल कर रहे हैं। वीडियो में विराट-अनुष्का को देखकर एक यूजर ने लिखा- 'वामिका किधर हैं?' दूसरे यूजर ने लिखा- देखो इतने पैसे कमाने के बाद भी विराट ने 10 रुपए वाला मास्क ही लगाया है। एक अन्य यूजर ने लिखा- यार आप दोनों कितने क्यूट दिखते हो साथ में। बता दें कि अनुष्का शर्मा ने हाल ही में अपनी फिल्म चकदा एक्सप्रेस की शूटिंग कंप्लीट की है। यह फिल्म प्रसिद्ध महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी के जीवन पर आधारित है। इस फिल्म के जरिए अनुष्का करीब 4 साल बाद बतौर लीड एक्ट्रेस बड़े पर्दे पर नजर आएंगी।

ऋतिक की कजिन से सगाई करने जा रहे कार्तिक आर्यन? पश्मीना के पीछे-पीछे पहुंचे फ्रांस

बॉलीवुड के मशहूर एक्टर कार्तिक आर्यन अपनी फिल्मों और पर्सनल लाइफ को लेकर अक्सर चर्चा में बने रहते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान कार्तिक आर्यन से शादी को लेकर सवाल पूछे गए, जिसमें उन्होंने बताया कि फिलहाल वह कुछ वक्त तक इसके बारे में नहीं सोच रहे हैं। वह इस समय अपने करियर पर ध्यान दे रहे हैं। हालांकि, रिपोर्ट्स के हवाले से एक खबर आ रही है, जिसमें अभिनेता कार्तिक आर्यन का नाम बॉलीवुड के मशहूर एक्टर ऋतिक रोशन की कजिन पश्मीना रोशन के साथ जोड़ा जा रहा है। बताया जा रहा है कि कार्तिक पश्मीना को डेट कर रहे हैं। दोनों की डेट की खबरों के बीच एक और अपडेट सामने आया है।

फैंस ने लगाया यह अंदाजा

दरअसल, हाल ही में कार्तिक आर्यन ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की, जिसमें कार्तिक एक तरफ देखते नजर आ रहे हैं। यह तस्वीर फ्रांस की है। बता दें कि कुछ वक्त पहले पश्मीना रोशन ने भी फ्रांस से एक तस्वीर साझा की थी। उस तस्वीर में पश्मीना ऋतिक रोशन के साथ दिखाई दे रही हैं। दरअसल, कार्तिक और पश्मीना द्वारा साझा की गई तस्वीर एक ही जगह की है। इसके बाद फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि कार्तिक और पश्मीना इस साल सगाई कर सकते हैं। तस्वीरों पर फैंस लगातार कमेंट्स कर रहे हैं। हालांकि, दोनों ने अभी तक अपने संबंधों को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

बता दें कि अभिनेता कार्तिक आर्यन का नाम पश्मीना रोशन से पहले एक्ट्रेस सारा अली खान के साथ जुड़ा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों कलाकारों का अफेयर कुछ वक्त चला था। उसके बाद भी उन्होंने अफेयर की खबरों पर कभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

गौरतलब है कि कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया ने इस साल सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन किया। यह एक कॉमेडी हॉरर फिल्म है, जो दर्शकों को खूब पसंद आई। फिलहाल कार्तिक अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर व्यस्त हैं।

सुशांत केस में नए दावे के बाद रिया का पोस्ट

कहा-अगली बार खुद पर शक हो, तो याद रखें आप बड़ी मुश्किलों को हरा चुके हैं

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में कूपर अस्पताल के अटॉप्सी स्टाफ रूप कुमार ने दावा किया है कि उनकी मौत सुसाइड नहीं बल्कि उनका मर्डर हुआ था। इस सनसनीखेज दावे के बाद हाल ही में सुशांत की गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती ने सोशल मीडिया पर क्रिप्टिक पोस्ट किया है। रिया ने लिखा, 'आप आग से होकर गुजरे हो, तूफान से खुद को बचाया, शैतान के ऊपर से जीते, इस बात को याद रखो अगली बार खुद पर शक हो, तो याद रखें आप बड़ी मुश्किलों को हरा चुके हैं।' सुशांत का शव 14 जून, 2020 को उनके मुंबई स्थित अपार्टमेंट में मिला था, जिसके बाद इसे सुसाइड करार दिया गया था। उनकी मौत की जांच सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन द्वारा की जा रही है, साथ ही एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो मामले को फाइनेनशियल और ड्रग्स के एंगल से देखा जा रहा है। वहीं सुशांत की फैमिली का कहना है कि रिया की वजह से सुशांत की जान गई। रिया और उनके भाई पर सुशांत को ड्रग्स देने का आरोप भी लगा। रिया को जेल भी हुई, हालांकि इस समय रिया जेल से बाहर हैं और अपनी जिंदगी की नई शुरुआत कर रही हैं।

सुशांत को बहुत चोटें आई थीं, उनकी कई हड्डियां भी टूटी थीं- अटॉप्सी स्टाफ

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में कूपर अस्पताल के अटॉप्सी स्टाफ रूप कुमार ने कहा था, 'मैं उस टीम का हिस्सा था जिसने सुशांत की बॉडी का पोस्टमार्टम किया था, और मैंने देखा था कि उन्हें बहुत चोटें आई थीं, उनकी कई हड्डियां भी टूटी थीं। तब मैं मीडिया के सामने नहीं आ पाया, क्योंकि मुझे उस समय की उद्धव सरकार पर भरोसा नहीं था। अब सरकार बदल गई है तो मैं सच बताना चाहता हूं। मुझे अपनी जान की परवाह नहीं है, सुशांत को न्याय मिलना चाहिए।'

न्यू ईयर सेलिब्रेट करने निकले जैकी-रकुलप्रीत

लंबे समय से कर रहे हैं एक-दूसरे को डेट

बॉलीवुड के पॉपुलर कपल जैकी भगनानी और रकुलप्रीत सिंह को हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। सोशल मीडिया पर कपल का एक वीडियो सामने आया है, जिसे देख लग रहा है कि दोनों न्यू ईयर सेलिब्रेट करने के लिए कहीं रवाना हो रहे हैं। इस दौरान रकुलप्रीत व्हाइट-आरेंज आउटफिट में नजर आईं। वहीं ग्रीन शर्ट और ब्लू जींस में दिखाई दिए। हाल ही में रकुलप्रीत को जैकी के बर्थडे पार्टी में स्पॉट किया गया था।

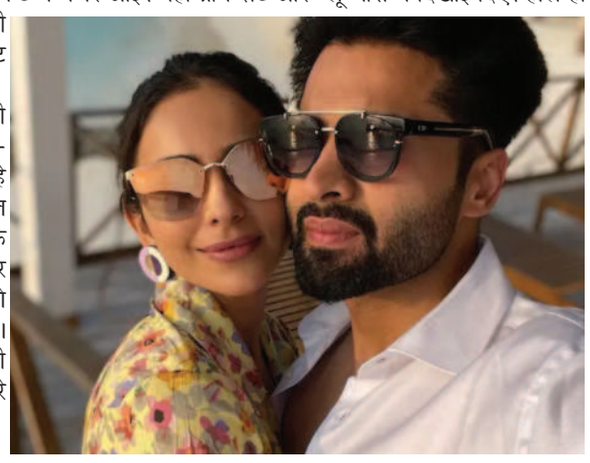

रकुल और जैकी काफी समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। रकुल ने साल 2021 में जैकी के बर्थडे के मौके पर अपने रिलेशनशिप को पब्लिक किया था। तब से लेकर अभी तक कपल एक दूसरे को डेट कर रहे हैं।

करण कुंद्रा की बाइक पर एक्टर की गोद में जा बेठीं तेजस्वी, रोमांटिक वीडियो देख पागल हुए फैंस

टीवी एक्टर और रोमांटिक कपल तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा की एक झलक देखने के लिए लोग बैचेन रहते हैं। टीवी एक्टर और रोमांटिक कपल तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा की एक झलक देखने के लिए लोग बैचेन रहते हैं. हाल ही में उन्होंने अपना एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया जिसे देखकर लोग क्रेजी हुए जा रहे हैं. इस वीडियो में करण कुंद्रा को स्टाइलिश बाइक पर बैठे देखा जा सकता है. वहीं तेजस्वी उनकी गोद में बैठा देखा जा सकता है. वीडियो में आगे देखा जा सकता है कि तेजस्वी प्रकाश करण कुंद्रा की बाइक के सामने उनकी तरफ मुंह करके बैठ जाते हैं. दोनों साथ में बेहद रोमांटिक दिख रहे हैं. लोग उन्हें देखकर अपने मोबाइल में वीडियो बनाने लगते हैं. जैसे ही करण (करण कुंद्रा) बाइक चलाना शुरू करते हैं, तेजस्वी डरने लगती हैं और वह बार-बार 'आराम से आराम से' दोहराती नजर आती हैं.

इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है. वीडियो देखने के बाद कुछ लोगों ने इस जोड़ी को एक दूसरे के लिए बनी जोड़ी कहा तो कुछ ने कहा कि ये साथ में कितने अच्छे लग रहे हैं. कमेंट सेक्शन में कई लोगों ने हार्ट वाले इमोजी भेजे तो कई लोगों ने फायर वाले इमोजी पोस्ट किए.

तुनिषा के अलावा दूसरी लड़की को डेट करता था शीजान

पुलिस ने की सीक्रेट गर्लफ्रेंड की पहचान, व्हाट्सएप चैट और वॉयस रिकॉर्डिंग भी रिकवर की गई

टीवी एक्ट्रेस तुनिषा शर्मा सुसाइड केस में गिरफ्तार शीजान मोहम्मद खान की एक सीक्रेट गर्लफ्रेंड का खुलासा हुआ है। पुलिस का कहना है कि उन्होंने शीजान की सीक्रेट गर्लफ्रेंड का पता लगा लिया है। अभी तक उससे पूछताछ नहीं की है। पुलिस अब एंजाइटी के मुद्दे पर तुनिषा शर्मा के परिवार से पूछताछ करेगी। वहीं तुनिषा की मां विनीता शर्मा का बयान दोबारा लिया जाएगा।

दरअसल तुनिषा ने 24 दिसंबर को शूटिंग के सेट पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। तुनिषा के खुदकुशी करने के कुछ ही घंटे के बाद उनकी मां की शिकायत पर उनके को-स्टार शीजान मोहम्मद खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। शीजान पर खुदकुशी के लिए उकसाने का केस दर्ज कर चार दिनों के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस ने नए अपडेट में बताया गया है कि वालीव पुलिस ने शीजान के फोन से व्हाट्सएप चैट और रिकॉर्डिंग

को रिट्रीव कर लिया है। उन्होंने सभी चैट को स्कैन किया है। पुलिस को शीजान और तुनिषा के बीच चैट में कुछ भी गलत या संदिग्ध नहीं पाया। हालांकि उन्होंने अभी तक तुनिषा का फोन अनलॉक नहीं किया है।

सूत्रों का दावा है कि पुलिस रिकॉर्डिंग के दौरान शीजान बार-बार अपने बयान बदल रहा है। उन्होंने इस बारे में बात करते हुए आगे कहा, 'शीजान के सभी बयान कैमरे पर रिकॉर्ड किए जा रहे हैं। ब्रेकअप के पीछे धर्म में मतभेदों के बारे में बात करने के बाद, शीजान अब दावा कर रहा है कि वो अपने करियर पर ध्यान देना चाहता था और इसलिए उसने तुनिषा से ब्रेकअप कर लिया। वालीव पुलिस कोर्ट से आज शीजान की रिमांड को आगे बढ़ाने का अपील करेगी।'

सूत्र ने आगे बताया, 'पुलिस ने घटना के दिन शूट के फुटेज को कस्टडी में ले लिया है ताकि ये समझ सकें कि शूटिंग के दौरान तुनिषा के साथ कुछ गलत तो नहीं हुआ।' तुनिषा अपने को-स्टार शीजान खान के साथ रिलेशनशिप में थीं। एक्ट्रेस की मौत के बाद पुलिस ने शीजान को गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि पुलिस ने दावा किया कि पूछताछ में शीजान ने उम्र और धर्म की वजह से तुनिषा के साथ ब्रेकअप की बात मानी है। उसने बताया है कि तुनिषा भी अलग होना चाहती थी। साथ ही शीजान ने ये भी खुलासा किया कि तुनिषा ने पहले भी आत्महत्या करने की कोशिश की थी, लेकिन उस समय उन्होंने तुनिषा को बचा लिया था।

इस वजह से मल्टी-स्टारर फिल्मों के लिए हां कह देती थीं यामी

फिल्मी सितारे अक्सर लाइमलाइट में रहना चाहते हैं। उनकी यह हसरत भी रहती है कि वे जिस प्रोजेक्ट में काम करें वह खूब चर्चा बटोरे। ऐसा ही कुछ यामी गौतम के साथ भी है। एक्ट्रेस यामी गौतम का कहना है कि उनकी फिल्में और रोल उनके लिए लिस्ट में सबसे ऊपर रहते हैं, चाहें फिर वो सोलो फिल्म हो या मल्टी स्टारर फिल्म। हाल ही में यानी ने अपने फिल्मी करियर और किरदारों को लेकर बात की। इस दौरान वह कई दिलचस्प बातें साझा करती नजर आईं।

यामी का कहना है कि फिल्म करते हुए पहले तो सक्रिप्ट में सब होता है और आप जानते हैं कि आप क्या करने जा रहे हैं। यामी ने उदाहरण देते हुए कहा, 'जब मैंने 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' की सक्रिप्ट देखी, तो मैं जानती थी कि मैं इस तरह की सक्रिप्ट का हिस्सा बनना चाहती थी। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें पहले किसी ने भी इस तरह के रोल ऑफर नहीं किए थे। इस रोल को करने के बाद उनके करियर पर काफी फर्क पड़ा।'

यानी ने आगे कहा, 'फिल्म 'उरी', 'काबिल' और 'विक्की डोनर' से पहले मुझे इस तरह की फिल्में नहीं मिलीं, जिन्होंने मुझे ऐसा महसूस कराया हो कि मैं इन्हें करना चाहती हूं। इसलिए मैंने मल्टी स्टारर फिल्मों में अच्छे रोल लेना जारी रखा। सोचा, इस तरह अच्छे रोल आते रहेंगे।' यामी ने आगे कहा, 'फिल्म 'बाला' भी मल्टीस्टारर थी। यह सिर्फ मेरे किरदार पर आधारित नहीं थी। लेकिन, मुझे लगता है कि मेरे किरदार को इसमें तारीफ मिली।'

यामी का कहना है कि 'फिल्म 'बाला' के दौरान मैं अपने लिए खड़ी हुई और 'बाला' को हां कहने का मेरे लिए यही क्राइटेरिया था।' यामी का मानना है कि 'यह सोचना बहुत मानवीय है कि फिल्म में इतनी बात मेरे बारे में भी होनी चाहिए। हालांकि 'उरी' के समय में ऐसा काफी वक्त बाद हुआ था।' बता दें कि यामी जल्द ही फिल्म 'लॉस्ट' में नजर आएंगी।

देवोलीना भट्टाचार्जी ने पति शाहनवाज़ और विशाल संग क्लिक करवाई फोटो

फैंस ने कहा 'एक्स और प्रेजेंट एक साथ'

टीवी की छोटी बहू देवोलीना भट्टाचार्जी इन दिनों अपनी शादी की वजह से जमकर छाई हुई हैं. देवोलीना भट्टाचार्जी शादी के बाद से लगातार चर्चा में बनी हुई हैं. देवोलीना ने अपने जिम ट्रेलर शाहनवाज शेख के संग गुपचुप शादी की और फोटोज जैसे ही शेयर की तो लगातार ट्रोलर्स के निशाने पर आ गईं है. दरअसल देवोलीना की एक फोटो जमकर वायरल हो रही है जिसमें वो अपने पति शाहनवाज़ और एक्स विशाल सिंह के साथ नजर आ रही हैं.

बता दें कि देवोलीना को मुस्लिम से शादी करने पर सोशल मीडिया पर कुछ लोगों की नाराजगी भी झेलनी पड़ी. कई लोगों को देवोलीना का एक मुस्लिम लड़के से शादी करना पसंद नहीं आया. अब टीवी की गोपी बहू अपनी शादी-शुदा जिंदगी में खुश हैं और पति के साथ पहला क्रिसमस भी मना चुकी हैं. हालांकि अब एक्ट्रेस की एक फोटो फिर से चर्चा में आ गई है जो उनकी शादी के वक्त की है और इसमें वो अपने एक्स विशाल और पति शहनवाज के साथ नजर आ रही हैं. देवोलीना ने इस फोटो को शेयर करते हुए लिखा है- 'सबसे खुश करने वाला साल 2022'.

इस तस्वीर में देवोलीना के पति और उनके रूमर्ड एक्स बॉयफ्रेंड विशाल सिंह साथ दिख रहे हैं. जहां देवोलीना के पति शाहनवाज उनका हाथ पकड़कर किस कर रहे हैं, तो वहीं विशाल सरप्राइज होकर देख रहे हैं. आपको बता दें, देवोलीना को सीक्रेट वेडिंग की वजह से लगातार ट्रोल किया जा रहा है. यहां तक कि कई ट्रोलर्स का कहना है कि प्रेग्नेंसी की वजह से एक्ट्रेस ने जल्दबाजी में शादी की. हालांकि देवोलीना ने इन खबरों को खारिज किया है. वहीं हाल ही में पति शाहनवाज शेख के साथ क्रिसमस शादी के बाद पहली बार मनाया. इन तस्वीरों में शाहनवाज देवोलीना को किस करते हुए दिखे।

सर्दियों में सेहत बिगड़ती क्यों है ?

ये मौसम उच्च रक्तचाप, दिल का दौरा और स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्याओं का जोखिम बढ़ा देता है, जानिए इससे बचने के उपाय

सर्दियों के मौसम को आमतौर पर सेहत के लिहाज़ से सुहाना माना जाता है, लेकिन इस ऋतु में लापरवाहियां बरतना उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर), दिल का दौरा (हार्ट अटैक) और स्ट्रोक (ब्रेन अटैक या लक़वा) जैसी गंभीर समस्याओं के जोखिम को बढ़ा देता है। इसी तरह सर्दियों में एलर्जिक राइनाइटिस, साइनोसाइटिस, दमा, जोड़ों और कमर में दर्द की समस्याएं भी सिर उठाती हैं। हालांकि कुछ सावधानियां बरतकर आप इन समस्याओं को परास्त करते हुए स्वस्थ बने रह सकते हैं।

ठंड में इसलिए बढ़ते हैं मामले

जब धमनियों की आंतरिक दीवार पर रक्त संचार का दबाव 140/90 के पार पहुंच जाता है तो यह स्थिति उच्च रक्तचाप कहलाती है। हार्ट एसोसिएशन (आईएचए) और इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन (आईएसए) के अनुसार उच्च रक्तचाप हार्ट अटैक और स्ट्रोक का एक प्रमुख कारण है। इनके अनुसार गर्मियों की तुलना में सर्दियों में दिल के दौरों के मामले लगभग 26 फ़ीसदी और स्ट्रोक के मामले 32 प्रतिशत से अधिक बढ़ जाते हैं।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार सर्दियों में अन्य मौसमों की तुलना में रक्त में कहीं ज़्यादा गाढ़ापन आ जाता है, जिससे थक्का (क्लॉट) बनने लगता है। हार्ट अटैक और स्ट्रोक के ज़्यादातर मामले रक्त के थक्कों के बनने से होते हैं। ऐसे थक्के हृदय और मस्तिष्क की धमनियों या रक्त नलिकाओं के मार्ग को बाधित करते हैं, जो कालांतर में दिल के दौरे और स्ट्रोक का कारण बनते हैं। तापमान में गिरावट का दुष्प्रभाव हृदय की धमनियों (कोरोनरी आर्टरीज़) पर भी पड़ता है, जिस कारण वे सिकुड़ जाती हैं। ऐसी स्थिति में रक्त संचार के दौरान धमनियों की आंतरिक दीवारों पर रक्त का दबाव ज्यादा पड़ता है। यह स्थिति उच्च रक्तचाप को बढ़ाती है।

जाड़े में जारी रहें सावधानियां

सर्दियों में आलस्य के कारण अनेक लोग अपने व्यायाम कार्यक्रम को स्थगित कर कंबल-रज़ाई में लिपटे रहना चाहते हैं, या फिर व्यायाम या शारीरिक परिश्रम के लिए समुचित समय नहीं निकालते। यह प्रवृत्ति सेहत के लिए ठीक नहीं है।

ठंड के मौसम में आमतौर पर लोग अत्यधिक मिर्च-मसालेदार युक्त चटपटा और चिकनाईयुक्त खानपान पसंद करते हैं और भूख से अधिक खाते हैं। यह स्थिति कालांतर में मोटापा बढ़ाती है जिससे कोरोनरी आर्टरी डिजीज (सीएडी) का जोखिम बढ़ता है।

सर्दियों लगने से स्वयं को बचाएं। पर्याप्त ऊनी कपड़े पहनकर ही घर से बाहर निकलें।

जो लोग वृद्ध हैं या फिर जिन्हें पहले से ही उच्च रक्तचाप या हृदय रोग है, उन्हें सर्दियों में धूप निकलने के बाद ही टहलने जाना चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि सुबह के वक़्त अत्यधिक ठंड होने के कारण धमनियों के सिकुड़ने का ख़तरा ज़्यादा रहता है और यह स्थिति हार्ट अटैक या फिर स्ट्रोक का कारण बन सकती है।

उच्च रक्तचाप के रोगी नमक पर नियंत्रण रखें। सर्दियों में पसीना कम निकलने के कारण शरीर में नमक की मात्रा बढ़कर रक्तचाप को प्रभावित कर सकती है। प्रतिदिन अपने भोजन में विभिन्न खाद्य पदार्थों के ज़रिए 5 ग्राम (आधा छोटा चम्मच) से अधिक नमक का सेवन न करें।

सर्दियां और हाइपोथर्मिया

सर्दियों में बच्चों, बुज़ुर्गों, हृदय और मधुमेह रोगियों में हाइपोथर्मिया (शरीर का तापमान कम हो जाना) के मामले बढ़ जाते हैं। आमतौर पर शरीर का सामान्य तापमान 98.6 डिग्री फ़ॉरेनहाइट (37 डिग्री सेल्सियस) होता है, लेकिन जब यह तापमान सामान्य से 3 डिग्री सेल्सियस कम होने लगे, तो यह स्थिति हाइपोथर्मिया कहलाती है।

ठंड में पर्याप्त ऊनी कपड़े न पहनने, ठंडे माहौल में रहने या फिर किन्हीं कारणों से ठंडे पानी में रहने से यह स्थिति उत्पन्न हो सकती है। हाइपोथर्मिया के शुरुआती लक्षणों में कंपकंपी, कमज़ोरी और थकान महसूस होती है, लेकिन गंभीर स्थिति में सांस लेने में दिक़्क़त और बेहोश हो सकती है।

रोज पीना चाहिए लहसुन का पानी, कभी नहीं होगा कैंसर!

लहसुन खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ सेहत के लिए फायदेमंद होता है। जी हाँ और लहसुन खाने से सेहत को चौकाने वाले फायदे होते हैं। हालाँकि आज हम आपको इसके पानी को पीने के लाभ बताने जा रहे हैं। ऐसा कहा जाता है स्पर्म काउंट को बढ़ाने समेत इसके कई फायदे हैं। आइए बताते हैं आपको इसके बारे में। सामने आने वाली एक रिपोर्ट के अनुसार लहसुन में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो कैंसर के खतरे को कम कर सकते हैं।

इसके अलावा ऐसा भी कहा जाता है कि अगर रोज एक लहसुन की कली को पानी के साथ निगला जाए, तो भविष्य में कैंसर का खतरा कम सताता है। केवल यही नहीं बल्कि इसका पानी भी इस मामले में फायदेमंद होता है। एक वेबसाइट के मुताबिक लहसुन के गुण पुरुषों में पिता बनने की क्षमता को बढ़ा सकते हैं। जी हाँ और इसके पानी को रोजाना पीने से स्पर्म काउंट को बढ़ाने में मदद मिलती है। ये इंफर्टिलिटी को हमसे कोसों दूर रख सकता है।

इसके अलावा कई रिसर्च के बाद सामने आया है कि लहसुन का पानी डाइजेशन सिस्टम यानी पाचन तंत्र को मजबूत बना सकता है। जी हाँ और सर्दियों में लहसुन का पानी पीकर पेट की कई समस्याओं से बचा जा सकता है। इसके अलावा लहसुन का पानी दिल के स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा होता हैं, क्योंकि ये खून को पतला करने में उपयोगी होता है। इसी के साथ दिल की बीमारियों का कारण माने जाने वाला बैड कोलेस्ट्रॉल का लेवल कम रखने में भी लहसुन मददगार होता है।

अगर आप भी लगाते हैं परफ्यूम तो अभी हो जाएं सावधान!

दुनियाभर के कई लोग हैं जो नियमित परफ्यूम लगाते हैं। अगर आप भी इसी लिस्ट में शामिल हैं तो यह खबर आपके लिए है। जी दरअसल परफ्यूम आपके जीवन में जहर घोल सकता है। आप सभी को बता दें कि किसी पार्टी में जाना हो या फिर ऑफिस में कहीं भी जाने के लिए ज्यादातर इंसान परफ्यूम का इस्तेमाल करते हैं। जी हाँ और लोग अपनी पसंद के हिसाब से परफ्यूम लगाते हैं। कभी कोई पसीने की बदबू से बचने के लिए तो कई खुशबू के लिए परफ्यूम लगाना पसंद करते हैं। हालाँकि अगर आप भी रोज परफ्यूम का इस्तेमाल करते है तो सावधान हो जाएं। जी दरअसल इसका नियमित इस्तेमाल करना कहीं परेशानी का कारण न बन जाएं। आपको बता दें कि नियमित इस्तेमाल किए जाने वाला परफ्यूम आपकी स्किन और सेहत के लिए हानिकारक हो सकता हैं। अब हम आपको बताते हैं आपकी सेहत को कैसे नुकसान पहुंचा सकता है?

सेहत के लिए नुकसानदायी : परफ्यूम पसीने को रोकने का काम भी करते है। जी दरअसल पसीना न निकलने के कारण से कई हानिकारक तत्व बाहर नहीं निकल पाते जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायिक साबित होते हैं।

उत्पन्न होगी कई तरह की समस्याएं : नियमित इस्तेमाल किए जाने वाले परफ्यूम में कई तरह के केमिकल पाएं जाते है जिससे स्किन संबंधित कई तरह समस्याएं हो सकती हैं।

न्यूरो टोक्सिन सेंट्रल नर्वस सिस्टम : परफ्यूम में मौजूद न्यूरो टोक्सिन सेंट्रल नर्वस सिस्टम को प्रभावित करता है।

बैक्टीरिया पनप सकते हैं : कई बार परफ्यूम को लगाने से स्किन में घाव या अलग तरह के निशान बन जाते हैं, जिनमें बैक्टीरिया पनप सकते हैं।

हार्मोन्स में असंतुलन पैदा : परफ्यूम में मौजूद केमिकल सेहत को बिगाडक़र हार्मोन्स में असंतुलन पैदा कर सकते हैं।

पीरियड्स संबंधी समस्या : महिलाओं में डियोडरेंट का यूज करने से पीरियड्स संबंधी समस्याओं हो सकती हैं।

क्या आपके स्मार्टफोन का फिंगरप्रिंट फीचर काम नहीं कर रहा?

अब लगभग हर फोन में फिंगरप्रिंट लॉक सिस्टम मौजूद है। सिर्फ़ उंगली रखते ही मोबाइल अनलॉक हो जाता है। पर कई बार फिंगरप्रिंट मॉड्यूल यानी जिस जगह पर उंगली रखकर मोबाइल अनलॉक करते हैं, वह काम नहीं करता। ऐसे में झुंझलाहट होती है और हम अपने मोबाइल के साथ बेअदबी से पेश आने लगते हैं। मोबाइल को कई बार री-स्टार्ट करते हैं या फिर ज़ोर-ज़ोर से फोन के मॉड्यूल पर उंगली रखकर दबाते हैं जिससे उसका स्क्रीन भी ख़राब हो जाता है और मशीन पर भी ज़ोर पड़ता है। ऐसी स्थिति में क्या करना चाहिए और कैसे इस समस्या को दूर किया जा सकता है, इस लेख में जानते हैं।

पहला कारण... रूखी त्वचा

यह आम समस्या है जिसकी वजह से कई बार मोबाइल का स्क्रीन फिंगरप्रिंट नहीं लेता। रूखी त्वचा, मुलायम और नम त्वचा के मुकाबले कम इलेक्ट्रिकल चार्ज पैदा करती है। यही वजह है कि गर्मियों में आपके फोन के टच में कोई परेशानी नहीं आती, लेकिन सर्दियों में कई बार फोन का स्क्रीन टच पर काम नहीं करता।

दूसरा कारण... उंगलियों में सूजन

उंगलियों में सूजन आना या कठोर होना भी एक वजह है। आमतौर पर यह समस्या उन लोगों के साथ आती है जो गिटार बजाते हैं या रॉक क्लाइंबिंग करते हैं। इसके अलावा फर्नीचर या फिर हाथ से कोई कारीगरी करने वाले लोगों की उंगलियां भी कठोर हो जाती हैं, जिसके चलते स्क्रीन अनलॉक करने में तकलीफ़ होती है।

तीसरा कारण... मशीन की समस्या

कई बार ये समस्या मशीन या सॉफ्टवेयर से जुड़ी भी हो सकती है। इनमें गड़बड़ी होने के कारण फिंगरप्रिंट स्कैन नहीं हो पाता।

त्वचा रूखी होने पर...

अगर हाथों की त्वचा रूखी है तो इसे मॉइश्चराइज़ करें। हैंड मॉइश्चराइज़ से त्वचा हाइड्रेटेड रहेगी। इसके अलावा जिस उंगली से मोबाइल स्क्रीन अनलॉक करते हैं उस पर रंग, डिज़ाइन या मेहंदी आदि न लगाएं। इस वजह से भी मोबाइल सॉफ्टवेयर को फिंगरप्रिंट स्कैन करने में दिक़्क़त आ सकती है।

सफ़ाई का ध्यान...

जिस उंगली से मोबाइल अनलॉक करते हैं उसे हमेशा साफ़ रखें। कई बार हम गंदे हाथों से फिंगरप्रिंट मॉड्यूल छू लेते हैं। गंदी उंगली को मॉड्यूल वैसे भी स्कैन नहीं करेगा, लेकिन इसे छूने से इस पर गंदगी जम सकती है। ऐसे में मॉड्यूल को भी साफ़ करते रहें।

फिंगरप्रिंट करें री-सेट...

सॉफ्टवेयर और मशीन को री-सेट करके भी देखें। सेटिंग में जाकर बायोमेट्रिक और सिक्योरिटी पर क्लिक करें। इसमें मौजूद फिंगरप्रिंट विकल्प पर जाएं और नया फिंगरप्रिंट बनाएं। इससे बेशक समस्या हल होगी।

मॉड्यूल भी जांचें...

मोबाइल गिरने के कारण भी फिंगरप्रिंट मॉड्यूल ख़राब हो सकता है या टूट सकता है। अगर मॉड्यूल हिल रहा है या चटका हुआ नज़र आ रहा है तो इसे ठीक कराएं।

दो प्रिंट रखें...अनलॉक के लिए कम से कम दो उंगलियों का फिंगरप्रिंट रखें। अगर एक उंगली से फोन अनलॉक नहीं होता है तो दूसरे हाथ का इस्तेमाल किया जा सकता है।

ये भी आज़माएं

मोबाइल का सॉफ्टवेयर अपडेट करके देखें। मोबाइल की सेटिंग री-सेट करें या मोबाइल को रीबूट करें।

फोन सिस्टम की कैशे मेमोरी साफ़ करके देखें।

ठंड में सबसे बेहतरीन है गिलोय

गिलोय एक आयुर्वेदिक हर्ब है और इसका इस्तेमाल इंडियन मेडिसिन में सदियों से किया जा रहा है। आपको बता दें कि संस्कृत में गिलोय का अर्थ होता है अमृत। गिलोय को अमृत इसलिए माना गया है क्योंकि इसके बहुत से हेल्थ बेनेफिट्स हैं। जी दरअसल गिलोय का तना सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाता है, हालाँकि इसकी जड़ के भी बहुत से फायदे हैं। आपको बता दें कि गिलोय को जूस, पाउडर या कैप्सूल्स के रूप में लिया जा सकता है, इसी के साथ ही इसका इस्तेमाल लोग काढ़ा बना कर भी करते हैं। अब हम आपको बताते हैं गिलोय के सेवन करने से इन किन-किन हेल्थ कंडीशंस में हो सकता है।

किन हेल्थ कंडीशंस में करें गिलोय का इस्तेमाल ?- गिलोय का इस्तेमाल कई सालों से इंडिया में ट्रेडिशनल मेडिसिन के रूप में किया जाता है। यह इम्यून सिस्टम को सपोर्ट करने और ब्लड शुगर लेवल को सही रखने जैसी कई समस्याओं में लाभदायक हैं।

खराब डाइजेशन– गिलोय डाइजेशन को सुधारने और बाउल रिलेटेड इशूज को सुधारने में मददगार है। इसके इस्तेमाल से कब्ज में भी राहत मिलती है।

डायबिटीज– गिलोय एक हायपोग्लाइसेमिक ड्रग की तरह काम करता है और डायबिटीज के उपचार में मदद कर सकता है। हाय ब्लड शुगर लेवल को कम करने के लिए इसका जूस पीने से लाभ होता है।

स्ट्रेस और एंजाइटी– गिलोय का एक एडेप्टोजेनिक हर्ब के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। यह स्ट्रेस और एंजाइटी को कम करने में मददगार है।

आर्थराइटिस- गिलोय को आर्थराइटिस का उपचार करने के लिए जाना जाता है। जोड़ों में दर्द के लिए गिलोय के तने के भाग को दूध के साथ उबाला जाता है और फिर इसका सेवन किया जाता है।

अस्थमा– गिलोय का इस्तेमाल अस्थमा में होने वाली समस्याएं जैसे चेस्ट टाइटनेस, सांस लेने में समस्या, खांसी आदि में किया जाता है। इस स्थिति में रोगी को गिलोय की जड़ को चबाने या गिलोय जूस को पीने की सलाह दी जाती है।

पुरुषों की तुलना में महिलाएं ज्यादा चिंतित रहती हैं, जल्दी गुस्सा या रुआंसी भी हो जाती हैं, जानिए ऐसा क्यों है ?

महिलाएं इतने तनाव में रहती क्यों हैं?

महिलाएं जल्दी परेशान होती हैं और जल्दी रो भी पड़ती हैं। उनके दिलों-दिमाग़ से बातें जल्दी ग़ायब नहीं होतीं। दोष उनका नहीं है। कोलकाता के फोर्टिस अस्पताल में वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक डॉ. संजय गर्ग महिलाओं के अक्सर परेशान रहने और उनकी तुनकमिज़ाजी के कुछ ख़ास कारण बताते हैं।

भरपूर नींद भी नहीं मिलती...

महिलाओं को पुरुषों से अधिक नींद की ज़रूरत होती है, लेकिन वे अक्सर पूरी नींद नहीं ले पातीं। उन्हें घरेलू कामकाज निपटाने के लिए सुबह नियमित समय पर ही उठना पड़ता है, जबकि पुरुष आमतौर पर सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर लेते हैं। ऊपर से अगर पत्नी कामकाजी हो तो दोपहर में भी सो पाने का कोई मौक़ा नहीं। यह प्रामाणिक वैज्ञानिक तथ्य है कि नींद पूरी न हो पाने की वजह से व्यक्ति एंग्ज़ायटी, स्ट्रेस या डिप्रेशन का शिकार हो सकता है। और ऐसे में पति किसी प्रकार का तंज़ कस दे या कोई हैरान-परेशान कर दे तो पत्नी (महिला) का तुनक जाना स्वाभाविक है।

तनाव की मनोवैज्ञानिक वजह...

वेब प्रोग्राम बनानेवाली कंपनी लैंटर्न द्वारा करवाए गए शोध में पता चला है कि महिलाएं पुरुषों की तुलना में 11 फ़ीसदी अधिक तनावग्रस्त और 16 फ़ीसदी अधिक चिंतित रहती हैं। फैमिली साइकोलॉजिस्ट एमी शोफनर ने एक रिपोर्ट में बताया कि महिलाओं में स्ट्रेस लेवल अधिक रहने की वजह है चीज़ों या समस्याओं के प्रति उनका नज़रिया। महिलाएं तनाव देने वाले व्यक्ति या वस्तु से दूर नहीं जातीं। वे बार-बार समस्याओं की गहराई में जाती हैं और उनमें उलझती हैं, इससे उनके तनाव का स्तर बढ़ जाता है। जबकि पुरुष 'फाइट या फ्लाइट' यानी लड़ो या फिर भाग जाओ पर यक़ीन रखते हैं। महिलाओं में स्ट्रेस अधिक होने की एक और वजह यह है कि वे परफेक्शनिस्ट होती हैं और साथ ही चीज़ों को लम्बे समय तक याद रखती हैं। वे किसी बात को आसानी से भूलती नहीं और दिन-रात उसी के सोच-विचार में डूबी रहती हैं। वे न तो ख़ुद को, न ही टेंशन देने वाले को जल्दी से माफ़ कर पाती हैं। जैसे, बच्चे को स्कूल पहुंचाने में देर हो गई तो पुरुष पांच मिनट पछताने के बाद सामान्य हो जाएगा, लेकिन महिला ख़ुद को अपराधी या बुरी मां मानकर कम से कम 24 घंटे तक टेंशन में रहती है।

पत्नी को नहीं मिलता ध्यान...

पत्नी चाहती है कि पति उसकी चिंता-फ़िक्र करे और उसे ख़ुद का ध्यान रखने के लिए कहे। लेकिन ऐसा नहीं होता। पति अक्सर ख़ुद के काम में ही व्यस्त रहते हैं या पत्नी की किसी समस्या को नोटिस नहीं करते, तो वह तनाव में रहने लगती है। अगर पति उसके तनाव पर ग़ौर नहीं कर पाते तो वह ज़रा खुलकर अपनी भावनाएं प्रकट करने लगती है और ग़ुस्से का इज़हार करती है। जबकि, पति चुप्पी साधकर उसके ग़ुस्से पर इसलिए प्रतिक्रिया नहीं देते कि इस समय उसका दिमाग़ गर्म है। मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से यह स्थिति 'पोलराइज़ेशन' कहलाती है। इसके तहत पति अपनी सोच पर अड़ जाता है और पत्नी अपनी सोच पर।

ध्यान देने की बात है...

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से अगर यह तय है कि स्त्रियों को तनाव अधिक होता ही है, तो इस स्थिति से निपटने की ज़रूरत है। स्त्रियां स्वयं कोशिश करें और पुरुष भी मदद करें। स्त्रियों की सबसे बड़ी मदद तो यह ही हो सकती है कि पुरुष उन्हें अपने नज़रिए और अपने रवैए के मापदंड से न तौलें। उनसे न कहें कि 'मेरी तरह रहो, टेंशन मत लो।'

अगर मां, बहन, पत्नी, बेटी परेशान दिखे, तो उससे बात करके समाधान बताएं, वह भी इत्मीनान वाले लहजे में।

महिलाओं को भी चाहिए कि तनाव न लेने के प्रयास वे स्वयं भी करें।

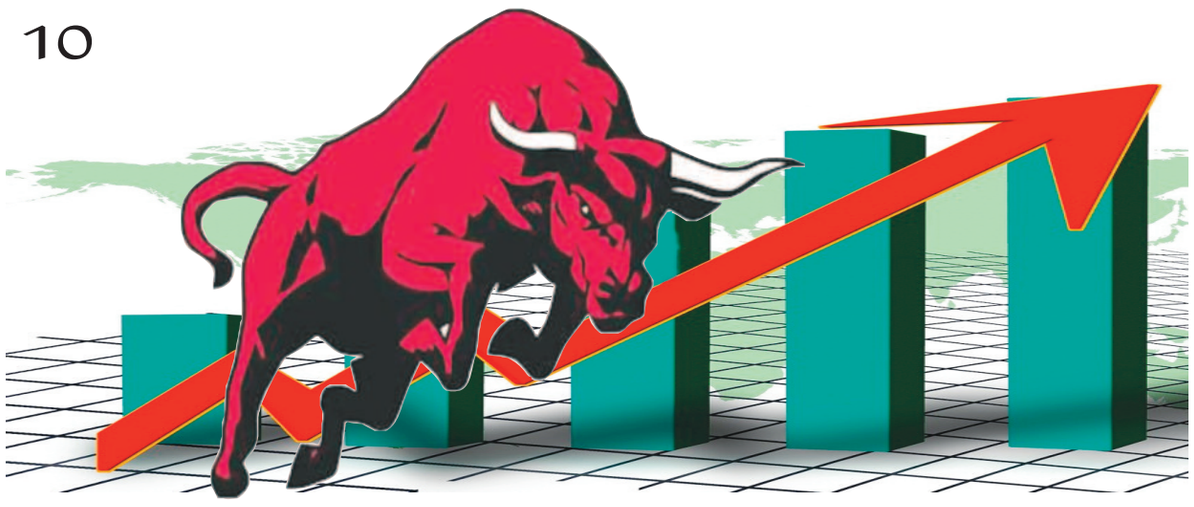

फ्लैट बंद हुआ शेयर बाजार: सेंसेक्स में 17 अंकों की गिरावट, अडाणी विल्मर का शेयर 5% चढ़ा

मुंबई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन, बुधवार (28 दिसंबर) को फ्लैट रहा। सेंसेक्स 17 अंकों की गिरावट के साथ 60,910 के स्तर पर और निफ्टी 9 अंक टूट कर 18,122 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 17 शेयरों में बढ़त और 13 शेयरों में गिरावट रही।

अडाणी विल्मर में अपर सर्किट

अडाणी विल्मर के शेयरों में आज अपर सर्किट लगा। 5% की तेजी के साथ यह 578 रुपए पर बंद हुआ। दरअसल कंपनी के 80 करोड़ शेयर का हैंड ट्रांसफर हुआ है। पेटीएम में भी शानदार

तेजी रही। इसके शेयर 22.15 रुपए या 4.32% बढ़कर 535 रुपए पर बंद हुए।

फार्मा इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरावट

NSE के सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी फार्मा में देखने को मिली। ये 0.56% गिरकर बंद हुआ। मेटल, बैंक, आईटी में मामूली गिरावट रही। रियल्टी और ऑटो इंडेक्स में तेजी दिखी। ये 0.49% और 0.66% बढ़कर बंद हुआ। एफएमसीजी और मीडिया भी चढ़ा।

शेयर बाजार में हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन, यानी मंगलवार (27 दिसंबर) को तेजी देखने को मिली। लगातार दूसरे कारोबारी दिन बाजार में यह तेजी आई। सेंसेक्स 361 अंक बढ़कर 60,927 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 117 अंक की बढ़त के साथ 18,132 के स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स के 30 में से 25 शेयरों में तेजी रही। वहीं सिर्फ 5 शेयरों में गिरावट रही।

रतन टाटा 85 साल के हो गए

तो वहीं रिलायंस ग्रुप के फाउंडर धीरूभाई अंबानी का 90वां जन्मदिन है

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। आज भारत देश के 2 बड़े दिग्गज बिजमैन का जन्मदिन है. आज रतन टाटा 85 साल के हो गए हैं, तो वहीं रिलायंस ग्रुप के फाउंडर धीरूभाई अंबानी का 90वां जन्मदिन है. धीरूभाई अंबानी का जन्म 28 दिसंबर 1932 को गुजरात के छोटे से गांव चोरवाड में हुआ था और उनकी मृत्यु 6 जुलाई 2002 को हुई थी. उन्होंने कपड़े के छोटे से व्यापार की शुरुआत की थी और उनकी मेहनत के चलते उन्होंने रिटेल, एनर्जी, मीडिया-एंटरटेनमेंट और डिजिटल सर्विस में भी अपना कदम रखा और वहां भी कामयाबी हासिल कर नई इबारत लिखी. इसी तरह रतन टाटा ने भी कई मोर्चे पर मेहनत करके सफलता हासिल की. उन्होंने देश में भारत की पहली एसयूवी टाटा सफारी को लॉन्च किया था. एक समय था कि जब धीरूभाई अंबानी ने पेट्रोल पंप पर 300 रुपये की नौकरी की थी और जब उनकी मृत्यु हुई, तब वे करोड़ों रुपए के मालिक थे. ये सब उनकी मेहनत और लगन की वजह से ही संभव हो पाया था.

धीरूभाई अंबानी

जन्म: 28 दिसंबर 1932
मृत्यु: 6 जुलाई 2002

हाईस्कूल — शिक्षा — हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से मैनेजमेंट की पढ़ाई की

पद्म विभूषण (2016) — सम्मान — पद्म विभूषण (2008), पद्म भूषण (2000)

रतन टाटा

जन्म
28 दिसंबर 1937

धीरूभाई अंबानी ने कहा था बड़ा सोचो, सबसे पहले सोचो और आगे का सोचो. उन्होंने 18 साल की उम्र में यमन में नौकरी की, लेकिन 1958 में वे भारत वापस लौट आए और यहां आकर उन्होंने रिलायंस की शुरुआत की थी. 1982 के समय में शेयर मार्केट के दलालों ने धीरूभाई को नुकसान पहुंचाने की साजिश रची थी. उन लोगों का प्लान ये था कि धीरूभाई की कंपनी के शेयरों को निचले स्तर पर ले जाया जाए. उसके बाद उन स्टॉक को खरीदकर मुनाफा कमाया जाए. लेकिन वह अपने मुकाम में सफल नहीं हो सके. क्योंकि धीरुभाई अंबानी ने अच्छा दलालों को सबक सिखाया और 3 दिन के लिए शेयर मार्केट में ताला लगवा दिया. ये उस दौर की बात है जब लोग शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करते तो थे, लेकिन ग्रोथ के लिए नहीं, बल्कि डिविडेंड्स के लिए. अधिकतर कंपनियों का उद्देश्य मुनाफा कमाना हुआ करता था. और शेयरहोल्डर्स को इस मुनाफे की एवज में डिविडेंड्स मिल जाया करते थे. फिर 70 और 80 के दशक में धीरूभाई अंबानी ने इस खेल को पूरी तरह बदल डाला. अंबानी किसी भी हाल में अपने शेयर्स की कीमत में कमी आने देने को तैयार नहीं थे. इसी का नतीजा हुआ कि 90 का दशक आते-आते रिलायंस से 24 लाख निवेशक जुड़ चुके थे. रतन टाटा अमीर परिवार में जन्मे थे, लेकिन उन्होंने अपनी जिंदगी में संघर्ष और मेहनत के दम पर ही सफलता हासिल की. उन्होंने कहा था अगर आप तेज चलना चाहते हैं तो अकेले चलें, लेकिन अगर आप दूर तक जाना चाहते है.तो सबके साथ चलें. रतन टाटा ने 1998 में हैचबैक कार इंडिका को मार्केट में उतारा, लेकिन ये लॉन्च बुरी तरह फेल हो गया. उस समय कुछ लोगों ने उन्हें सलाह दी कि आपको कार डिवीजन बेच देना चाहिए.

हाउसिंग सेक्टर में रिकवरी तेज

इस साल प्रमुख शहरों में बिक्री 50 प्रतिशत बढ़ी

हैदराबाद, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। हैदराबाद में घरों की बिक्री दोगुना से ज्यादा बढ़ी है. वहीं मुंबई महानगर क्षेत्र में घरों की बिक्री में 40 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई है. सेक्टर को उम्मीद है कि साल 2023 में यही ग्रोथ देखने को मिल सकती है. देश के आठ प्रमुख शहरों में घरों की मांग मजबूत बनी हुई है और अक्टूबर से दिसंबर की अवधि के दौरान इन शहरों में आवास बिक्री सालाना आधार पर 19 फीसदी बढ़कर 80,770 इकाई रही है. एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है. पिछले वर्ष की समान तिमाही में 67,890 रेजीडेंशियल यूनिट बिकी थीं. आवास ब्रोकरेज कंपनी प्रॉपटाइगर डॉट कॉम ने अपनी रियल स्टेट इनसाइट रिपोर्ट में बताया कि देश के आठ प्रमुख शहरों में इस साल आवास बिक्री 50 प्रतिशत बढ़कर 3,08,940 इकाई पर पहुंच गई. 2021 में इस अवधि के दौरान 2,05,940 यूनिट बिकीं थीं.

हाउसिंग डॉट कॉम के समूह मुख्य वित्तीय अधिकारी विकास वधावन ने कहा, आवास ऋण की ब्याज दरों में निरंतर वृद्धि के बावजूद ग्राहक ब्याज दरों को लेकर परेशान होने के बजाए कम दाम पर सौदा तय कर लेना चाहते हैं. आंकड़ों के मुताबिक, अहमदाबाद में आवास बिक्री पिछले वर्ष अक्टूबर-दिसंबर की 5,420 इकाई की तुलना में इस वर्ष 23 फीसदी बढ़कर 6,640 इकाई हो गई. पिछले वर्ष कुल 16,880 इकाई बिकीं थीं जो 2022 में 62 फीसदी बढ़कर 27,310 इकाई हो गईं.

बेंगलुरु में यह 30 फीसदी की गिरावट के साथ 6,560 इकाई रही जो पिछले वर्ष अक्टूबर से दिसंबर के बीच 9,420 इकाई थी. हालांकि यहां सालाना आधार पर बिक्री 22 फीसदी बढ़कर 30,470 इकाई रही है जो 2021 में 24,980 इकाई थी. चेन्नई में समीक्षाधीन तिमाही में आवास बिक्री दो फीसदी गिरकर 3,160 इकाई रही जो पिछले वर्ष समान तिमाही में 3,210 इकाई थी. हालांकि पूरे साल में आवास बिक्री आठ प्रतिशत बढ़ी है और 2022 में 14,100 इकाई बिकी हैं जबकि 2021 में 13,050 इकाई बिकी थीं. दिल्ली-एनसीआर में भी अक्टूबर-दिसंबर 2022 में बिक्री तीन प्रतिशत कम होकर 4,280 इकाई रही. 2021 की समान तिमाही में यह 4,430 इकाई थी. यहां भी आवास बिक्री पिछले साल की 17,910 इकाइयों की तुलना में सात प्रतिशत बढ़कर 2022 में 19,240 इकाई रही.

हैदराबाद में आवास बिक्री समीक्षाधीन तिमाही में दोगुना से अधिक बढ़कर 10,330 इकाई रही है जो पिछले वर्ष समान तिमाही में 4,280 इकाई थी. वहीं पिछले वर्ष कुल 22,240 इकाइयां यहां बिकी थीं जो 2022 में 59 फीसदी बढ़कर 35,370 इकाई हो गईं. कोलकाता में आवास बिक्री

अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 18 फीसदी गिरकर 2,130 इकाई रही जो पिछले वर्ष समान तिमाही में 2,610 इकाई थी. हालांकि इस वर्ष यहां मांग आठ प्रतिशत बढ़कर 10,740 इकाई रही है जो 2021 में 9,900 इकाई थी. मुंबई महानगर क्षेत्र में आवास बिक्री समीक्षाधीन तिमाही में 40 प्रतिशत बढ़कर 31,370 इकाई रही जो पिछले वर्ष समान तिमाही में 22,440 इकाई थी। वहीं 2022 में कुल बिक्री 87 फीसदी बढ़कर 1,09,680 इकाई रही है जो 2021 में 58,560 इकाई थी.

समीक्षाधीन तिमाही में पुणे में आवास बिक्री एक प्रतिशत बढ़कर 16,300 इकाई रही, पिछले वर्ष यह 16,080 इकाई थी। यहां 2022 में कुल बिक्री 46 प्रतिशत बढ़कर 62,030 इकाई रही है जो 2021 में 42,420 इकाई थी. प्रॉपटाइगर डॉट कॉम और हाउसिंग डॉट कॉम में शोध प्रमुख अंकिता सूद ने कहा कि आवासीय रियल्टी क्षेत्र के लिए 2022 बहुत सकारात्मक रहा है और यह तो अभी शुरुआत है.

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु में	धनु---	05-54 बजे
चंद्र-	मीन में	मकर-	07-54 बजे
मंगल	वृष में	कुंभ -	09-55 बजे
बुध-	मकर में	मीन...	11-19 बजे
गुरु-	मीन में	मेष--	12-58 बजे
शुक्र-	धनु में	वृष--	14-44 बजे
शनि-	मकर में	मिथुन..	16-45 बजे
राहु-	मेष में	कर्क...	18-56 बजे
केतु-	तुला में	सिंह...	21-09 बजे
		कन्या..	22-19 बजे
		तुला	01-25 बजे
		वृश्चिक	03-36 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत- **2079**
शक संवत **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत **-2549,**हिजरी सन **-1443**
ऋतु-शिशिर**दिशाशूल-** दक्षिण -जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी - **19 -17** तक उपरान्त अष्टमी
मास - पौष शुक्ल पक्ष , गुरुवार **Dec 29**
नक्षत्र - पूर्वभाद्रपद- **11 -43** तक उपरान्त उत्तराभाद्रपद
योग - व्यतिपात - **11 - 45** - तक उप वरियान
करण- गर - **07 - 55** - तक उप- वणिज
विशेष:- व्रत -त्योहार - **पंचक**

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:41 से 15:04 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ..	06:48 - 08:09 शुभ	अमृत	17:47 - 19:27 शुभ
रोग.	08:09 - 09:32 अशुभ	चंचल	19:27 - 21:04 शुभ
उत्पात	09:32 - 10:55 अशुभ	रोग.	21:04 - 22:41 अशुभ
चंचल	10:55 - 12:18 शुभ	काल.	22:41 - 00:18 अशुभ
लाभ	12:18 - 13:41 शुभ	लाभ.	00:18 - 01:55 शुभ
अमृत	13:41 - 15:04 शुभ	उत्पात	01:55 - 03:33 अशुभ
काल.	15:04 - 16:27 अशुभ	शुभ	03:33 - 05:10 शुभ
शुभ.	16:27 - 17:48 शुभ	अमृत	05:10 - 06:48 शुभ

आपका राशिफल

मेष (धू धे धो ला ली लू ले लो आ)
आपको आगे बढने से बहुत से अवसर मिलेंगे लेकिन उन सबको हासिल करने की जल्दीं में ना रहें।अपने सभी विकल्पों को ध्यान से सोच समझकर ही आगे बढ़ें ।अपने दोस्तों के साथ भी बाँटें।यह ऐसा समय होगा जब आपको कई प्रयास करने होंगें।सब कुछ भाग्य पर ना छोड़ें।आपके कार्य ही आपके भाग्य का निर्माण करेंगे।

वृष (ई उ ए जो वा वी वू वे वो)
आज आप सामान्य से अधिक भावनात्मक हैं ,दूसरे इसका फायदा उठा सकते हैं। कार्यस्थल पर कार्य का दबाव रहेगा,जिससे थकान का अनुभव करेंगे।कुछ कार्य सहकर्मियों को दे दें या कल के लिए बचा रखें।काम थोड़ा भले ही करें लेकिन गुणवत्ता बनाये रखें। आज किसी ख़ास व्यक्ति के साथ स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ़ उठा सकते हैं।

मिथुन (का की कू घ ङ झ के को हा)
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा ,स्थितियां आपके सामने किसी पुरानी अवांछित बात को फिर से लाकर खड़ी कर सकती हैं,जिससे आप बचना चाहते थे। आपको इस समस्या से निपटने के लिए सहनशील नजरिये से सोचना होगा क्योंकि आज आप बिना पर्याप्त कारण अपने आप सहित हर किसी पर सख्त रहें हैं। अपने वादों का सम्मान करें। आपको इसके लिए अपने मजे तथा आनंद के समय से समझौता करना पड़ सकता है परन्तु अगर आप दूसरों को दुःख नही पहुंचना चाहते तो आपको यह करना पड़ेगा। आपकी कल्पनात्मक शक्ति आपको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करेगी। आप मानवीय आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
कार्यस्थल पर कोई आपके खिलाफ चुपचाप काम कर रहा है लेकिन आज आपको इस बात का पक्का सबूत मिलने वाला है कि वह कौन है।लेकिन अभी इस आदमी से ना उलझें आपको केवल यह पता चल जाने से भी काफी मदद मिलेगी कि आपके खिलाफ कौन काम कर रहा है और आप अपने दुश्मनों को अपने रास्ते से हटाने में कामयाब रहेंगे।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आपके लिए गंभीरता से मेहनत करने का दिन है।आप काफी लम्बे समय से लटक रहा एक काम संतोषजनक ढंग से पूरा करने में सफल रहेंगे।इससे आपके अफसर प्रभावित होंगे। आज आप पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की भी नजर पड़ेगी और इस बात का आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा।

तुला (स रि रु रे से ता तू ते)
आपके दिमाग में आज कोई अद्भुत विचार आएगा और आपको इसे हाथोहाथ केवल इसीलिए रद्द नही क्र देना चाहिए क्योंकि आपको इसका हो पाना मुश्किल लग रहा है। आज बड़ा सोचने और ऊँचाइयों को छूने का दिन है। ऐसा करने के लिए आपको बाधाओं की सूची बनाकर अच्छी योजना बनानी है।

वृश्चिक (तो मा मी मू मे मो य यी यू)
आज अपने सिद्धांतों की व्याख्या और पुनर्मूल्यांकन का दिन है।आप पिछले फैसलों के लिए खुद से और अपने साथी से भी सवाल कर सकते हैं।फिर भी आप उसके प्रति बहुत अच्छे बने रहेंगे और उससे भी बदले में यही उम्मीद रखेंगे। जब पुराने विचारों से कोई काम बनता दिखाई न दे रहा हो तो नए विचार सही।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आज कर्म में आपका विश्वास और पक्का हो जाएगा।आप यह मान लेंगे कि कर्म का फल अवश्य मिलता है। आप दूसरों की तकलीफ समझते हैं।आप सबसे आगे चलते हुए अपने व्यक्तित्व की उदारता की भी नोट करेंगे। कोई आपसे मदद मांगेगा।प्रियजनों के साथ छोटी-मोटी यात्रा कर सकते हैं।

मकर (भे जे जी खी खू खो मा मी)
आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरे हुए हैं और आज आपके हैरान होने की संभावना है , क्यों की आपके प्रबंधन कौशल की वजह से आप पाएंगे की अपने कितना कुछ पाया है। आपके सारे बकाया कार्य पूर्ण हो जाएंगे और मुश्किल परियोजनाओं के रास्ते में जो रुकावट थी वो पूरी तरह से खत्म हो जाएगी।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
आज आपके सब कामों और विचारों में एकाग्रता और शांति रहेगी।आप किसी विवाद से प्रभावित नही होंगे ,दरअसल कार्यस्थल पर भी ऐसी स्थिति बन सकती है कि आपको शान्तिदूत बनना पड़े। घर के सुधार का कोई कार्यक्रम बना सकते हैं या अपने घर की समस्याओं को सुलझाने या संबंधों को बेहतर बनाने के लिए काम कर सकते हैं।

मीन (दी दू थ ज्ञ ञ द दो च ची)
यह आपके लिए अपने आप से किये हुए वादों और अपनी योजनाओं को अमल में लाने का बहुत अच्छा समय है। नयी योजनायें भी जल्दी ही कामयाब होंगीं।हालाँकि, दोस्तों के साथ मजे करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है।इसीलिए शाम को सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल होने की योजना बना सकते हैं।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

इस मिनिस्ट्री ने कचरे से कमा लिए 22 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। सरकार के स्वच्छ भारत अभियान के तहत देश के सभी मंत्रालय और विभाग विशेष अभियान चला रहा है. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का 3 महीने से जारी ऐसा ही अभियान इसी हफ्ते खत्म हुआ है.

बीते कुछ समय से मोदी सरकार के स्वच्छता अभियान का एक नया रूप सामने निकल कर आ रहा है. दरअसल सरकार से जुड़े विभिन्न विभाग और मंत्रालय अपने ऑफिस या विभाग से जड़ी इमारतों को न केवल स्वच्छ बना रहे हैं साथ ही इससे मिले कबाड़ को बेचकर रकम भी जुटा रहे हैं. हाल ही में ऐसे ही एक स्वच्छता अभियान को संपन्न करने के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कबाड़ के जरिए 22 करोड़ रुपये जुटाए हैं. यहीं नहीं कबाड़ हटाने से मंत्रालय की लाखों वर्ग फुट जगह भी खाली हुई है और विभाग अब इस जगह का और बेहतर और फायदेमंद इस्तेमाल पर विचार कर रहा है.

11 लाख फुट जगह हुई खाली

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की विभिन्न शाखाओं की इमारतों के निर्माण स्थल की ऑडिट के फलस्वरूप देश के 20 शहरों में 11 लाख वर्ग फुट से अधिक स्थान खाली कराया गया है. ठाकुर ने पत्रकारों के साथ अनौपचारिक बातचीत में कहा कि मंत्रालय से जुड़ी इमारतों की ऑडिट और प्रभावी प्रबंधन पहल स्वच्छ भारत अभियान का हिस्सा थी और इससे कबाड़ का निपटारा करके 22 करोड़ रुपये अर्जित किये गए. ठाकुर ने बताया कि मंत्रालय की इमारतों का ऑडिट 29 सितंबर से शुरू हुआ था, जब उन्होंने अहमदाबाद में दूरदर्शन केंद्र का दौरा किया था और यह सोमवार को भोपाल दौरे के साथ समाप्त हुआ.

मुम्बई में मंत्रालय से जुड़ी इमारतों का ठाकुर द्वारा किये गए औचक निरीक्षण के बाद 90 हजार वर्ग फुट क्षेत्र को खाली कराया जा सका. मंत्रालय के मुताबिक ये क्षेत्र शहरों के सबसे प्राइम लोकेशन में है और अगर इसे किराए पर भी दिया जाता है तो इससे करोड़ों की आमदनी हो सकती है.देश के जिन 20 शहरों में इमारतों में स्थान खाली कराये गए हैं, उनमें दिल्ली, मुम्बई, बेंगलुरु, हैदराबाद, कुर्नूल, चेन्नई, त्रिशूर, तिरुवनंतपुरम, जबलपुर, चंडीगढ़, लखनऊ, कोयंबटूर, अमृतसर, संभलपुर, पुडुचेरी, बरहमपुर, भोपाल आदि शामिल हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 दिसंबर को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में इसका उल्लेख किया था. उन्होंने कहा था कि पिछले दिनों सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने भी मुंबई, अहमदाबाद, कोलकता, शिलांग सहित कई शहरों में अपने दफ्तरों में कूड़ा कचरा हटाने का भरपूर प्रयास किया.

एम्स के बाद हैकर्स की रेलवे सर्वर में सेंध

3 करोड़ पैसेंजर्स का डाटा चोरी

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। आरबीआई का कहना है कि डिजिटल सर्विसेज के जरिए अनजाने में हुए ट्रांजेक्शन के मामले में पीड़ित व्यक्ति को पहले इस्तेमाल की गए पेमेंट सिस्टम में शिकायत दर्ज करनी चाहिए.

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान पर डाटा चोरी होने के प्रयास के बाद भारतीय रेलवे में संभावित डाटा ब्रीच की रिपोर्ट सामने आ रही है. वैसे रेलवे या किसी भी सरकारी अधिकारी द्वारा अभी तक इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है. उपलब्ध रिपोर्ट के मुताबिक हैकर्स ने रेलवे टिकट बुक कराने वाले 3 करोड़ लोगों का डाटा चुरा लिया है. इसमें व्यक्तिगत जानकारी जिसमें ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर, पता, उम्र और लिंग शामिल है.

3 करोड़ पैसेंजर्स का डाटा चोरी

एक नेशनल बिजनेस अखबार मिंट में छपी रिपोर्ट के मुताबिक एक हैकर फोरम ने 27 दिसंबर को इस घटना को अंजाम दिया था. हैकर फोरम की असली पहचान सामने नहीं आई है लेकिन इसे 'शैडो हैकर' के नाम से जाना जाता है. आरोप है कि वह हैकर फोरम 3 करोड़ पैसेंजर्स के इस डाटा को डार्क वेब पर बेच रहा है. हैकर ग्रुप ने कहा कि उसके पास भारतीय रेलवे में टिकट बुक कराने वाले तीन करोड़ लोगों के ईमेल और मोबाइल नंबर समेत कई निजी जानकारियां हैं. हैकर ग्रुप ने यह भी दावा किया कि उसने कई सरकारी विभागों के आधिकारिक ईमेल अकाउंट्स को भी चुराया है.

कोचर-धूत की सीबीआई कस्टडी कल तक बढ़ी

हिरासत में घर का खाना और स्पेशल बेड की सुविधा, आईसीआईसीआई लोन फ्रॉड केस में हुई थी गिरफ्तारी

मुंबई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर, उनके बिजनेसमैन-पति दीपक कोचर और वीडियोकॉन ग्रुप के फाउंडर वेणुगोपाल धूत की सीबीआई कस्टडी स्पेशल कोर्ट ने कल यानी गुरुवार तक के लिए बढ़ा दी है। लोन फ्रॉड मामले में चंदा और दीपक दोनों को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद धूत को सोमवार को गिरफ्तार किया। आज इनकी कस्टडी खत्म हो रही थी। सीबीआई अब डॉक्यूमेंट्री एविडेंस के साथ उनसे पूछताछ करेगी। वे पहले ही अपने बयान दर्ज करा चुके हैं। मामले में तीनों एक बार फिर आमने-सामने होंगे। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि धूत ने उन्हें पूरे तथ्य नहीं बताए और इसलिए उन्हें कोचर परिवार से आमना-सामना कराना पड़ेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीबीआई की कस्टडी में चंदा, दीपक और वेणुगोपाल को स्पेशल बेड और मैट्रेस दिया गया है। कोचर ने कहा था कि उन्हें सर्दी में भी फर्श पर सोने के लिए मजबूर किया जा रहा है जिसके बाद इसकी अनुमति मिली है। सीबीआई कोर्ट ने आरोपियों को घर के खाने और दवाओं के साथ-साथ अन्य आइटम्स को अपने खर्चे पर इस्तेमाल करने की अनुमति दी है।

ज्योतिरादित्य बोले- फ्लाइट का किराया कम करना हमारे बस में नहीं, सरकार ने बनाया दूसरा प्लान

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में अक्सर बहस हवाई किराये को फिक्स करने या रेग्युलेट करने की बहस चलती रहती है. इस पर सिविल एविएशन मिनिस्टर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि सरकार हवाई किराया तो तय नहीं कर सकती, लेकिन देश में हवाई यातायात को बढ़ावा देने के लिए बड़ी योजना जरूर बनाई है. ज्योतिरादित्य बोले- फ्लाइट का किराया कम करना हमारे बस में नहीं, सरकार ने बनाया दूसरा प्लानसिविल एविएशन मिनिस्टर ज्योतिरादित्य सिंधिया का कहना है कि सरकार हवाई किराया तय नहीं कर सकती. एयरलाइंस के हवाई किराया तय करने को लेकर कोई स्पष्ट नियम नहीं होने के चलते, अक्सर कई हलकों में एयर फेयर की अपर लिमिट

तय करने, या दूरी के हिसाब से किरायों को रेग्युलेट करने की बहस होती रहती है. अब इस पर नागर विमान मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक बड़ी बात कही है. उनका कहना है कि सरकार की हवाई किराये को रेग्युलेट करने की कोई मंशा नहीं है. बाजार को इसे खुद से तय करना है. एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ये बात कही. उनसे भारतीय एयरलाइंस के बीच होने वाली गलाकाट प्रतिस्पर्धा और उससे ग्राहकों को होने वाले लाभ के साथ-साथ इसके एयरलाइंस की बिगड़ती वित्तीय हालत पर प्रभाव को लेकर सवाल किया गया था. ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि आम तौर पर एविएशन सेक्टर को ऐसे बाजार के तौर पर देखा जाता है, जहां कंपनियां बंद हो जाती हैं. पर लगभग 20 साल बाद इस सेक्टर में एक नई कंपनी (आकासा एयर) उतरी है. वहीं 24 दिसंबर को भारत ने हवाई रोजाना उड़ान भरने वाले हवाई यात्रियों की संख्या का एक और रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया. उन्होंने कहा कि हम 43 लाख हवाई यात्रियों के रिकॉर्ड को पार कर चुके हैं

2022 की टॉप-10 कॉन्ट्रोवर्सी महाराष्ट्र-बिहार में सरकार पलटी

राजस्थान में बची; नूपुर शर्मा के बयान पर दो हत्याएं

मुंबई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। सियासत, मजहब और सोशल मीडिया। कॉन्ट्रोवर्सी यहीं पनपती हैं। 2022 के टॉप-10 विवादों में सियासत अव्वल आई। तीन सूबे- महाराष्ट्र, राजस्थान और बिहार में सत्ता बदलने का झगड़ा। नूपुर शर्मा के विवादित बयान और फिर उदयपुर में कन्हैयालाल की हत्या, मजहबी फसाद का नतीजा रहा। इन सबको जमीन और खाद दी मीडिया और सोशल मीडिया ने। इन विवादों का साया 2023 में भी पड़ेगा तो पहले 2022 के टॉप-10 विवाद और फिर 2023 में इनके असर के आसार...

सबसे पहले 3 पॉलिटिकल कॉन्ट्रोवर्सी

महाराष्ट्र में जोड़-तोड़ से बनी शिंदे सरकार की चुनौतियां कम नहीं होने वाली हैं। उद्धव ठाकरे के विधायकों को साथ लेकर, एकनाथ शिंदे ने बीजेपी के साथ मिलकर नई सरकार तो बना ली, लेकिन महाराष्ट्र बीजेपी के विरोध के सुर उनके सामने परेशानी ला सकते हैं। दरअसल, पार्टी के कई लोग डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस को सीएम पद पर देखना चाहते हैं। शिंदे के लिए सभी को जोड़कर रखना चुनौती भरा रहने वाला है। इसके अलावा, इस पूरे घटनाक्रम में, विवादों में रहे दो मामलों का समाधान अभी तक नहीं हो सका है। पहला यह कि शिवसेना पार्टी उद्धव ठाकरे की है या एकनाथ शिंदे की और दूसरा- बागी विधायक अयोग्य हैं या नहीं। इन पर फैसला आना है।

राजस्थान में कांग्रेस को मुश्किल में ला सकती है पायलट के CM बनने की चाह

नया साल राजस्थान में चुनावी साल है, यहां कांग्रेस के लिए अपनों से ही निपटना बड़ा चैलेंज है। सचिन पायलट के सीएम बनने की चाह एक बार फिर अंदरूनी कलह की वजह बन सकती है। अशोक गहलोत और पायलट दोनों ही हाईकमान के करीबी हैं। किसी को भी नाराज करना चुनावी नतीजे पर असर डाल सकता है। इसलिए नया साल राजस्थान कांग्रेस के लिए संकट की घड़ी से कम नहीं है।

अब बात उस एक बयान की, जिस पर इस साल विवाद रहा।

नूपुर शर्मा के बयान पर विवाद करीब डेढ़ महीने बाद शांत हुआ। इस दौरान 'सिर तन से जुदा' के नारे से उकसाकर दो मर्डर हुए और हिंसा फैलाई गई। बयान के समर्थकों को अभी भी धमकियां मिलने की खबरें सामने आ रही हैं। नूपुर शर्मा के बयान से पैदा हुए इस विवाद का असर 2023 में भी देखने को मिल सकता है।

बिहार में नीतीश-तेजस्वी एक, लेकिन पार्टी की एकजुटता पर संकट के आसार

बिहार में नीतीश कुमार ने बीजेपी से किनारा करके आरजेडी के साथ मिलकर नई सरकार तो बना ली, पर उनकी चुनौतियां कम नहीं हुईं हैं। नीतीश की जेडीयू और तेजस्वी यादव की आरजेडी में एकजुटता नहीं दिख रही है। आरजेडी में जेडीयू के विलय की संभावना भी सामने आ चुकी है। हालांकि, नीतीश ने इससे इनकार किया था, लेकिन दोनों पार्टियों में एकजुटता पर संकट जरूर नजर आ रहा है।

अब बात उन 2 विवादों की, जो मीडिया और सोशल मीडिया से जुड़े हैं।

अब बिजनेसमैन गौतम अडानी के पास चली गई है। ऐसे में, मीडिया को सरकार के पक्ष में कहने वालों ने फिर से मीडिया पर सरकार का कंट्रोल होने पर बहस शुरू कर दी है। विवाद इस बात पर खड़ा हो गया है कि चैनल और अखबार विपक्ष की बात खुलकर कहेंगे भी या नहीं। साल 2023 में मीडिया के आगे निष्पक्ष होने को लेकर चैलेंज बना रह सकता है। इस साल ट्विटर डील विवादों में रही। सीईओ एलन मस्क जिस तरह से बदलाव कर रहे हैं। इसके पूरे आसार हैं कि ट्विटर से जुड़ा विवाद 2023 में भी छाया रहेगा। दरअसल, मस्क के फैसलों ने यूजर्स को खासा परेशान किया। ब्लू टिक पर चार्ज लेना बहस का मुद्दा बन चुका है।

अब बात बॉलीवुड से जुड़े 3 विवादों की।

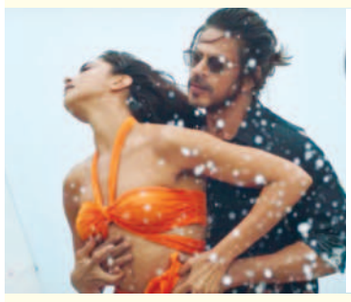

साल 2022 में एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस का नाम ठग सुकेश चंद्रशेखर के साथ जबरन वसूली के मामले में सामने आया। 2023 में भी जैकलीन की मुसीबतें कम होती नहीं दिख रही हैं, क्योंकि कोर्ट में यह मामला अभी भी चल रहा है। इस फ्रॉड केस में जैकलीन को कई बार कोर्ट के चक्कर लगाने पड़े हैं। उनके अलावा नोरा फतेही, जाह्नवी कपूर, सारा अली खान, भूमि पेडनेकर के नाम भी केस से जोड़े गए।

पठान फिल्म के 'बेशरम रंग' गाने में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण का पहनावा विवादों में है। धार्मिक संगठनों का कहना है कि गाने में एक्ट्रेस के पहने हुए कपड़ों का रंग धर्म विशेष से जुड़ा है। गाने से इन दृश्यों को हटाया जाना चाहिए। ऐसे में, दीपिका की 'भगवा बिकनी' के विवाद का असर होना तय माना जा रहा है।

फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री की फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' विवादों में रही। बायकॉट बॉलीवुड की आवाज उठने लगी। जब भी कश्मीर या कश्मीर फाइल्स मूवी की बात हुई, तो इस तरह की फिल्मों को बायकॉट करने पर बहस शुरू हो गई। यह ट्रेंड अभी भी जारी है, जो नए साल में भी देखने को मिल सकता है।

अब बात उस एक विवाद की जो सेना में नौकरी देने से जुड़ा है।

अग्निपथ स्कीम को लेकर साल 2023 में भी विवाद होना लगभग तय है। आंदोलन खत्म होने के बाद भी जब इस स्कीम के तहत भर्तियां निकल रही हैं, तब भी यह चर्चा हो रही है कि 4 साल की नौकरी के बाद युवा क्या करेंगे। 2022 की तरह ही साल 2023 में भी भर्तियां आनी हैं। इसी वजह से विवाद भी बढ़ सकता है।

सोनीपत में गोली लगने से युवक की मौत

पत्नी छोड़ कर चली गई थी; कमरे में मिली पूर्व सीएम चौटाला के साथ फोटो

सोनीपत, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत के गन्नौर के गांव पुरखास में बीती रात को एक व्यक्ति की कनपटी में गोली लगने से संदिग्ध हालत में मौत हो गई। सुबह उसका शव बैड पर पड़ा मिला। उसके हाथ में पिस्तौल थी और शरीर कंबल से ढ़का था। सूचना के बाद गन्नौर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच कर छानबीन शुरू की। फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। फिलहाल शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सोनीपत नागरिक अस्पताल में भेजा गया है। व्यक्ति की हत्या हुई है या ये सुसाइड केस है, इसका खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से होगा।

हिसार में कलयुगी बेटे ने मारी ईंट

पिता को लात-घूसों से पीटता रहा, पड़ोसियों ने छुड़वाया; जमीन बेचने का बना रहा दबाव

हिसार, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में हिसार के गांव काबरेल में जमीनी विवाद को लेकर कलयुगी बेटे ने पिता के सिर में ईंट मारकर घायल कर दिया। जिससे पिता जमीन पर गिर गया। बेटे का गुस्सा शांत नहीं हुआ, वह उसे लात घूसों से पीटता रहा। पिता ने बचाव में शोर मचाया तो वह वहां से धमकी देकर फरार हो गया। घायल पिता की उम्र करीब 70 वर्ष है। घायल पिता अस्पताल में दाखिल है और सिर में टांके आए हैं। पुलिस को दी शिकायत में ओमप्रकाश ने बताया कि वह काबरेल गांव का रहने वाला है। उसके 5 बच्चे हैं। एक लड़की की मौत हो चुकी है, वहीं 2 लड़के और 2 लड़कियां शादीशुदा है। वह गांव में खेत की ढाणी में रहता है, जबकि दोनों बेटे अलग-अलग गांव में ही रहते हैं। उसके पास करीब साढ़े 3 एकड़ खेत की जमीन है। जिसे बेचने के लिए बड़ा बेटा दीपचंद दबाव बना रहा है।

नेपाल में दो बार कांपी धरती, भूकंप के झटकों से सहमे लोग

काठमांडु, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। नेपाल में देर रात एक के बाद एक आए भूकंप के झटकों से लोग सहम गए। बागलुंग जिले में महसूस किए गए भूकंप के झटकों की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4।7 और 5।3 मापी गई। जानकारी के मुताबिक बागलुंग में रात के एक से दो बजे के बीच भूकंप के दो झटके महसूस किए गए। हालांकि इस भूकंप से जानमाल के नुकसान की फिलहाल कोई खबर नहीं है। नेशनल अर्थक्वेक मॉनिटरिंग एंड रिसर्च सेटर नेपाल से मिली रीडिंग के मुताबिक बागलुंग जिले में 1 बजकर 23 मिनट पर 4।7 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। इसके बाद दूसरा भूकंप 2 बजकर 7 मिनट पर आया जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5।3 मापी गई। भूकंप के दो झटकों से लोग सहम गए। देर रात जिस वक्त भूकंप आया उस वक्त लोग अपने घरों में सो रहे थे। भूकंप महसूस होते ही लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल गए। फिलहाल किसी जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। इससे पहले 18 दिसंबर को भी नेपाल में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रात 10 बजकर 53 मिनट पर आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4।5 दर्ज की गई थी। इस भूकंप का केंद्र काठमांडू के पश्चिम में 50 किलोमीटर दूर धाडिंग जिले में था। भूकंप काठमांडू और आसपास के जिलों में भी महसूस किया गया था।

अमेरिका में शरण नहीं ले पाएंगे मैक्सिको बॉर्डर पर फंसे प्रवासी

सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखे पुराने नियम

वॉशिंगटन, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका सरकार की ओर से दो साल पहले मैक्सिको बॉर्डर से प्रवासियों की एंट्री रोकने के आदेश पर अब सुप्रीम कोर्ट ने मुहर लगाते हुए इसे और लंबे समय के लिए बढ़ा दिया है। गौरतलब है कि अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने कोरोनाकाल का हवाला देते हुए मैक्सिको बॉर्डर से प्रवासियों के घुसने पर रोक लगा दी थी। उनके इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती दी गई। लेकिन अब कोर्ट के फैसले के बाद मैक्सिको बॉर्डर पर फंसे लोगों का अमेरिका जाने का इंतजार बढ़ गया है। इससे पहले अमेरिका के 19 राज्यों ने इस मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि अगर ट्रंप के समय में लगाए गए एंट्री बैन को अचानक हटाया जाता है, तो अमेरिका में मैक्सिको के प्रवासियों की संख्या में जबरदस्त इजाफा होगा। हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई के बाद केस को सुप्रीम कोर्ट के पास भेजा गया। यहां फैसला हुआ कि मैक्सिको के उन लोगों को भी अमेरिका में शरण नहीं मिलेगी, जिन्हें पहले शरण की इजाजत मिली होगी या जो इसके लिए क्वालिफाइड होंगे। कोर्ट अब इस मामले में फरवरी में सुनवाई करेगा।

रेवाड़ी में साढ़े 52 लाख का घोटाला:विकास कार्यों के नाम पर पंचायत फंड में लगाया चूना

रेवाड़ी, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के रेवाड़ी जिला स्थित गांव लौधाना पंचायत फंड में साढ़े 52 लाख रुपए का घोटाला सामने आया है। धारूहेड़ा बीडीपीओ ने कसौला थाना पुलिस को शिकायत भेजकर 2 पूर्व सरपंच के अलावा ग्राम सचिव सहित कुछ अन्य लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई है। मिली जानकारी के अनुसार, रेवाड़ी के गांव लौधाना में पिछले कुछ सालों में काफी सारे विकास कार्य हुए। जिन्हें लेकर गांव के ही कुछ लोगों ने पूर्व सरपंच पिंकी देवी व उनके पति सहित अन्य लोगों पर पंचायत फंड के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए उच्च अधिकारियों को शिकायत की गई।

दगाबाज पतिः साथ रहने से मना किया तो फेसबुक पर बना दी अश्लील आईडी फोटो पोस्ट कर लिंक रिश्तेदारों को भेजा

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पत्नी ने साथ रहने से मना किया तो गुस्साए पति ने उसकी अश्लील फेसबुक आईडी बना दी। इसके बाद भी उसका दिल नहीं भरा तो उसने आईडी का लिंक परिवार के अलावा सभी रिश्तेदारों को भी भेज दिया। आरोपी ने अपनी साली को भी मामले में घसीट लिया। आरोपी ने पीड़िता का नाम और उसकी तस्वीरों को फेसबुक पर डाल दिया। पीड़िता को जब इसका पता चला तो उसने मामले की सूचना पूर्वी जिला साइबर थाना पुलिस को दी। छानबीन के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस टेक्निकल सर्विलांस की मदद से आरोपी तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। पीड़िता परिवार के साथ पूर्वी दिल्ली के कल्याणपुरी इलाके में रहती है। इसके परिवार में माता-पिता व अन्य सदस्य हैं। इसी साल जुलाई 2022 में पीड़िता की शादी यूपी के शाहजहांपुर निवासी युवक से हुई थी। शादी के कुछ दिनों बाद ही पति-पत्नी के बीच अनबन हो गई। पीड़िता नाराज होकर वापस दिल्ली अपने घर आ गई। उसने पति के साथ रहने से मना कर दिया। इस बात पर आरोपी ने परिवार को देख लेने की धमकी दी। आरोप है कि कुछ दिनों पूर्व महिला के परिजनों के मोबाइल पर एक फेसबुक आईडी का लिंक आया। परिजनों ने जब उसको खोलकर देखा तो उसमें बेटी की अश्लील तस्वीरों के अलावा उसके नाम का भी इस्तेमाल किया गया था।

'महिलाओं पर लगे प्रतिबंधों को तुरंत हटाया जाए'

तालिबान को यूएनएससी की खरी-खरी, गुटेरेस बोले- ये मानवाधिकारों का उल्लंघन

तेहरान, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों को निशाना बनाने वाली तालिबान सरकार की नीतियों की निंदा की है। तालिबान ने पिछले सप्ताह महिलाओं के विश्वविद्यालय में भाग लेने और गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के लिए काम करने पर प्रतिबंध लगा दिया था। 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद ने कहा कि वह महिलाओं की शिक्षा पर बढ़ते प्रतिबंधों से बेहद चिंतित है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि नवीनतम प्रतिबंध निरस्त किए जाने चाहिए।

परिषद के एक बयान में अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों के पूर्ण, समान और सार्थक भागीदारी का आह्वान किया गया है इसने तालिबान से स्कूलों को फिर से खोलने और इन नीतियों और प्रथाओं को तेजी से उलटने का आग्रह किया है। महासचिव गुटेरेस ने कहा कि नवीनतम प्रतिबंध अनुचित मानव अधिकारों के उल्लंघन थे। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, महिलाओं और लड़कियों को बाहर करने और चुप कराने की कार्रवाई से अफगान लोगों को भारी पीड़ा और बड़े झटके का सामना करना पड़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, महिलाओं के लिए काम करने पर प्रतिबंध लगाने के बाद कम से कम पांच शीर्ष गैर सरकारी संगठनों ने अफगानिस्तान में काम रोक दिया है। केयर इंटरनेशनल, नॉर्वेजियन रिफ्यूजी काउंसिल (एनआरसी) और सेव द चिल्ड्रन ने कहा कि वे हमारी महिला कर्मचारियों के बिना अपना काम जारी नहीं रख सकते। इंटरनेशनल रेस्क्यू कमेटी ने भी सेवाओं को निलंबित कर दिया जबकि इस्लामिक रिलीफ ने कहा कि वह अपना अधिकांश काम रोक रहा है। बता दें कि तालिबान ने पिछले हफ्ते महिला शिक्षा पर प्रतिबंध को लेकर अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक विरोध प्रदर्शन में भाग ले रही पांच महिलाओं को गिरफ्तार किया था। वहीं, तीन पत्रकारों को भी गिरफ्तार किया गया। महिलाओं को अन्य सार्वजनिक स्थानों के अलावा पार्कों और जिम में प्रवेश करने से भी रोका गया है।

लाशों के ढेर के बीच भी झूठ बोल रहा चीन, कहा दुनिया के मुकाबले सबसे कम कोरोना मामले हमारे यहां

बिजिंग, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। यह बात जगजाहिर है कि चीन में कोरोना से हाहाकार मचा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि चीन में रोजाना लाखों कोरोना संक्रमित केस आ रहे हैं और हजारों लोगों की मौत हो रही है। चीन से कई ऐसे वीडियो सामने आए हैं, जिन्हें देख कोई भी डर जाए। हालांकि, चीनी सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया में छप रही खबरों को अब पूरी तरह से नकार दिया है। एक बार फिर 'ड्रैगन' ने कोरोना केसों में हुई वृद्धि को मानने से मना कर दिया है। दरअसल, चीनी मीडिया में एक खबर छपी है, जिससे पता चलता है कि चीन ने अपने नागरिकों से यह कहा है कि चीन में कोरोना संक्रमित केसों की संख्या दुनिया में सबसे कम है और मौतों की संख्या भी काफी कम है। चीन के अखबार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य और चिकित्सा आयोग के बयान को छापा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य और चिकित्सा आयोग ने कहा है, महामारी और चीन में मौतों की संख्या दुनिया में सबसे निचले स्तर पर बनी हुई है। जब तक रिपोर्ट नहीं आएगी, तब तक किसी को संक्रमित नहीं माना जाएगा। यह दुनिया में सबसे कम है और हम फिर से जीत गए हैं। गौरतलब है कि चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने रविवार से कोरोना केस अपडेट देना भी बंद कर दिया है।

आयोग ने एक बयान में कहा, प्रासंगिक कोविड की जानकारी संदर्भ और अनुसंधान के लिए चीनी सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन प्रकाशित करेगा। संक्रमण के रिकॉर्ड उछाल के बावजूद एनएचसी ने डेटा रिलीज को रोकने से पहले लगातार चार दिनों तक देश भर में कोई कोविड मौत नहीं होने की सूचना दी थी। वहीं, ब्रिटेन स्थित स्वास्थ्य डेटा फर्म एयरफिनिटी ने पिछले हफ्ते अनुमान लगाया था कि चीन एक दिन में एक लाख से अधिक संक्रमण और 5,000 से अधिक मौतों का सामना कर रहा है।

दमोह में सूअरों में फैला अफ्रीकन स्वाइन फीवर, बीमार पशुओं को मारकर दफनाने का काम शुरू

दमोह, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। दमोह जिले के हटा और बनवार में सूअरों की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत होने के बाद वेटरनरी विभाग ने चार सैंपल जांच के लिए भेजे थे, जिनमें हटा से लिए गए सैंपलों में अफ्रीकन स्वाइन फीवर की पुष्टि हुई है, जिसके बाद हटा के सूअर पालकों में हड़कंप मच गया है। हटा में नवोदय वॉर्ड ककराई के एक किमी के एरिया को संवेदनशील मानते हुए विभाग के निर्देश पर 14 सूअरों को मारकर जमीन में दफनाया गया। पशु चिकित्सा विभाग की टीम हटा में लगातार जांच कर रही है। वहीं, बनवार में मृत सूअरों के सैंपल मंगलवार को लिए गए हैं।

किम जोंग उन ने 2023 के लिए मिलिट्री लक्ष्यों की घोषणा की, उत्तर कोरिया इस साल भी चैन से जीने नहीं देगा!

शियोल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने देश की सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की बैठक में साल 2023 के लिए सेना के नये लक्ष्यों का निर्धारण कर दिया है। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उत्तर कोरियाई नेता ने एक और साल में लगातार हथियारों के परीक्षण और तनावपूर्ण साल की तरफ इशारा किया है। पिछले साल भी नये साल के मौके पर किम जोंग उन ने उत्तर कोरिया के लिए मिलिट्री लक्ष्यों को निर्धारित किया था, जिसमें उन्होंने साल भर मिसाइलों के परीक्षण की बात कही थी और उत्तर कोरिया ने बिल्कुल वैसा ही किया। इस बार भी उत्तर कोरिया ने ऐसा ही संकल्प लिया है। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है, कि पार्टी की 8वीं केंद्रीय समिति की छठी विस्तृत पूर्ण बैठक के दूसरे दिन किम जोंग उन ने कोरियाई प्रायद्वीप और व्यापक राजनीतिक परिदृश्य पर नव निर्मित चुनौतीपूर्ण स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान किम जोंग उन ने देश के दुश्मन-विरोधी संघर्ष की दिशा तय की और रक्षा शक्ति को मजबूत करने के नये लक्ष्य तय किए। आधिकारिक केसीएनए समाचार एजेंसी ने कहा कि, उन्होंने विदेशी मामलों के सिद्धांतों और दुश्मन के खिलाफ संघर्ष की दिशा को स्पष्ट किया है, जिसका हमारी पार्टी और सरकार को संप्रभु अधिकारों की रक्षा और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह से पालन करना चाहिए। अखबार ने लिखा है कि, 2023 में मजबूती से आगे बढ़ने के लिए आत्मरक्षा की क्षमताओं को मजबूत करने के लिए नए मुख्य लक्ष्यों को राजनीतिक स्थिति को देखते हुए उसकी तैयारी में प्रस्तुत किया गया है। केसीएनए ने उन लक्ष्यों पर ब्योरा नहीं दिया, लेकिन किम की टिप्पणी से यह संकेत मिल सकता है, कि पूरी दुनिया में अलग-थलग पड़ चुका उत्तर कोरिया इस साल भी लगातार सैन्य निर्माण करता रहेगा। उत्तर कोरिया ने इस साल अभूतपूर्व संख्या में मिसाइलें दागी हैं, और कई लॉन्च 2021 की शुरुआत में वर्कर्स पार्टी कांग्रेस में निर्धारित पांच साल की योजना के तहत सर्वोच्च प्राथमिकता के तहत रणनीतिक हथियार विकसित करने के लिए डिजाइन किए गए थे।

कीड़ा-जड़ी के लिए अरुणाचल में घुसपैठ करते हैं चीनी सैनिक

सेक्स पावर बढ़ाने वाली सोने से भी महंगी जड़ी, इसे चुराना चीन की मजबूरी

एक्सक्लूसिव डेस्क, 28 दिसंबर। अरुणाचल प्रदेश में चीनी सैनिकों की हालिया घुसपैठों की वजह एक जड़ी है। इंडियन थिंक टैंक आईपीसीएससी ने हाल ही में जारी रिपोर्ट में यह दावा किया है। चीनी सैनिक कॉर्डिसेप्स चुराने की फिराक में भारतीय क्षेत्र में दाखिल हो जाते हैं। कॉर्डिसेप्स को हिंदी में कीड़ा जड़ी और आम भाषा में हिमालयन वियाग्रा भी कहते हैं।

कॉर्डियोसेप्स फंगस या कीड़ा जड़ी क्या होता है?

कीड़ा जड़ी मिलता कहां पर है?

कीड़ा जड़ी मुख्य रूप से भारतीय हिमालय और दक्षिण-पश्चिम चीन में किंघई-तिब्बती पठार में काफी ऊंचाई पर पाया जाता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक यह सिक्किम में 4500 मीटर से अधिक ऊंचाई पर भी पाया जाता है। इतनी ऊंचाई पर ट्रीलाइन खत्म हो जाती है यानी जहां के बाद पेड़ उगने बंद हो जाते हैं।

मई से जुलाई में जब बर्फ पिघलती है तो इसके उगने या पनपने का चक्र शुरू जाता है। यह भारत, नेपाल और भूटान के अन्य भागों में भी पाया जाता है। इसे नेपाल और तिब्बत में यारशागुंबा कहते हैं। यह एक पोएटिक नाम है, जिसका अर्थ उत्तराखंड में गर्मियों की घास, सर्दियों का कीड़ा और कीड़ा जड़ी है।

कीड़ा जड़ी की कीमत कितनी है?

चीन, भारत, भूटान और नेपाल के कई इलाकों में कीड़ा जड़ी की काफी ज्यादा डिमांड है। द वीक के मुताबिक, इंटरनेशनल मार्केट में 1 किलोग्राम कीड़ा जड़ी की कीमत 65 लाख रुपए तक है। यानी यह सोने से भी महंगा है। 2009 तक इसकी कीमत 10 लाख रुपए के करीब थी। 2022 में कीड़ा जड़ी की मार्केट वैल्यू करीब 1,072.50 मिलियन डॉलर, यानी 107 करोड़ रुपए आंकी गई है।

कीड़ा जड़ी का इस्तेमाल क्या है?

चीन और भारतीय हिमालय वाले इलाकों में पारंपरिक चिकित्सक किडनी और नपुंसकता जैसी बीमारियों में इसका इस्तेमाल करते हैं। द वीक के मुताबिक, कीड़ा जड़ी के फायदे के बारे में सबसे पहले 15वीं शताब्दी के तिब्बती औषधीय ग्रंथ 'एन ओशन ऑफ एफ्रोडिसियाकल क्वालिटीज' में किया गया है।

सिक्किम में पारंपरिक चिकित्सक और स्थानीय लोग 21 अलग-अलग बीमारियों में कीड़ा जड़ी का उपयोग करने के लिए कहते हैं। हेल्थ वेबसाइट वेरी वेल हेल्थ कीड़ा जड़ी को सप्लीमेंट के रूप में लेने के कई फायदे बताए हैं।

हालांकि, हेल्थ एक्सपर्ट इसके फायदे के बारे में बहुत कुछ नहीं कहते हैं। लेकिन वैज्ञानिकों को कॉर्डिसेप्स में पाए जाने वाले बायोएक्टिव मॉलिक्यूल कॉर्डिसेपिन से बहुत उम्मीद है। वैज्ञानिक कहते हैं कि इसमें बड़ी चिकित्सीय क्षमता है और यह एक दिन एक प्रभावी नए

एंटीवायरल और एंटी-कैंसर उपचार में बदल सकता है।

चीन में प्राकृतिक स्टेरॉयड की तरह एथलीट इसका इस्तेमाल करते हैं

हेल्थ वेबसाइट हेल्थलाइन के मुताबिक, चीन में पारंपरिक चिकित्सा में सदियों से थकान, बीमारी, किडनी इंफेक्शन और सेक्स पावर को बढ़ाने के लिए कीट और फंगस के अवशेषों के प्रयोग की सिफारिश की गई है।

चीन में कीड़ा जड़ी का इस्तेमाल प्राकृतिक स्टेरॉयड की तरह किया जाता है। फौरी तौर पर शरीर की एनर्जी बढ़ाने की क्षमता की वजह से चीन में ये जड़ी खिलाड़ियों खासकर एथलीटों को दी जाती है। ये करामाती जड़ी 2009 में स्टुअटगार्ड वर्ल्ड चैंपियनशिप के दौरान भी सुर्खियों में आई थी। चैंपियनशिप में 1500 मीटर, 3000 मीटर और 10 हजार मीटर वर्ग में चीन की महिला एथलीटों के रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया था।

इसके बाद उनकी ट्रेनर मा जुनरेन ने मीडिया में बयान दिया था कि उन्हें यारशागुंबा यानी कीड़ा जड़ी को नियमित रूप से खिलाया गया था। इसी वजह से महिला एथलीटों ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया।

हेल्थलाइन के मुताबिक, इस फंगस में प्रोटीन, पेपटाइड्स, अमीनो एसिड, विटामिन बी-1, बी-2 और बी-12 जैसे पोषक तत्व बहुतायत में पाए जाते हैं। ये फौरन ताकत देते हैं और खिलाड़ियों का जो डोपिंग टेस्ट किया जाता है उसमें ये पकड़ा नहीं जाता।

कीड़ा जड़ी के लिए चीन को घुसपैठ क्यों करनी पड़ी?

चीन कीड़ा जड़ी का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है। इंडो पैसिफिक सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक कम्युनिकेशन्स के मुताबिक, पिछले दो सालों में चीन के सबसे बड़े उत्पादक क्षेत्र किंघाई में फंगस की कमी से कीड़ा जड़ी की फसल में काफी कमी देखी गई है। हालांकि, इसी दौरान बेशकीमती कॉर्डिसेप्स की मांग पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ी है।

एक्सपर्ट का कहना है कि ज्यादा डिमांड और लिमिटेड रिसोर्स की वजह से कीड़ा जड़ी की अधिक कटाई हुई है। इसकी वजह से चीन में 2018 से ही इसके उत्पादन में कमी देखने को मिली।

इस दौरान 41,200 किलोग्राम कीड़ा जड़ी का उत्पादन हुआ जो 2017 के मुकाबले 5.2% कम है। 2017 में कीड़ा जड़ी का 43,500 किलोग्राम उत्पादन हुआ था। आईपीसीएससी के मुताबिक, 2010 और 2011 में चीन की प्रोविंशियल मीडिया इसका उत्पादन 1.5 लाख किलोग्राम बताया गया था।

किंघाई में चीनी कॉर्डिसेप्स कंपनियां हाल के सालों में स्थानीय लोगों को लाखों युआन का भुगतान कर रही हैं, ताकि कीड़ा जड़ी की कटाई के लिए पूरे पहाड़ों को बंद कर दिया जा सके। सर्वे से पता चलता है कि कीड़ा जड़ी की सालाना होने वाली फसल में गिरावट आई है। ज्यादा कटाई को इसके लिए जिम्मेदार माना जा रहा है।

आईपीसीएससी के मुताबिक हिमालय रीजन के कुछ क्षेत्रों में लोगों की जीविका का साधन ही कीड़ा जड़ी है। ये लोग पहले इसे इकट्ठा करते हैं और फिर बेचते हैं। हिमालय और तिब्बती पठार में घरेलू आय का 80% सोर्स कीड़ा जड़ी है।

जंगल में कीड़ा जड़ी काफी दुर्लभ हैं। वहीं अब तक लेबोरेट्री में हेल्दी कीड़ा जड़ी उगाना सफल नहीं रहा है, इससे रिसर्च में काफी बाधा आ रही है। हालांकि, चुंगबुक नेशनल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर मी क्योंग ली और डॉ. अयमन तुर्क समेत उनकी टीम ने ऐसी जगह पर इसे उगाया है, जहां पर वातावरण को कंट्रोल नहीं किया गया। इससे कीड़ा जड़ी की रिसर्च को लेकर एक उम्मीद जगी है। इस रिसर्च के निष्कर्ष को फ्रंटलाइन इन माइक्रोबायोलॉजी में प्रकाशित किया गया था।

मौर्या की स्थिति बंधुआ मज़दूर जैसी!

यूपी निकाय चुनाव पर फैसले के बाद रामगोपाल यादव का तंज, केशव ने दिया जवाब

लखनऊ, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव को लेकर कोर्ट के फैसले के बाद प्रदेश में ओबीसी आरक्षण को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। इसको लेकर एक ओर जहां सपा, कांग्रेस व बसपा ने भारतीय जनता पार्टी पर करारा हमला बोला है। वहीं योगी सरकार ने जरूरत पड़ने पर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने का फैसला ले लिया है। इसी बीच समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रो. राम गोपाल यादव ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पर तीखा कटाक्ष कर दिया है। वहीं केशव ने भी सपा नेता पर पलटवार कर दिया है।

दरअसल इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच का फैसला आने के बाद सपा नेता ने ट्वीट कर निकाय चुनावों में ओबीसी का आरक्षण खतम करने के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने यूपी सरकार पर हमला बोलते हुए लिखा उत्तर प्रदेश सरकार की साजिश, तथ्य न्यायालय के समक्ष जानबूझकर प्रस्तुत नहीं किये गए। इससे प्रदेश की साठ फीसदी आबादी को आरक्षण से वंचित किया। इसके साथ ही उन्होंने सरकार के ओबीसी मंत्रियों पर भी कटाक्ष किया करते हुए लिखा कि ओबीसी मंत्रियों के मुंह पर ताले। वहीं केशव प्रसाद मौर्य को स्थिति पर तंज कसते हुए लिखा कि मौर्या की स्थिति बंधुआ मजदूर जैसी।

वहीं सपा नेता के इस बयान पर पलटवार करते हुए उपमुख्यमंत्री

केशव प्रसाद मौर्य ने राम गोपाल यादव पर पलटवार कर दिया है उन्होंने कहा जब वो अपने भतीजे की अगुवाई में जब सरकार चला रहे थे तब कितना आरक्षण देकर चुनाव कराए हैं। केशव ने कहा जब उनकी सरकार थी तब भर्तियों में भ्रष्टाचार करके एक वर्ग विशेष, जाति विशेष को किस प्रकार समर्थन कर रहे थे वो पिछड़ा विरोधी लोग है उनको इसपर बोलने का नैतिक अधिकार नहीं है।

केशव यही नहीं रुके, उन्होंने बैक टू बैक दो ट्वीट भी कर दिए। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा कि सपा व सैफई परिवार को पिछड़े वर्ग का एक उपमुख्यमंत्री बर्दाश्त नहीं हो रहा है। अखिलेश यादव सहित सैफई परिवार और इनकी पार्टी के नेता मेरे प्रति जितना अपमानजनक व अभद्र शब्दों का प्रयोग करते हैं वह सर्वविदित है। निकाय चुनाव में पिछड़ों को आरक्षण मिलना व सपा का सफ़ाया होना तय है।

उपमुख्यमंत्री ने अपने दूसरे ट्वीट में भी समाजवादी पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने लिखा 'सपा का चरित्र पिछड़े वर्ग के साथ धोखा करने का है भला का नहीं, अन्य पिछड़े वर्ग के आरक्षण के बिना नगरीय निकाय चुनाव नहीं होगा। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है, सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के फ़ैसले के विरूद्ध सरकार अपील करेगी। इसके साथ ही सपा को डूबता हुआ जहाज बताते हुए केशव ने कहा सपा समाप्त वादी पार्टी बनेगी।

वहीं अपने तीखे ट्वीट को लेकर चर्चा में बने समाजवादी पार्टी के सपा मीडिया सेल ने भी केशव प्रसाद मौर्य को आड़े हाथों ले लिया है। सपा मीडिया सेल ने लिखा- सुनो केशव, 2017 में तुम्हें सीएम फेस बनाकर भाजपा ने योगीजी को सीएम बना दिया। इसे देसी भाषा में समझा जाए तो, दिखाकर आईफोन के डिब्बे में चाइना फोन बेच दिया। जब तुम उस वक्त अपना हक नहीं ले पाए तो तुम ओबीसी समाज को क्या हक दिलाओगे? नेता अपने लिए नहीं समाज के लिए बना जाता है। सपा मीडिया सेल ने लिखा जिनके अपने घर शीशे के हों वो दूसरों पर पत्थर नहीं फेंका करते केशव प्रसाद मौर्य, तुम्हें सिराथू से वहां की जनता ने दुत्कार कर भगाया है। मैनपुरी में तुम्हारे बड़बोलेपन, बदजुबानी, भाजपा में पिछड़ों के साथ होते अन्याय पर चुप्पी के कारण मौर्य, कुशवाहा, शाक्य समाज ने भी सपा का साथ दिया। सपा मीडिया सेल यही नहीं रुका, अगले ट्वीट सपा मीडिया सेल ने लिखा- तुमने ओबीसी समाज के साथ धोखा किया है, ओबीसी की पीठ पर खंजर घोंपा है, अपने स्टूल के लिए तुमने समाज का सौदा किया है, नौकरी में आरक्षण लूटा गया तुम चुप थे, पोस्टिंग में ओबीसी के साथ भेदभाव जातिवादी अन्याय हो रहा तुम चुप हो और अब उनका राजनीतिक हक बीजेपी ने लूट लिया तुम चुप हो, लानत है तुम पर सपा मीडिया ने लिखा कि तुम्हारे जैसे ही गुलाम लोगों ने भाजपा के हाथों अपने समाज का वोट बेच दिया, तुम सब भाजपा के मंत्रिमंडल में सिर्फ एक दिखावटी साजो सामान की भांति हो, तुम चंद पैसों की दलाली, तीन टांग के स्टूल के लिए अपना जमीर अपना समाज अपना स्वाभिमान सब बेचकर भाजपा में लिबिर लिबिर करके बने हुए हो!

इंश्योरेंस क्लेम को लेकर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला- प्रत्यक्षदर्शी का बयान लेने में देरी का मतलब यह नहीं की पीड़ित की बात झूठ

रायपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। इंश्योरेंस क्लेम को लेकर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि प्रत्यक्षदर्शी का बयान लेने में देरी का मतलब यह नहीं कि पीड़ित की बात झूठ है। न्यायमूर्ति सैम कोशी ने मोटर वाहन अधिनियम की धारा 173 के तहत बीमा कंपनी द्वारा दायर अपील पर सुनवाई करते हुए यह बात कही। कोर्ट ने कहा, 'केवल इसलिए कि चश्मदीद का बयान देर से दर्ज किया गया था या चश्मदीद ने पुलिस अधिकारियों के सामने बयान दर्ज किए जाने तक किसी अन्य व्यक्ति को इस तथ्य का खुलासा नहीं किया था। यह अविश्वास का आधार नहीं हो सकता है। बता दें, मामला 2022 का है। जब छत्तीसगढ़ पुलिस के एक सिपाही की सड़क दुर्घटना के बाद मौत हो गई थी।

'आरक्षण विधेयक अटकाकर जनता से बदला ले रही बीजेपी'

पीसीसी चीफ मरकाम बोले- 14 सीटों पर सिमटी और 5 उपचुनाव हारी इसलिए रुकवा रही बिल

रायपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। रायपुर के प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में बुधवार को पार्टी का स्थापना दिवस मनाया गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने इस दौरान पार्टी के हित में काम करने का संकल्प नेताओं को दिलाया। मीडिया से चर्चा में मरकाम ने भाजपा को घेरा। आरक्षण के मसले पर भी बात की। ये भी बताया कि आने वाले 3 जनवरी को कांग्रेस रायपुर में होने वाली महारैली में कितना जोर लगाने जा रही है।

मोहन मरकाम ने राज्यपाल की ओर से आरक्षण संशोधन विधेयक पर हस्ताक्षर न करने पर कहा- अपने आपको आदिवासी हितैषी कहने वालों का असली चेहरा प्रदेश के सामने उजागर हुआ है। वो कल तक आरक्षण की बात कहते थे, सरकार को चिट्ठी लिखते थे कि विधेयक लाइए हम फौरन हस्ताक्षर करेंगे, आज उसी समाज के लोग मिलने जाते हैं तो मिलते नहीं इससे बड़े दुर्भाग्य कि बात क्या होगी।

मोहन मरकाम ने भाजपा पर आरक्षण विधेयक अटकाने का आरोप लगाया। ये भी बताया कि 3 जनवरी को कांग्रेस क्या करने जा रही है, उन्होंने कहा- 3 जनवरी को हम प्रदेश की जनता को उसका हक और अधिकार दिलाने के लिए जन अधिकार रैली निकालने जा रहे हैं। इस दौरान पूरे

प्रदेश से 1 लाख से अधिक लोग आएंगे। भाजपा के लोग संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्ति पर दबाव डालकर लोगों को अधिकार मिलने से रोक रही है। जनता ने भाजपा को 14 सीटों में समेट दिया, 5 उपचुनाव हारे। इसलिए जनता से बदला लेने के लिए संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति का दुरुपयोग कर आरक्षण विधेयक भाजपा रोक रही है।

ईडी और सीबीआई का उपयोग कांग्रेस के खिलाफ

कांग्रेस के स्थापना दिवस कार्यक्रम में मोहन मरकाम ने कार्यकर्ताओं से कहा कि जहां-जहां हमारी सरकार है। केंद्र में बैठी भाजपा संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। ईडी और सीबीआई विपक्ष को कमजोर करने कांग्रेस के खिलाफ इस्तेमाल किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में भाजपा कमजोर है, इसलिए कांग्रेस सरकार को बदनाम करने के लिए संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही हैं। हमनें संकल्प लिया है कि ऐसी ताकतों से हमें लड़ना है ।

देश को आजाद कराने में कांग्रेस का योगदान

मोहन मरकाम ने कांग्रेस के स्थापना दिवस को लेकर कहा कि आजादी से पहले कांग्रेस की स्थापना हुई। कहा जाता था कि ब्रिटिश राज्य का सूरज कभी अस्त नहीं होगा। मगर कांग्रेस पार्टी ये करने में सफल रही।आजादी के आंदोलन में अहम योगदान रहा। आजादी के बाद देश के नव निर्माण देश की प्रगति में कांग्रेस का योगदान है।

अंग्रेज ने बनाई थी कांग्रेस

कांग्रेस का गठन आजादी से 62 साल पहले 28 दिसंबर 1885 को किया गया था। मुंबई में कांग्रेस का पहला अधिवेशन हुआ। पार्टी की अध्यक्षता करने का पहला मौका कलकत्ता हाईकोर्ट के बैरिस्टर व्योमेश चन्द्र बनर्जी को मिला। यह बात और है कि इस पार्टी की नींव किसी भारतीय ने न रखकर एक रिटायर्ड अंग्रेज ऑफिसर ने रखी थी। कांग्रेस पार्टी के जन्मदाता रिटायर्ड अंग्रेज अफसर एओ ह्यूम (एलन आक्टेवियन ह्यूम) थे।

16 साल की लड़की को भगाकर ले गया ब्वॉयफ्रेंड

फिर दोस्त संग मिलकर किया सामूहिक दुष्कर्म

अंबिकापुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में 16 साल की लड़की को उसका ब्वॉयफ्रेंड भगाकर ले गया। इसके बाद अपने एक दोस्त के साथ मिलकर लड़की से सामूहिक दुष्कर्म किया। पुलिस ने इस मामले में लोकेशन ट्रेस कर छह दिन बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके कब्जे से लड़की भी बरामद हुई है। पुलिस ने दोनों को मंगलवार शाम कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। मामला सीतापुर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, सीतापुर निवासी 16 साल की एक लड़की का जामडीह निवासी रोहित मिंज से दोस्ती थी। बातचीत के दौरान दोनों के बीच प्रेम हो गया। बताया जा रहा है कि 22 दिसंबर को रोहित ने लड़की को मिलने के लिए बुलाया। इस दौरान रोहित अपने एक अन्य दोस्त बिमलेश खेस को लेकर पहुंचा था। लड़की को लेकर दोनों बाइक से भाग निकले। इसके बाद से लड़की का कुछ पता नहीं था। इसके बाद परिजनों ने लड़की की गुमशुदगी दर्ज करा दी। थाना प्रभारी शिशिरकांत सिंह ने बताया कि टीम ने आरोपियों के मोबाइल लोकेशन के आधार पर उनको ट्रेस किया और मंगलवार को जा पहुंची। आरोपियों के कब्जे से लड़की को बरामद कर लिया गया है। उसका मेडिकल कराया गया है। पूछताछ के दौरान लड़की ने सामूहिक दुष्कर्म की जानकारी दी है। वहीं आरोपियों ने भी स्वीकार कर लिया है।

जमीन का लालच में कुल्हाड़ी से काटकर नाना की हत्या

विवाद में दो युवकों ने पहले झगड़ा किया, फिर कमरे में घुसकर कर दिया हमला

रायगढ़, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में 2 युवकों ने मिलकर अपने ही नाना की हत्या कर दी। पूरा मामला मकान विवाद से जुड़ा है। जिसके बाद पहले दोनों ने मिलकर झगड़ा किया। फिर कमरे में घुसकर कुल्हाड़ी मारकर बुजुर्ग की हत्या कर दी है। मामला खरसिया थाना क्षेत्र का है। सोंडका निवासी गेंदलाल डनसेना(65) पिछले 20 सालों से अपने परिवार के साथ खरसिया में रहता था। वहीं उसकी पुश्तैनी जमीन की देखरेख उसका छोटा भाई राधे लाल डनसेना करता था। राधेलाल गांव में ही अपने परिवार के साथ रहता है। इस बीच कुछ साल पहले गेंदलाल की बहन ननकी बाई अपने पति को छोड़कर मायके आ गई थी।

बताया गया जिस वक्त वह मायके आई, उसके साथ उसके 2 नाती ओमप्रकाश डनसेना (24) और कार्तिक डनेसना (19) भी आए थे। ये देखकर गेंदलाल ने उन्हें गांव के ही घर में एक कमरा रहने के लिए दे दिया था। इसके बाद से ननकी बाई अपने दोनों नाती के साथ यहां रहती थी। उसकी बेटी किसी दूसरे इलाके में रहती है। ओमप्रकाश और कार्तिक खेती-किसानी का काम करते थे।

जानकारी के मुताबिक, कुछ समय पहले ननकी बाई का प्रधानमंत्री आवास योजना का पैसा आया था। उसी पैसे से उसके नाती सोंडका में ही घर बनवा रहे थे। उधर, इस बात की जानकारी जब गेंदलाल को लगी तो वह कुछ दिन पहले गांव आया और उसने इस पर आपत्ति जताई। कहा कि मैंने ये कमरा अपनी बहन को रहने के लिए दिया था। यहां मकान आगे मत बढ़ाओ। इसके अलावा उसने अपनी बहन के नातियों को ये भी कहा कि तुम लोग अपना देख लो। गेंदलाल के आपत्ति के बाद से उसके दोनों नाती नाराज थे। उनका कहना था कि हम लोगों ने यहां पैसा खर्चा किया है, अब हमें घर बनाने से रोका जा रहा है। इतने दिन से थे तो कोई आपत्ति नहीं थी। इसके बाद दोनों आरोपी रविवार को गेंदलाल के छोटेभाई राधेलाल के घर गए। वहां उन्होंने राधेलाल की पत्नी जगदम्बा के साथ मारपीट की। घर में भी तोड़फोड़ की थी। इस घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गए थे। वहीं जगदम्बा ने पूरे मामले को लेकर खरसिया थाना में भी रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। लेकिन आरोपियों को रविवार को कुछ पता नहीं चल सका था। इसके बाद गेंदलाल ने सोमवार को एक पारिवारिक बैठक बुलाई थी। जिसमें उसने अपने नातियों को भी बुलाया था। बस इसी बैठक में शामिल होने सोमवार की दोपहर दोनों नाती गांव वापस आ गए थे। दोपहर के वक्त यह बैठक चल रही थी। तभी फिर से इस बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। जिसके बाद ओमप्रकाश और कार्तिक ने लाठी और कुल्हाड़ी उठाया और अपने नाना को दौड़ाने लगे।

इधर, परिजनों ने दोनों को रोकना का प्रयास किया। मगर दोनों नहीं रुके उन्होंने गेंदलाल का पीछा किया। गेंदलाल जब कमरे में जाकर छिपा तो आरोपी भी किसी तरह से अंदर जाकर घुस गए। इसके बाद दोनों ने कुल्हाड़ी मारकर अपने नाना की हत्या कर दी। बाकी के लोगों को भी जान से मारने की धमकी दी। इस घटना के बाद तुरंत ही गेंदलाल के बेटे ने पुलिस को जानकारी दी। खबर लगते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और तुरंत ही कार्तिक को हिरासत में ले लिया था।

झारखंड कोविड-19 के लिए तैयार

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा-घबराने की जरूरत नहीं

रांची/जमशेदपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार कोविड-19 के किसी भी मामले से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कोविड टीकों की बूस्टर खुराक लेने का आग्रह किया। रांची सदर अस्पताल में मॉक ड्रिल कार्यक्रम के दौरान कहा कि सीमित संसाधनों के साथ कोविड-19 महामारी की सभी लहरों के दौरान चुनौतियों का सामना किया था। कोरोना वायरस संकट के दौरान सरकार के प्रयासों की सराहना की गई। सरकार सभी स्वास्थ्य संकट से निपटने के लिए तैयार हैं।

जमशेदपुर में मंत्री के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, उन्होंने कोरोनो वायरस मामलों में किसी भी तेजी से निपटने के लिए रांची जिला अस्पताल में तैयारियों की समीक्षा की। अस्पताल में तैयारियों की समीक्षा के दौरान राज्य के स्वास्थ्य सचिव अरुण कुमार सिंह भी मौजूद रहे। मंत्री ने प्रेशर स्विंग सोखना (पीएसए) ऑक्सीजन पैदा करने वाले संयंत्रों का भी निरीक्षण किया और लाइव-सेविंग गैस, जनशक्ति, बिस्तर और आवश्यक दवाओं के स्टॉक के सिलेंडरों की उपलब्धता की समीक्षा की।

गायों की तस्करी

गोड्डा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के गोड्डा में गायों की तस्करी का वीडियो सामने आया है। यह वीडियो बीजेपी सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। उन्होंने कहा कि मोइउद्दीन और अली अंसारी 10 हजार गायें तस्करी करके बांग्लादेश ले जा रहे थे। पुलिस ने इन्हें गिरफ्तार किया है। इधर, पुलिस ने कहा कि गायों की गिनती की जा रही है। यह संख्या 100 से 150 के बीच लग रही है, पर 10 हजार गायें नहीं होंगी।

गोड्डा से सांसद डॉ.निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया पर कहा कि वे बुधवार सुबह 5 बजे गोड्डा लोकसभा के सरैयाहाट में 10 हजार से ज्यादा गौ माता को बचाने का काम हमने किया है। उन्होंने आगे लिखा-इन सभी गायों को बांग्लादेशी तस्कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में तरक्की की जगह तस्करी करा रहे हैं। इस संबंध में सरैयाहाट थानेदार विनय कुमार ने कहा कि गायों की संख्या 100 से 150 के बीच है। अभी गिनती जारी है, लेकिन 10 हजार गायें नहीं हैं। तस्करों ने गायों को अब तक बांग्लादेश में बेचने की बात नहीं कबूल की है। उनसे सख्ती से पूछताछ की जाएगी। तस्कर इन गायों को कैसे बांग्लादेश ले जाते इसे लेकर भी पूछताछ जारी है।

कैसे पकड़े गए तस्कर, क्या कहते हैं सांसद

सांसद से जब इस मामले में फोन पर बातचीत हुई तो उन्होंने बताया कि मैं भागलपुर वोट डलाने जा रहा था। सरैयाहाट के थाना प्रभारी गाड़ी स्कॉट कर रहे थे तभी ये लोग सड़क पर मिल गए। दो लोगों की मेरे सामने गिरफ्तारी हुई है। गौ तस्करी के मुद्दे को बीजेपी नेता लगातार उठा रहे हैं।

केंद्र से पहले बजट नहीं लाएगी गहलोत सरकार!

जनवरी के अंतिम सप्ताह में बुलाया जा सकता है विधानसभा का सत्र

जयपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के बजट को लेकर अब तक कयास लगाए जा रहे थे कि इस बार का बजट जल्दी आ जाएगा, लेकिन सरकार की तैयारियों को देखते हुए लग रहा है कि बजट फरवरी में ही आएगा। सरकार जनवरी के अंतिम सप्ताह या फरवरी के पहले सप्ताह में विधानसभा का सत्र बुलाने की तैयारी में है।

सरकार चाहती है कि पहले केंद्र सरकार का बजट आ जाए, इसके बाद ही राज्य का बजट पेश हो। एक्सपर्ट्स का भी मानना है कि यदि केंद्र का बजट पहले आ जाता है तो राज्य सरकार को केंद्र से मिलने वाली हिस्सा राशि का अंदाजा हो जाता है। इससे राज्य को बजट बनाने में आसानी होती है।

सीएमओ सूत्रों के अनुसार राज्य का बजट केंद्र के बजट के बाद ही आएगा। इसी के हिसाब से वित्त विभाग में बजट को लेकर तैयारी चल रही है। इस बार का बजट पूरी तरह से चुनावी बजट होगा। यानी सरकार कोशिश करेगी कि बजट में सभी वर्गों को साधा जाए।

ताकि चुनाव में कांग्रेस को फायदा मिले। इस हिसाब से बजट में नई योजनाओं और प्रोजेक्ट्स का प्रावधान होगा। बजट की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अब तक बजट एडवाइजरी कमेटी की चार और 11 विभागीय मीटिंग कर चुके हैं।

सियासी संकट के दौरान मुख्यमंत्री ने दिए थे जल्दी बजट लाने के संकेत

25 सितंबर को राजस्थान में सियासी संकट के हालात पैदा होने के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 5 अक्टूबर को मौजूदा बजट की समीक्षा के लिए बुलाई बैठक के बाद प्रदेश में जल्दी बजट लाने के संकेत दिए थे। उन्होंने कहा था कि अगला बजट युवाओं और स्टूडेंट्स को समर्पित होगा। बजट पर गहलोत के बयान के बाद से ये कयास लगाए जा रहे थे कि इस बार का बजट बाकी सालों के मुकाबले जल्दी आएगा।

हाल ही गहलोत ने बजट को लेकर फिर बयान दिया था। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान अलवर के मालाखेड़ा में 19 दिसंबर को हुई सभा के दौरान उन्होंने 500 रुपए

में सिलेंडर की घोषणा करते हुए कहा था कि अगले माह बजट आ जाएगा। तब से ये कयास और तेज हो गए थे कि इस बार का बजट जनवरी में आ सकता है।

15वीं विधानसभा के सातवें सत्र की समाप्ति पर राज्यपाल की मुहर

सरकार ने 2022 के विधानसभा के बजट सत्र के सत्रावसान के प्रस्ताव को मंत्रिमंडल से सर्कुलेशन के जरिए पास करके फाइल राजभवन भिजवाई थी। राज्यपाल कलराज मिश्र ने मंगलवार को सत्रावसान की मंजूरी दे दी है।

अब सरकार नया सत्र बुलाने की फाइल राजभवन भेजेगी। विधि एवं संसदीय कार्य विभाग में इस पर काम चल रहा है। विभाग के सूत्रों के अनुसार जनवरी के अंतिम सप्ताह या फरवरी के पहले सप्ताह से बजट सत्र बुलाने की तैयारी है।

1 फरवरी को केंद्र और 23 फरवरी को राज्य का बजट पेश हुआ था

2022 में केंद्र सरकार का बजट 1 फरवरी को पेश हुआ था। राज्य सरकार ने 9 फरवरी को विधानसभा सत्र बुलाया था। इसके बाद 23 फरवरी को राज्य का बजट विधानसभा में पेश किया गया। इस हिसाब से अगर सरकार जनवरी के अंतिम सप्ताह में विधानसभा का सत्र बुलाती है तो केंद्र के बजट के बाद फरवरी के पहले या दूसरे सप्ताह में बजट आ सकता है।

एक्सपर्ट्स कहते हैं- केंद्र के बजट के बाद राज्य का बजट बनाने में रहती है आसानी

बजट को लेकर एक्सपर्ट्स का कहना है कि केंद्र का बजट आने के बाद राज्य का बजट आने से केंद्र की योजनाओं में बजट के प्रावधान और टैक्स कलेक्शन के आधार पर राज्य को मिलने वाले हिस्से का पता चल जाता है। इसके हिसाब से राज्य के बजट में नए प्रावधान और नई योजनाओं की घोषणा करना आसान रहता है।

बजट अध्ययन केंद्र के निदेशक नेसार अहमद का कहना है कि केंद्र का बजट जब सामने आ जाता है तो राज्य को अपना बजट बनाने में आसानी रहती है। केंद्र के बजट से यह पता चल जाता है कि केंद्र का टैक्स कलेक्शन बढ़ा है या घटा है। पिछले साल से अगर बढ़ा है तो स्टेट का शेयर भी बढ़कर मिलेगा। सेंट्रल स्पोंर्स्ड स्कीम्स में बजट बढ़ाया या घटाया। यह मुद्दा भी राज्य के बजट के लिए महत्व रखता है क्योंकि फिर राज्य को भी इन स्कीम्स में अपने हिस्से का उसी तरह से प्रावधान करना होता है।

जो केंद्र सरकार की योजनाएं हैं उनमें किसी स्कीम में केंद्र सरकार 100 प्रतिशत शेयर देती है। किसी में 60 तो किसी में 40 प्रतिशत पैसा केंद्र से राज्यों को मिलता है। अगर केंद्र सरकार इन स्कीम्स में कुछ घटाती-बढ़ाती है तो इसका राज्य के बजट पर असर पड़ता है। वैसे यह जरूरी नहीं कि केंद्र के बजट के बाद ही राज्य का बजट आए। क्योंकि वैसे भी राज्य के वित्त विभाग के अफसर और केंद्र के वित्त मंत्रालय के अफसर आपस में बजट को लेकर कनेक्ट रहते हैं। ऐसा कोई नियम नहीं है कि केंद्र के बजट के बाद ही राज्य का बजट आए। फिर भी केंद्र के बजट के बाद राज्य का बजट आता है तो केंद्र से मिलने वाली हिस्सा राशि के हिसाब से बजट बनाने में पूरा अंदाजा हो जाता है।

गुढ़ा बोले- पेपरलीक कांड सरकार की बहुत बड़ी विफलता

मंत्री ने कहा- सारे काम एक तरफ, पेपरलीक दूसरी तरफ; हम एग्जाम नहीं करा सकते

जयपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। सीनियर टीचर भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने के मामले में अब विपक्ष के बाद ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने अपनी ही सरकार को निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा, 'पेपरलीक कांड सरकार की विफलता है। यह सरकार की जिम्मेदारी है, यह हमारा फेलियर है कि हम फेयर एग्जाम नहीं करवा पा रहे हैं। पेपर आउट हो रहे हैं, कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं। बच्चों के अंदर भयंकर निराशा है।' गुढ़ा जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। मंत्री ने कहा, 'सरकार के सारे काम एक तरफ और पेपर लीक दूसरी तरफ। सरकार के अब तक के सारे कामों को अकेला पेपर आउट प्रकरण खा जाएगा। सरकार और हमारी मिलीभगत, बिना प्रोटेक्शन के हम फेल नहीं हो सकते। जांच कहीं से भी हो, लेकिन हम फेल हो गए।

जब हम सही तरीके से पेपर नहीं करवा सकते तो यह सही नहीं है। हमारे प्रदेश के जो बच्चे हैं, जो तैयारी कर रहे हैं, उनमें निराशा का भाव आ गया है। पूरी तरह निराशा का भाव आ गया। कहीं न कहीं लीकेज तो है। सच तो यही है कि हम पेपर नहीं करवा सकते।' गुढ़ा ने कहा- पेपर आउट होना हमारे लिए खतरनाक है। हमारे पेपर बार-बार आउट हो रहे हैं, हम एक भी परीक्षा ठीक तरीके से नहीं करवा पा रहे, सच यह है कि हम फेल हो गए। सरकार रिपीट करने के सवाल पर गुढ़ा ने कहा कि जिस तरह पेपर आउट हो रहे हैं, उसमें तो मुश्किल ही लग रहा है। खबर में आगे बढ़ने से पहले नीचे दिए गए पोल में हिस्सा लेकर आप अपनी राय जाहिर कर सकते हैं। कांग्रेस प्रभारी रंधावा के फीडबैक के सवाल पर गुढ़ा ने कहा- रंधावा जी अच्छे आदमी हैं, दिल से बोलते हैं। उनको सुनकर अच्छा लगा, जमीन से जुड़े आदमी हैं, शायद कुछ कर सकें।

'मैंने खूंटा गाड़ दिया तो मोदी भी नहीं हिला सकते'

बीजेपी नेता ओम माथुर बोले- राजस्थान में सीएम फेस खूबसूरत होगा

जयपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी खींचतान का दौर शुरू हो गया है। बीजेपी नेता ओम प्रकाश माथुर ने नागौर के परबतसर में कहा- अब मैं केंद्रीय चुनाव समिति में हूं। कोई गलतफहमी मत पाल लेना।

कार्यकर्ताओं को किसी से डरने की जरूरत नहीं। मैं जहां खूंटा गाड़ दूंगा, वहां मोदी भी कुछ नहीं हिला सकते। माथुर का बयान सामने आने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में आगामी विधानसभा चुनाव में उनकी भूमिका को लेकर सुगबुगाहट शुरू हो चुकी है।

नागौर के परबतसर में जन-आक्रोश रैली को संबोधित करते हुए बीजेपी नेता ओम प्रकाश माथुर ने कहा- किसी तरह की गलतफहमी मत पाल लेना। जयपुर वाले कैसी भी लिस्ट भेजें, मैं हर गांव की एक एक नस जानता हूं, ध्यान राखजो। कोई और गलतफहमी मत पाल लेना।

माथुर राजस्थान के नेताओं के लिए बोले- यह मेरे लाडले हैं। मुझे

नमस्ते करते हैं, मुझे 4 साल से ज्यादा रहना नहीं है। मेरे होर्डिंग ज्यादा लगा दिए। इस गलतफहमी से दूर हो जाओ। कम से कम आप कार्यकर्ता दूर हो जाओ। पार्टी जो भी तय करे। आपको पूरी ताकत के साथ उस व्यक्ति के साथ लगना है।

पायलट को दी लॉलीपॉप

माथुर ने कहा- कांग्रेस पार्टी ने सचिन पायलट को लॉलीपॉप दिया। उन्होंने चुनाव से पहले काफी मेहनत की। जब कांग्रेस सत्ता में आई, तब कोई और मुख्यमंत्री बन कर बैठ गया। वही अब पार्टी में बगावत करने वाले अशोक गहलोत ही पॉलिटिकल इंस्टीट्यूट खोलने की बात कर रहे हैं।

जबकि उनके लिए दिल्ली से पर्यवेक्षक आए। तब उन्होंने 90 एमएलए को होटल भेज दिया। कहा यहां आने की जरूरत नहीं वही मौज करो। अब वह लोग राजनीति सिखाएंगे।

कोई भी बन सकता है मुख्यमंत्री

रैली को संबोधित करते हुए ओम प्रकाश माथुर ने कहा- जो भी इंसान कमल का फूल लेकर आए आपको उसे जिताना है। पार्टी का चेहरा कोई भी हो सकता है। जो भी चेहरा होगा, बहुत खूबसूरत होगा। चेहरा कौन होगा यह सिर्फ पार्लियामेंट्री बोर्ड ही तय करेगा। किसी ने सोचा था क्या महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस, हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर मुख्यमंत्री बनेंगे। इसलिए कौन मुख्यमंत्री बनेगा। इसकी चिंता छोड़ कांग्रेस सरकार के खिलाफ जोर-शोर से जुट जाएं।

इस दौरान ओम प्रकाश माथुर ने कांग्रेस सरकार पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा- 4 साल के कुशासन से राजस्थान की जनता परेशान हो गई है। भ्रष्टाचार से लेकर पेपर लीक की घटनाओं ने हर वर्ग की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। जबकि केंद्र कि मोदी सरकार ने अपने कार्यकाल में ऐतिहासिक काम किया है। इसलिए फिर से राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाएं और सुशासन लेकर आएं।

खींचतान के बीच कांग्रेस-बीजेपी का जमीनी कार्यकर्ताओं पर फोकस

बीजेपी बूथ सम्मेलन से तो कांग्रेस हाथ जोड़ो अभियान से करेगी चुनावी साल की शुरुआत

जयपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में 2023 की शुरुआत में कांग्रेस और बीजेपी दोनों पार्टियां अब बूथ स्तर तक पहुंचेंगी। दोनों पार्टियां जनवरी में बूथ स्तर तक खुद को ले जाना चाहती हैं। 2023 में राजस्थान में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में चुनावी वर्ष में दोनों पार्टियां खुद को जमीनी रूप से और ज्यादा मजबूत करना चाहती हैं। कांग्रेस जहां जनवरी में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान शुरू करेगी। वहीं दूसरी ओर बीजेपी भी जनवरी में बूथ सम्मेलन करेगी।

राजस्थान में फिलहाल बीजेपी की जनाक्रोश सभाएं चल रही हैं। जनवरी के पहले सप्ताह तक बीजेपी की ये सभाएं चलेंगी। इसके बाद बीजेपी पूरे प्रदेश में अपने बूथ सम्मेलन करेगी। ये बूथ सम्मेलन राजस्थान में बीजेपी के 52 हजार बूथों पर होंगे। बीजेपी ने हाल ही में ये बूथ पूरे किए हैं। राजस्थान में जिलों के अनुसार बूथों के सम्मेलन होंगे।

इन सम्मेलन में बीजेपी के बूथ स्तर के कार्यकर्ता जुटेंगे। अलग-अलग बूथों पर कार्यकर्ताओं की अलग-अलग संख्या है।

नए कार्यकर्ताओं को भी मजबूत करेगी बीजेपी

बीजेपी इन कार्यकर्ताओं को एक साथ लाकर इन्हें जोड़ेगी। इन सम्मेलन में बीजेपी के प्रदेश स्तर के नेता इन कार्यकर्ताओं से मिलेंगे और इन्हें भविष्य की रूपरेखा बताएंगे। इसमें वो कार्यकर्ता भी होंगे जो पिछले कुछ समय में बीजेपी से नए जुड़े हैं। बीजेपी ने पिछले कुछ समय में लगातार अपने बूथों पर कार्यकारिणियां बनाई है। ऐसे में इस सम्मेलन में उन बूथों के सभी कार्यकर्ताओं को एक साथ लाकर पार्टी की रीति-नीति से जोड़ा जाएगा।

हर गांव और बूथ को कवर करेगी कांग्रेस

इसी तरह कांग्रेस भी जनवरी में भारत जोड़ो के विस्तार कार्यक्रम के रूप में अपना हाथ से हाथ जोड़ो अभियान चलाएगी। इसमें हर गांव और बूथ को कवर करते हुए दो महीने की पदयात्रा निकाली जाएगी। इसमें गांव-गांव में झंडा फहराकर यात्रा शुरू की जाएगी। इसके अलावा डोर-टू-डोर जनसम्पर्क होगा। हर गांव में एक बैठक भी कराई जाएगी। इस दौरान यात्रा के मूल संदेश के साथ राहुल गांधी का पत्र भी बांटा जाएगा।

खींचतान के बीच जमीन मजबूत करने में जुटी हैं पार्टियां

राजस्थान में कांग्रेस और बीजेपी दोनों में आपसी खींचतान है। प्रमुख नेताओं के आपसी झगड़े, गुटबाजी से दोनों ही पार्टियों में जमीनी स्तर का छोटा कार्यकर्ता असमंजस में है। दोनों पार्टियों के कई नेता दबे स्वर में कहते हैं कि हमें पता ही नहीं है चुनाव से पहले हमें किसके पास जाना है, कौन हमारा नेता है। ऐसे में दोनों पार्टियां इस असमंजस के बीच खुद को जमीनी रूप से मजबूत करने में जुट गई हैं।

कांग्रेस के अधिवेशन में डोटासरा बोले- गुटबाजी छोड़ें नेता

कहा- खून पसीना बहाकर सरकार बनाने वाले कार्यकर्ता की तकलीफ ठीक करनी होगी

जयपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के मंत्री और विधायक अब हर महीने की 28 तारीख को 15 किलोमीटर पैदल चलेंगे। जनता की समस्याएं सुनकर उन्हें दूर करेंगे। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद डोटासरा ने अधिवेशन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा- राहुल गांधी की इच्छा के मुताबिक हमने आज से यह घोषणा की है कि सभी मंत्री, विधायक और कार्यकर्ता 15 किलोमीटर पैदल चलकर जनता के बीच जाएंगे। सरकार की फ्लैगशिप योजना और केंद्र सरकार की विफलता के बारे में बताएंगे।

डोटासरा ने कहा- हम सबको 2023 में सरकार रिपीट करनी है। यह सरकार रिपीट तभी होगी जब हम

सरकार की योजनाओं को भी बताएंगे। जिन कार्यकर्ताओं ने खून पसीना एक करके हमें यहां तक पहुंचाया, हमारी सरकार बनवाई अगर उन कार्यकर्ताओं की कोई दुख तकलीफ है तो उन्हें हमें ठीक करनी होगी। उनमें उत्साह का संचार करना होगा। चाहे उनके व्यक्तिगत काम हो, चाहे गांव के काम हों,वह सरकार में बैठे लोगों को करने पड़ेंगे।

तेरा मेरा, यह गुट, वो गुट वाली बातें छोड़कर एकजुटता से काम में जुटें

डोटासरा ने कहा- चुनाव सब के ऊपर हैं। संगठन को और ज्यादा सक्रिय होना पड़ेगा,सबको साथ देना होगा। यह मेरा तेरा, यह गुट वो गुट, यह जाति, यह सब बातें छोड़नी होगी। हमारी जाति एक है कांग्रेस पार्टी और हमारा मजहब एक है कांग्रेस पार्टी। हमारा काम एक है कि हम कांग्रेस पार्टी को मजबूत करें। हम कांग्रेस पार्टी के सभी भाइयों को साथ लेकर चलें और सबका सहयोग ले सबको साथ लेकर हम लोगों की सेवा करेंगे तो ऐसा कोई कारण नहीं है कि हम 2023 में ऐतिहासिक बहुमत के साथ रिपीट नहीं होंगे।

ओपीएस के लिए कर्मचारियों के 35 हजार करोड़ नहीं मिलेंगे

सीतारमण बोलीं- पैसा कर्मचारियों का, राजस्थान सरकार को नहीं दे सकते; गहलोत की मांग खारिज

जयपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। गहलोत सरकार की महत्वकांक्षी योजना ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) पर पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए), केंद्रीय वित्त सचिव के बाद अब केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी झटका दिया है। सीतारमण ने भी कर्मचारियों का एनपीएस (न्यू पेंशन स्कीम) का पैसा लौटाने की मांग खारिज कर दी है।

सीएम अशोक गहलोत ने पिछले दिनों पत्र लिखा था। अब जवाब में वित्त मंत्री ने कहा है कि कानूनी रूप से यह राशि कर्मचारियों की है। इसलिए नियोक्ता को वापस नहीं की जा सकती, जैसा अन्य कर्मचारी लाभ के मामलों में होता है। केंद्र और राज्य की इस लड़ाई के कारण प्रदेश के 5 लाख कर्मचारी दुविधा में पड़ गए हैं।

पीएफआरडीए पर बहस के दौरान बनी लोकसभा की स्टैंडिंग कमेटी की रिपोर्ट में राज्य सरकार ने लिखा- लेबर यूनियन और कर्मचारी संघ एनपीएस के विरोध में हैं। एनपीएस में पेंशन राशि बेहद कम थी, मिलने में भी बहुत समय लग रहा था। कर्मचारी भविष्य को लेकर आशंकित होने लगे। निजी क्षेत्र की जगह सरकारी नौकरी को तवज्जो देने की बड़ी वजह पेंशन व सामाजिक सुरक्षा थी। एनपीएस से सुरक्षा का भाव खत्म हो गया, प्रतिभावान युवा निजी क्षेत्र में ही जाने लगे।

2018 की कैग रिपोर्ट में कहा

गया कि प्लानिंग-इम्प्लीमेंट के स्तर पर सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा देने में एनपीएस विफल है। 2021 में नेशनल ह्यूमन राइट कमीशन ने इसके रिव्यू के लिए कमेटी बनाने की मांग की। पीएफआरडीए ने भी बताया है कि आईएल एंड एफएस के कारण जो परेशानियां हुई, उससे शेयर मार्केट में कार्मिकों के एनपीएस में जमा 1600 करोड़ रुपए डूबने के कगार पर पहुंच गए हैं। कर्मचारियों की मेहनत का पैसा हर सेकंड रिस्क पर है। ज्यूडिशियरी में सामाजिक सुरक्षा के लिए ओपीएस को ही लागू रखा है। आर्मी, नेवी, एयरफोर्स में ओपीएस है। इसके मद्देनजर राज्य सरकार ने ओपीएस बहाल करने का निर्णय लिया। अभी तक 1 जनवरी 2004 से नौकरी लगकर रिटायर हुए 238 मामलों में ओपीएस का लाभ मंजूर किया जा चुका है। सातवीं अनुसूची में राज्य सूची की बिन्दु संख्या 42 कहती है कि स्टेट पेंशन, जो राज्य की समेकित निधि (कंसोलिडेटेड फंड) से दी जाएगी, उस पर राज्य को कानून बनाने का अधिकार है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लिखा- राज्य सरकार ने जनवरी 2004 में अपने कार्मिकों के लिए एनपीएस का विकल्प चुना। 2010 में प्रदेश-एनपीएस ट्रस्ट के बीच समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इसमें प्रावधान है कि राज्य सरकार पीएफआरडीए/एनपीएस ट्रस्ट के सभी निर्देशों का अनुपालन करेगी। पीएफआरडीए अधिनियम राज्य सरकार को जमा राशि या उस पर रिटर्न के प्रबंध की मंजूरी नहीं देता। यह राशि कर्मचारी की है, इसलिए नियोक्ता को नहीं लौटा सकते।

पुरानी पेंशन स्कीम में लागत भावी सरकारें स्वीकृत कर लेती हैं, इससे कल्याणकारी स्कीमों के लिए निधियों की उपलब्धता पर बुरा प्रभाव होता है।

पूर्व सांसद बोले- कांग्रेस का सामने तो बीजेपी के अंदर झगड़ा

गत चुनाव में दगाबाजी से हारा, कार्यकर्ताओं के लिए लड़ूंगा चुनाव

बाड़मेर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व सांसद एवं भाजपा नेता कर्नल सोनाराम ने पत्रकारों से बातचीत करने के दौरान आगामी विधानसभा चुनाव गुड़ामालानी से लड़ने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने खुद को भाजपा का अनुशासित कार्यकर्ता बताते हुए कांग्रेस में चल रही आपसी फूट का फायदा उठाते हुए 2023 में भाजपा की सरकार बनाने की बात कही। चौधरी ने कहा कि लास्ट चुनाव बाड़मेर विधानसभा चुनाव से लड़ा था लेकिन कुछ स्थानीय कार्यकर्ताओं ने दगाबाजी करते हुए उन्हे हराने का काम किया। इसकी जयपुर व दिल्ली आलाकमान को शिकायत भी की थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। बाद में सांसद चुनाव में उनकी टिकट काटकर बायतु विधानसभा

चुनाव में महज 35 हजार वोट लाने वाले तीसरे नंबर पर रहने वाले को सांसद की टिकट दे दी। उन्हे यूज कर टिकट काटने के बाद भी कार्यकर्ताओं की मांग पर मैदान में डटा हुआ हूं। उन्होंने इशारो-इशारों में कहा कि गुड़ामालानी में भाजपा का कोई खास चेहरा नहीं है, उनकी पूरे इलाके में पहचान व पैठ होने से पाटीर्र के आदेश पर वहां से तैयार कर सकते है।

दरअसल, चार बार सांसद व एक बार विधायक बनने वाले कर्नल सोनाराम चौधरी बीते कुछ समय से गुड़ामालानी विधानसभा में सक्रिय है। गुड़ामालानी में किसानों की समस्याओं से लेकर छोटे-मोटे सामाजिक व पार्टी के प्रोग्रामों में शामिल हो रहे है। अब मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव गुड़ामालानी विधानसभा से लड़ने की इच्छा जाहिर कर दी है।

ये कश्मीर नहीं, राजस्थान में जमी बर्फ है

सीकर में पारा जीरो डिग्री पर; कुछ दिन बाद एक हफ्ते तक चलेगी शीतलहर

जयपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में कड़ाके की सर्दी का दौर चल रहा है। उत्तरी भारत में एक नया सिस्टम आने से अगले दो दिन तेज ठंड से राहत रहेगी, लेकिन उसके बाद करीब एक हफ्ते से ज्यादा समय तक जबर्दस्त शीतलहर का दौर आएगा। इसका मतलब है कि नए साल का पहला हफ्ता हाथ-पैर जमाने वाली ठंड में बीतेगा। सीकर के फतेहपुर में आज तापमान 0 पर दर्ज हुआ, जबकि कल यहां न्यूनतम तापमान -1.7 डिग्री सेल्सियस था। चूरू में भी आज तापमान कल की तरह 0.6 डिग्री सेल्सियस पर रहा। फतेहपुर और किशनगढ़ में आज भी खुले एरिया में कश्मीर जैसी बर्फ जमी नजर आई। मौसम विभाग के मुताबिक राजस्थान में पिछले तीन-चार दिन से पड़ रही तेज सर्दी से आज से थोड़ी कम होगी। उत्तर भारत में आज से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इसके असर से तापमान बढ़ने लगेगा। कड़ाके की ठंड और शीतलहर का असर कम होगा। इस सिस्टम का ज्यादा असर जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, लद्दाख के अलावा मैदानी इलाके पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के कुछ हिस्सों में देखने को मिल सकता है।

अच्छी शिक्षा से आगे बढेगा युवा वर्ग : सुरेंद्र गोयल

राजस्थान के पूर्व मंत्री सुरेंद्र गोयल का अभिनन्दन किया गया

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थान के पूर्व मंत्री सुरेंद्र गोयल का भव्य अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया। हैदराबाद-सिकंदराबाद स्थित कुमावत समाज कार्यालय के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राजस्थान के पूर्व मंत्री सुरेंद्र गोयल का ज्ञानबाग कालोनी में कुमावत समाज भवन में भव्य अभिनन्दन किया गया।

इसमें कुमावत समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद अध्यक्ष रूपाराम भोपा के नेतृत्व में मंत्री नारायणलाल घोडावड ने पूर्व मंत्री राजस्थान सुरेंद्र गोयल को पुष्पहार पहनाकर सम्मानित किया तथा मंच संचालन धर्मीचंद कुमावत ने किया। कुमावत समाज की नगरद्वय शाखा द्वारा सर्वप्रथम कुमावत समाज कुक्कटपल्ली, देवेंद्रनगर के अध्यक्ष हिरालाल हिंदड पारसमल मोटावत, कुमावत समाज काटेदान के हनुमानमल बाकरेचा, माणिकचंद लारना, कुमावत सेवा समिति चेंगीचेरला अध्यक्ष चंद्रप्रकाश मोटावत, सीआर कुमावत, कुमावत समाज अलवाल अध्यक्ष सोहनलाल मानणिया, दिनेश मांगर, कुमावत समाज बालाजी नगर शाखा, कुमावत समाज किसरा शाखा, पटनचेरु के माणिकचंद घोडावड, लक्ष्मणराम मोटावत उपस्थित हुए। इस अवसर पर सुरेंद्र गोयल ने कहा कि, तत्संबंधित समाज मे शिक्षा की कमी है, इसके चलते अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करना जरूरी है ताकि वे आगे चलकर आइएएस तथा आईपीएस बनकर देश की सेवा कर सके। आप लोग अपनी जन्मभूमि को न भूलना राजस्थान को आते जाते रहना व यहां भी अपनी कर्मभूमि को सहयोग करते रहना। साथ ही व्यापार मे भी एक दूसरे की सहायता करते रहना एवं अपने बुजुर्ग माता पिता व गायों की सेवा करते रहना। उन्होंने बुजुर्ग से भी निवेदन किया कि आपके बाद आयी युवा पीढी की मदद करते रहना ताकि वे आगे बढते रहे। यही नहीं, 15 से 25 वर्षीय लडकियों को मोबाईल न दें। उन्होने कहा कि युवाओं को राजनीति मे आना चाहिए क्योंकि राजनीति एक ऐसी ताकत है जो 100 मण सोना रति भर राज के बराबर होता है। समाज में बेटी को बेटे के समान समझना चाहिए तथा बहू को भी बेटी के समान समझना चाहिए। उन्होंने 36 कौम के लोगों से निवेदन किया कि अपनी समस्याओं के समाधान के लिए वे राजस्थान पधारे तथा उनके घर का दरवाजा 24 घंटे खुला है।

बैठक में विभिन्न समाज के गणमान्य लोग उपस्थित हुए जिनमें कुमावत समाज के भंवरलाल आलोदिया, शंकरलाल मानणिया, धर्मीचंद कुमावत, सुखराज घोडावड, रामचंद्र रेणवाल, पप्पुराम डैय्या, रामकिशोर भडलीवाल, धर्माराम घोडावड, माणिकचंद घोडावड, विनोद अलोदिया, हनुमानमल बाकरेचा, भीकाराम बाकरेचा, चंद्राराम बाकरेचा, पप्पुराम बाकरेचा, पारसमल मोटावत, हिरालाल हिंदड, गणपतलाल मानणिया, उगमाराम रेणवाल, सुरेश बोडावड, धानाराम हिंदड, सुरेश घोडावड, अमृतलाल बाकरेचा, राकेश भावर, दिनेश बाकरेचा, रामचंद्र भावर, पवनकुमार शादनगर, राजु मानणिया, सीआर कुमावत, मोतीलाल रेड, मोहनलाल मानणिया, कानाराम बांगर तथा सिखवाल समाज से कन्हैय्यालाल ओझा, जगदीश प्रसाद उपाध्याय, सुरेश व्यास, नवरतन ओझा एवं माली समाज से सुरेश भाटी, पेमाराम गहलोत, सुनिल सांखला, पुखराज देवडा और जैन समाज से परमराज पारख, सुर्यप्रकाश नाबरिया, राजपूत समाज के गुमान सिंह सोलंकी, भरतसिंह एवं सीरवी समाज से कानाराम काग, हरजीराम हांबड और जाट समाज से विजय कासनिया, नेमाराम जाखड, पेमाराम मावर एवं अन्य उपस्थित हुए।

नि:शुल्क प्रभात हाईस्कूल का स्थापना दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नि:शुल्क प्रभात हाईस्कूल खैरताबाद का 82वां स्थापना दिवस स्कूल प्रांगण में अध्यक्ष श्रवण कुमार नरेडी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर लायन जीआर सूर्याराज, पूर्व प्रांतपाल मुख्य अतिथि व वरिष्ठ मंत्री मंडल सदस्य लायन एम नागराजू सम्मानित अतिथि के रूप में पधारे। सर्व प्रथम अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन व विद्यार्थियों द्वारा वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अध्यक्ष श्रवण कुमार नरेडी ने अपने स्वागत वक्तव्य में पधारे सभी महानुभावों व अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन किया तथा मुख्य अतिथि व सम्मानित अतिथि के प्रति विशेष प्रमोद भावना व्यक्त की। इस अवसर पर उपाध्यक्ष मेजर किरण ने स्कूल के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते हुए अतिथियों के प्रति विशेष आभार प्रकट किया। मंत्री प्रकाश एच. भंडारी ने अतिथियों का परिचय प्रस्तुत करते हुए कहा कि पूर्व में भी लायन जीआर सूर्या राज व लायन एम. नागराजू ने स्कूल के कार्यक्रमों में भाग लिया व समय समय पर आर्थिक अनुदान भी दिया। लायन जीआर सूर्या राज ने अपने प्रेरक वक्तव्य में कहा कि विगत 82 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में निशुल्क क्वालिटी पूर्ण शिक्षा प्रदान करना अपने आपमें एक विशिष्ठ कार्य है। इसके लिए स्कूल की संचालन समिति की यह तीसरी पीढ़ी निश्चय ही प्रशंसा व बधाई की पात्र हैं। इसके साथ ही अपने विद्यार्थियों को अनुशासित रह कर शिक्षा ग्रहण करने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर अपने विद्यार्थियों के लिए 540 लांग नोट बुक्स व विशेष आर्थिक सहयोग प्रदान किया। सम्मानित अतिथि लायन ए नागराजू ने कहा कि आपको सब कुछ नि:शुल्क प्राप्त हो रहा हैं, पर इसके लिए संचालन समिति को कितनी मेहनत करनी पड़ती हैं, इस लिए सभी विद्यार्थी निष्ठा व मेहनत कर के अपनी शिक्षा पूर्ण करें। इस अवसर पर मंत्री राकेश भटनागर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। प्रधानाध्यापक करुणाकर रेड्डी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन अध्यापिका गायत्री ने किया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष गोविंद चांडक, सह मंत्री प्रणिता, मेनेजमेंट सदस्य अशोक नरेडी, सुभाष व अध्यापिका-अध्यापक गण आदि उपस्थित थे।

गोवत्स फाउंडेशन के तत्वावधान में 5 जनवरी से 13 जनवरी तक आयोजित होने वाली श्रीराम कथा में बतौर अतिथि उपस्थित रहने के लिए पूर्व सांसद व अभा वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. गिरीश कुमार संघी को निमंत्रण पत्र सौंपते हुए जसमतभाई पटेल, गोपाल दास सारडा एवं भारती बेन पटेल।

राजस्थान झुंझुनू जिले के अनिल कुमार जाट की इलाज के दौरान हुई मौत के बाद अस्पताल प्रबंधन द्वारा सौंपे गये भारी भरकम राशि का बिल अदा करने में असमर्थ परिवार की सहायता करने तथा पार्थिव शरीर को सुरक्षित राजस्थान भिजवाने में मदद करने वाले मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव का सम्मान करते हुए बीआरएस युवा नेता गुलाब सिंह राजपुरोहित, विशाल जाट, जगदीश कुलकधानियां, सरदार जगतसिंह व अन्य।

मंगलहाट क्षेत्र में आयोजित अय्यप्पा स्वामी के पूजा कार्यक्रम में भाग लेते हुए जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल। साथ में हैं अनिल यादव, रेणुका, कल्पना, विद्या शिंदे व अन्य।

अग्रणी विवाह बंधन की बैठक हिमायतनगर स्थित कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में पवन भुवानिया, सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, सुनयना नरसरिया, रूपा गुप्ता, राजेन्द्र दीवान, प्रीती गोयल एवं अन्य उपस्थित थे।

शमशाबाद एयरपोर्ट पर पधारने पर राजस्थान के पूर्व मंत्री सुरेंद्र गोयल का सम्मान करते हुए तेलंगाना जाट एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका। साथ में हैं शिवरतन प्रजापत, पारसमल कुमावत, रमेश गोडावड, सुरेश थारोल व अन्य।

नारायण सेवा संस्थान देश में विभिन्न स्थानों पर केंद्र खोलेगा : अलका चौधरी

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नारायण सेवा संस्थान, एक चैरिटेबल ट्रस्ट, 29 जनवरी, 2023 को सुबह 10 बजे यहां ताजमहल होटल एबिड्स में एक सम्मान समारोह का उद्घाटन करेगा। संस्थान की सदस्य अलका चौधरी ने आज यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा, नारायण सेवा केंद्र एक समावेशी समाज बनाने का एक प्रयास है जहां विकलांग व्यक्तियों का अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन की मुख्यधारा में स्वागत किया जाता है। विशेष जरूरतों वाले लोगों को अपने दैनिक जीवन में जिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, उन्हें एक ही छत के नीचे हल किया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि विभिन्न स्थानों पर सेवा केंद्र स्थापित करके, नारायण सेवा संस्थान दुनिया भर के अधिक व्यक्तियों को स्वयंसेवकों और सेवा के अवसरों से जोड़ने, अधिक कमजोर रोगियों तक पहुंचने और उन्हें बेहतर देखभाल और सुविधाओं के लिए उदयपुर रेफर करने की उम्मीद करता है। अगले दस वर्षों में, संस्थान का लक्ष्य देश भर में इस प्रकार के कई नारायण सेवा केंद्रों की स्थापना के उद्देश्य को पूरा करना है।हमें विशेष जरूरतों वाले अधिक से अधिक जरूरतमंदों की सहायता करने और उन्हें बिना किसी लागत के सर्वोत्तम सुविधाएं देने में सक्षम बनाना है। उन्हें।

ऐसी सुविधाएं उन सभी के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने में मदद करेंगी। इसके अतिरिक्त, यह समाज के सबसे कमजोर वर्गों का समर्थन करने के लिए और अधिक योगदान और धन जुटाने की पहल को प्रेरित करेगा। हैदराबाद में यह सुविधा विभिन्न प्रकार की सेवाओं की पेशकश करेगी, जैसे विकलांग रोगियों का नि:शुल्क निदान, ताकि उदयपुर एनएसएस अस्पताल में सुधारात्मक सर्जरी की जा सके, दर्द से राहत के लिए फिजियोथेरेपी, कृत्रिम अंगों को मापने और फिट करने के लिए सेवाएं, नि:शुल्क दिव्यांग विवाह, प्रदर्शन प्रतिभावान दिव्यांगों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर एक मंच देने के लिए कला, कौशल विकास प्रशिक्षण पूरा करने के बाद रोजगार और सहायता, और बहुत कुछ। नारायण सेवा केंद्र में प्रदान किए जाने वाले सभी पाठ्यक्रम और सेवाएं नि:शुल्क होंगी। इस अवसर पर रोहित तिवारी, रिद्धीश जागीरदार, महेंद्र सिंह व रजत गौर व अन्य मौजूद रहे।

सत्य शक्ति शाखा की विहार यात्रा संपन्न

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सत्य शक्ति महिला शाखा टीवी टावर अपनी शीतकालीन भ्रमण यात्रा संगारेड्डी स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर भवानी माता मंदिर एवं गणेश मंदिर ले जाया गया शाखा अध्यक्ष नीति अग्रवाल के संदर्भ में 60 महिलाएं ने यात्रा का लाभ लिया महिलाओं को तम्बोला बोलो एवं गेम्स खिलाए गए इस यात्रा को सफल बनाने में शाखा की अध्यक्ष नीति अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुनीता तुलसियान, मंत्री रानी मित्तल, कोषाध्यक्ष पुष्पा अग्रवाल, संतोष, निर्मला जी सुजाता कमला सरिता रजनी सुनीता कृष्णा भारती नीलम मधु प्रेमलता संजू बाला सुशीला रिंकल आदि का सहयोग रहा।

आदि कवि वाल्मीकि साहित्य संस्था का पुरस्कार समारोह एवं कवि सम्मेलन संपन्न

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदि कवि वाल्मीकि साहित्य संस्था हैदराबाद का नवम आदि कवि वाल्मीकि हिंदी साहित्य पुरस्कार समारोह-2022 और भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन वाल्मीकि मंदिर ट्रस्ट बोर्ड कमेटी के सहयोग से कमेटी के सभागृह, जिन्सी चौराह, हैदराबाद में संपन्न हुआ। गोविंद अक्षय ने कार्यक्रम का संचालन किया। हाई कोर्ट के एडवोकेट रामकुमार चिंडालिया, समाज सेवी अमृत कुमार जैन, अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के चेयरमैन (तेलंगाना) देवेंद्र सिंह राणा, वाल्मीकि मंदिर ट्रस्ट बोर्ड के चेयरमैन डी. किशन जी, समाजसेवी नन्नू राम, बबर, अनुराधा लोया बतौर मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, सम्माननीय अतिथि और विशेष अतिथि के रूप में मंचासीन थे।

आदि कवि वाल्मीकि साहित्य संस्था हैदराबाद के अध्यक्ष और पुरस्कार प्रदाता दीपक चिंडालिया वाल्मीकि ने संस्था का परिचय प्रस्तुत किया और कहा कि संस्था वास्तव में राष्ट्रीय एकता के उद् देश्यों को पूर्ण करने के लिए स्थापित की गयी है जो रामायण के रचयिता आदि कवि वाल्मीकि के समाज निर्माण का स्वप्न था। साहित्य के बिना समाज की एकता संभव नहीं है। वरिष्ठ गीतकार चंपालाल बैद को समाज सेवी अमृत कुमार जैन, देवेंद्र सिंह राणा, रामकुमार चिंडालिया ने आदि कवि वाल्मीकि साहित्य पुरस्कार-2022 के तहत शॉल, पुष्पमाला, प्रशस्ति-पत्र और राशि सहित प्रदान कर पुरस्कृत किया। अंत में सभी को दीपक चिंडालिया वाल्मीकि ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

महावीर इंटरनेशनल दिल्ली एवं महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद ने सनतनगर मूसापेट स्थित कोंनकर में आंख और हेल्थ चेक अप कैंप किया। कोनकर द्वारा प्रायोजित चौथा आई एंड हेल्थ चेकअप कैंप सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया गया।

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के महासचिव अरविंद जाजडा का नगरागमन पर आलेर में स्वागत करते हुए अभा आदर्श जाट महासभा भोनगिरी के अध्यक्ष सतपाल ढाढिया। उपस्थित हैं रमेश रोपडिया, चंद्राराम जाखड, भंवराल व विष्णु।

कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए संस्था के लक्ष्य को प्राप्त करें : सुरेश चंद्र तेली

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्र महाप्रबंधक कार्यालय, हैदराबाद द्वारा आज मानव संसाधन प्रबंधन विषय पर बैंक के उच्चाधिकारियों के लिए हिंदी में संगोष्ठी आयोजित की गई. संगोष्ठी का उद्घाटन सुरेश चंद्र तेली, मुख्य महाप्रबंधक ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि मानव संसाधन प्रतेक अधिकारी और कर्मचारी से जुड़ा हुआ विषय है और प्रत्येक कर्मचारी में असीम क्षमता और सामर्थ्य होता है. कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए संस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। सोवन सेनगुप्ता, उप अंचल प्रमुख गुप्ता ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। कर्मचारी प्रशिक्षण केंद्र हैदराबाद से पधारे ललित कुमार, संकाय सदस्य एवं मुख्य प्रबंधक ने मानव संसाधन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला और संस्था के विकास में मानव संसाधन प्रबंधन की भूमिका पर चर्चा की. उनके सत्र के बाद उन्होंने प्रतिभागियों के प्रश्नों का भी जवाब दिया। देवकांत पवार, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने कार्यक्रम का संचालन किया। सुश्री स्नेहा साव, परिविक्षाधीन राजभाषा अधिकारी ने कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग प्रदान किया।

डबल बेडरूम उन सभी को दिया जाना चाहिए जो इसके लायक हैं : गज्जला

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सेरिलिंगमपल्ली विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रभारी गज्जला योगानंद ने कहा कि तेलंगाना सरकार 8 साल के लिए डबल बेडरूम घर उपलब्ध कराने के वादे को पूरा करने में विफल रही है। इसके विरोध में यह रैली निकाली गई है। गौरतनबहै कि आज एक विरोध रैली सरकार के खिलाफ निकाली गई। गज्जला योगानंद ने डबल बेडरूम गारंटी को लागू करने में विफल रहने और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के बजाय अभियानों पर भरोसा करने के लिए केसीआर सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आठ साल तक सत्ता में रहने के बावजूद टीआरएस गरीबों के लिए दो बेडरूम वाले घर के मुख्य वादे को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि केसीआर सत्ता का लुत्फ उठा रहे हैं और लोगों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इस धरना कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रदेश व जिले के नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए।

छावनी खेल मैदान में खिलाड़ी सीएच पवन का सम्मान किया गया

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। छावनी बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जे. प्रताप ने 65 किलोग्राम वर्ग में तीसरा स्थान हासिल करने वाले बोइनपल्ली छावनी खेल मैदान के खिलाड़ी सीएच पवन को सम्मानित किया। इसी महीने की 23, 24 और 25 तारीख को अत्तापुर में हुई चौथी सरदार वल्लभभाई पटेल केसरी कुश्ती प्रतियोगिता में पवन ने 65 किग्रा वर्ग में तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक जीता। इस अवसर पर मंगलवार रात बोईनपल्ली स्थित छावनी खेल मैदान में कुश्ती प्रशिक्षक साईबाबा यादव के मार्गदर्शन में आयोजित सम्मान कार्यक्रम में जम्पना प्रताप मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और पहलवान पवन का अभिनंदन कर शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कोच साईंबाबा यादव का फूलमालाओं से अभिनंदन करते हुए कहा कि कुश्ती के खेल के प्रति जागरूकता पैदा कर उन्हें खिलाड़ी बनाना सराहनीय है। इस कार्यक्रम में जम्पन प्रताप युवा सेना के प्रतिनिधि पेरिका महेंद्र, वरप्रसाद, क्रांति कुमार, शाकिब, सिराज, मौला, खिलाड़ी यादगिरी यादव रमेश मधु गौरी शंकर सहित अन्य ने भाग लिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

'भारत जोड़ो यात्रा ...

खरगे ने इस दौरान अपना संबोधन भी दिया। उन्होंने कहा कि हमें कांग्रेस पार्टी को समावेशी बनाने के लिए युवाओं, महिलाओं, वंचित तबकों और बुद्धिजीवियों को हमारे साथ जोड़ना होगा। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से देशभर में करोड़ों कार्यकर्ताओं को संजीवनी मिली है।

खरगे ने कहा कि आज भारत ने प्रगति की है क्योंकि कांग्रेस ने दलितों, गरीबों की बेड़ियों को तोड़ने का साहस किया है। लोकतंत्र को मजबूत रखने के लिए पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने मंत्रिमंडल में 5 गैर-कांग्रेसी मंत्रियों को नियुक्त किया। यह सबको साथ लेकर चलने के सिद्धांत को दर्शाता है।

खरगे ने आगे कहा कि भारत के मूल सिद्धांतों पर लगातार हमले हो रहे हैं। पूरे देश में नफरत का गड्ढा खोदा जा रहा है। जनता मंहगाई, बेरोजगारी से परेशान है लेकिन सरकार को कोई परवाह नहीं।

वहीं इस मौके पर कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि धर्म के आधार पर, भाषा के आधार पर, जाति के आधार पर, संस्कृति के आधार पर भारत को टुकड़े-टुकड़े बनाने वाले ये संघ परिवार के लोग हैं...इसके खिलाफ ये (भारत जोड़ो) यात्रा चलाई जा रही है।

राहुल गांधी को ...

हमने 23 दिसंबर को हरियाणा को सोहना पुलिस स्टेशन में एक एफआईआर दर्ज कराई थी, जिसमें हरियाणा राज्य खुफिया विभाग के एक शरारती तत्व के भारत जोड़ो यात्रा के कंटेनर में अवैध तरीके से घुसने की बात कही गई थी।" चिट्ठी में कहा गया है कि भारत जोड़ो यात्रा देश में शांति और भाईचारे के लिए निकाली जा रही है। केंद्र सरकार को इसमें बदले की राजनीति नहीं करनी चाहिए और कांग्रेस नेताओं की सुरक्षा सुनिश्चित कराने पर जोर देना चाहिए। कांग्रेस पार्टी के दो प्रधानमंत्री- इंदिरा गांधी और राजीव गांधी पहले ही देश की एकता और अखंडता के लिए अपनी जान कुर्बान कर चुके हैं। छत्तीसगढ़ में 25 मई 2013 को जीरमघाटी हमले में कांग्रेस का एक पूरा नेतृत्व नक्सल हमले में खत्म हो चुका है।

आईसीसी की ताजा रैंकिंग जारी

टेस्ट में अश्विन-अय्यर ने लगाई बढ़ी छलांग ; कोहली-पुजारा फिसले

दुबई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की ताजा रैंकिंग जारी हो चुकी है। बुधवार को जारी रैंकिंग में भारतीय ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन और श्रेयस अय्यर को बड़ा फायदा हुआ है। जबकि पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली और अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को नुकसान हुआ है।

भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन गेंदबाजी रैंकिंग के टॉप-5 में शामिल हो गए हैं। वे 812 अंक लेकर जसप्रीत बुमराह के बाद पांचवें नंबर पर हैं। जबकि, श्रेयस अय्यर अपनी करियर बेस्ट रैंकिंग में पहुंच गए हैं। वे 26वें स्थान से 16वें स्थान पर आ गए हैं। उनके 666 रेटिंग पॉइंट हैं। वे टॉप-20 में शामिल चौथे भारतीय बल्लेबाज हैं।

25 दिसंबर को समाप्त हुई भारत-बांग्लादेश दूसरे टेस्ट में अश्विन और अय्यर ने आठवें विकेट के लिए 71 रनों की नाबाद साझेदारी की थी और टीम को जिताया था। वहीं, विराट कोहली (1) जल्दी आउट हो गए हैं। टीम इंडिया ने वह मुकाबला 3 विकेट से जीता था। भारत ने बांग्लादेश को चौथी बार क्लीन स्वीप किया।

रैंकिंग के टॉपर

टी-20	वनडे	टेस्ट
भारत	न्यूजीलैंड	ऑस्ट्रेलिया
268	116	130

बैटिंग में कोहली 14वें नंबर पर आए

पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली को खराब फार्म का नुकसान उठाना पड़ा है। वे बैटिंग रैंकिंग में 2 स्थान नीचे फिसल गए हैं। वर्तमान में उनके 676 रेटिंग अंक हैं और वे 14वें नंबर पर हैं। वहीं, अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा (642) तीन स्थान के नुकसान के साथ 19वें नंबर पर आ गए।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा (732) नौवें नंबर है। इन दोनों के अलावा ऋषभ पंत को तीन रेटिंग पॉइंट का फायदा मिला। लेकिन 6वें नंबर पर ही रहे। पंत के 797 अंक हैं।

ये हैं नंबर-1

टेस्ट रैंकिंग के टॉपर्स की बात करें तो बैटिंग और बॉलिंग में कंगारुओं का कब्जा है, जबकि ऑलराउंडर्स रैंकिंग में भारतीय का कब्जा है। ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन (936) दुनिया के नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाज हैं। जबकि पैट कमिंस (880) के पास बॉलिंग का ताज है। वहीं, भारतीय ऑलराउंडर्स रविंद्र जड़ेजा (369) नंबर-1 ऑलराउंडर हैं। रविचंद्रन अश्विन 343 के साथ उनका पीछा कर रहे हैं। अश्विन ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के अहम मौके पर नाबाद 42 रन की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई थी। जिसका उन्हें फायदा मिला। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे थे।

ऑस्ट्रेलिया 575/8 पर घोषित की पहली पारी

साउथ अफ्रीका ने 15 रन पर गंवाया पहला विकेट, टीम अब भी 371 रन पीछे

मेलबर्न, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मेलबर्न में चल रहे बॉक्सिंग-डे टेस्ट पर ऑस्ट्रेलियाई टीम मजबूत स्थिति में है। उसने तीसरे दिन के खेल में साउथ अफ्रीका पर 371 रन की बढ़त बना ली है। इतना ही नहीं, दूसरी पारी में साउथ अफ्रीका को पहला झटका भी दे दिया है।

बुधवार को स्टंप्स तक साउथ अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी में एक विकेट पर 15 रन बना लिए हैं।

स्टंप्स होने के बाद सरेल एरवी 7 और थ्यूनिस डी ब्रुइन 6 रन पर नाबाद हैं। जबकि कप्तान डीन एल्गर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता कप्तान पैट कमिंस ने दिलाई।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी 575/8 पर घोषित की। जबकि साउथ अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 189 रन बनाए।

एलेक्स कैरी की सेंचुरी

रन: **111,** गेंद: **149,** 4/6: **13/0**

ट्रेविस हेड की फिफ्टी, कैरी का पहला शतक

दूसरे दिन नाबाद लौटे ट्रेविस हेड (51) ने अपना 11वां टेस्ट अर्धशतक पूरा किया। जबकि एलेक्स कैरी (111 रन) ने पहली टेस्ट सेंचुरी जमाई। वे अपने बीते दिन के स्कोर 48 में महज 3 रन ही जोड़ सके। उन्हें एनरिक नॉर्त्या ने बोल्ड कर दिया।

दूसरे छोर से एलेक्स कैरी ने अपनी पारी को 9 से बढ़कर 111 रन तक पहुंचाया। कैरी को मार्को जानसन ने कैच एंड बोल्ड किया।

चोटिल ग्रीन ने अर्धशतक जमाया, वार्नर एक रन भी नहीं बना सके

दूसरे दिन चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट हुए कैमरून ग्रीन और डेविड वार्नर ने भी क्रीज में वापसी की। ग्रीन ने अर्धशतक (51 रन) जमाया, लेकिन डेविड वार्नर (200) अपने निजी स्कोर पर इजाफा नहीं कर सके। उन्हें एनरिक नॉर्त्या ने बोल्ड कर दिया। एक दिन पहले वार्नर डबल सेंचुरी सेलिब्रेट करते समय खुद को चोटिल कर बैठे थे। वार्नर की मांसपेसियों में खिंचाव आ गया था।

नॉर्त्या ने झटके 3 विकेट

साउथ अफ्रीका की ओर से पहली पारी की गेंदबाजी में एनरिक नॉर्त्या ने 3 विकेट चटकाए। जबकि कगिसो रबाडा को 2 सफलताएं मिली। लुंगी एनगिडी और मार्को जानसन को एक-एक विकेट मिले।

श्रीलंका के खिलाफ टीम इंडिया का ऐलान

हार्दिक को टी-20 की कमान, वनडे में रोहित ही रहेंगे कप्तान ; शिखर-पंत को जगह नहीं

मुंबई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका के खिलाफ वनडे और टी-20 होम सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया गया है। रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पंड्या को टी-20 टीम का कप्तान बनाया गया है। जबकि सूर्यकुमार उपकप्तान बने हैं। वनडे की कमान रोहित के पास ही रहेगी। रोहित और विराट कोहली को टी-20 से आराम दिया गया है। हालांकि, ये दोनों वनडे टीम का हिस्सा हैं। शिखर धवन और ऋषभ पंत को टीम में शामिल नहीं किया गया है।

शिवम मावी को मौका

टी-20 टीम में शिवम मावी को मौका दिया गया है। दाएं हाथ के इस फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर ने घरेलू क्रिकेट में शानदार गेंदबाजी की है। उन्होंने पिछले 5 घरेलू मुकाबलों में 19 विकेट लिए हैं। इनमें दो रणजी और तीन लिस्ट ए मैच शामिल हैं।

हार्दिक का T20I करियर

1160 रन

81 मैच

146.09 स्ट्राइक रेट

71* बेस्ट

मोहम्मद शमी की वापसी

तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वनडे टीम में वापसी हो गई है। वे बांग्लादेश के खिलाफ टीम का हिस्सा थे, लेकिन नेट सेशन के दौरान चोटिल हो गए थे।

लंका से 3 टी-20 और 3 वनडे खेलेगी टीम

जनवरी में श्रीलंकाई टीम भारत दौरे पर आ रही है। उसे यहां तीन टी-20 और तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज खेलनी है। पहला मुकाबला 3 जनवरी 2023 को मुंबई में होगा। उसके बाद 5 जनवरी को पुणे और 7 जनवरी को राजकोट में मैच खेले जाएंगे। पहला वनडे 10 जनवरी को गुवाहाटी में खेला जाएगा। उसके बाद 12 जनवरी को कोलकाता और 15 जनवरी को त्रिवेंद्रम में मुकाबले होंगे।

पंड्या की कप्तानी में न्यूजीलैंड को 1-0 से हराया

टीम इंडिया ने आखिरी टी-20 मुकाबला मक्लीन पार्क स्टेडियम में खेला था। हालांकि, वह बारिश में धुल गया था, लेकिन टीम इंडिया ने तीन मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नाम की। पूरी खबर पढ़ने के लिए क्लिक करें।

श्रीलंका के खिलाफ टी-20 टीम

हार्दिक पांड्या (कप्तान), ईशान किशन (डब्ल्यूके), ऋतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (वीसी), दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, संजू सैमसन, वाशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, हर्षल पटेल, उमरान मलिक, शिवम मावी और मुकेश कुमार।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे टीम:

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या (उपकप्तान), वाशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, मो. शमी, मो. सिराज, उमरान मलिक

केंद्र सरकार ने ई-स्पोर्ट्स को आधिकारिक मान्यता दी

देश की प्रमुख खेल विधाओं में शामिल किया

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। जकार्ता एशियन गेम्स 2018 में ई-स्पोर्ट्स को नुमाइशी खेल के रूप में शामिल किया गया था। तब से इसे बहु खेल आयोजन का हिस्सा बनाने की मांग उठ रही थी। केंद्र सरकार ने मंगलवार को ई स्पोर्ट्स को आधिकारिक मान्यता दे दी। साथ ही इसे देश की प्रमुख खेल विधाओं में भी शामिल किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान की धारा 77 के प्रावधान तीन में मिले अधिकारों का प्रयोग करके ई स्पोर्ट्स से संबंधित नियमों में बदलाव किया। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स और खेल मंत्रालय से ई स्पोर्टस को बहु खेल आयोजनों में शामिल करने के लिए भी कहा है। जकार्ता एशियन गेम्स 2018 में ई-स्पोर्ट्स को नुमाइशी खेल के रूप में शामिल किया गया था। तब से इसे बहु खेल आयोजन का हिस्सा बनाने की मांग उठ रही थी। राष्ट्रपति की अधिसूचना (23 दिसंबर को जारी) के बाद आई टी मंत्रालय आनलाइन गेमिंग संबंधी मसलों पर नोडल एजेंसी होगा और खेल मंत्रालय को अपने विषयों में इसे शामिल करना होगा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति भी ई स्पोर्ट्स को बढ़ावा दे रही है। इसी कड़ी में अगले साल जून में सिंगापुर में पहला ओलंपिक ई स्पोर्ट्स सप्ताह भी मनाया जाएगा। भारतीय डीओटीए टू टीम ने बर्मिंघम में 2022 में हुए पहले राष्ट्रमंडल ई स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में न्यूजीलैंड को हराकर कांस्य पदक जीता था। अगले साल चीन में होने वाले एशियन गेम्स में भी ई स्पोर्ट्स का डेब्यू होगा।

2036 ओलिंपिक्स की मेजबानी के लिए तैयार

अनुराग ठाकुर ने कहा- भारत ठोकेगा दावा

खेल डेस्क, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। ठाकुर ने कहा कि भारत के पास 1982 के एशियन गेम्स और 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी का अनुभव है. और अब इस कड़ी में 2036 के समर ओलिंपिक्स का नाम जुड़ सकता है. क्या भारत 2036 में होने वाले ओलिंपिक खेलों की मेजबानी के लिए तैयार है. लगता तो ऐसा ही है. क्योंकि अगर ऐसा नहीं होता तो खेल मंत्री अनुराग ठाकुर मंगलवार को टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए इंटरव्यू में ये नहीं कहते कि भारत 2036 ओलिंपिक्स की मेजबानी के लिए बोली लगाने को तैयार है. उन्होंने कहा कि भारत सितंबर 2023 में इंटरनेशनल ओलिंपिक कमिटी के आगे अपना रोडमैप रखेगा. बता दें कि अगले साल सितंबर में मुंबई में IOC का सेशन होने वाला है, जहां मेजबानी को लेकर भारत अपना फुलप्रूफ प्लान रख सकता है. अनुराग ठाकुर ने कहा कि सरकार मेजबानी को लेकर बोली लगाने के लिए भारतीय ओलिंपिक संघ की पूरी मदद करेगा. गुजरात का अहमदाबाद ओलिंपिक खेलों का मेजबान शहर होगा. ठाकुर ने कहा कि भारत के पास 1982 के एशियन गेम्स और 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी का अनुभव है. और अब इस कड़ी में 2036 के समर ओलिंपिक्स का नाम जुड़ सकता है. भारत का अगला लक्ष्य है 2036 ओलिंपिक्स की मेजबानी

भारतीय खेल मंत्री के मुताबिक, भारत अगर जी20 प्रेसीडेंसी की अच्छे से मेजबानी करता है, तो उन्हें पूरा भरोसा है कि सरकार IOA के सामने ओलिंपिक खेलों की मेजबानी को लेकर अपनी बात रखेगा. उन्होंने माना कि 2032 ओलिंपिक्स तक के स्लॉट भले ही फाइनल हैं. लेकिन 2036 में हमारे लिए दरवाजे खुले हैं और भारत मेजबानी के लिए अपना दावा ठोकने को लेकर तैयार है.

2036 ओलिंपिक्स के लिए भारत तैयार- अनुराग ठाकुर

ठाकुर ने ये जवाब तब दिया जब उनसे 2036 ओलिंपिक्स को लेकर सवाल हुए. उन्होंने कहा, " बिल्कुल हां. भारत मेजबानी का दावा करने को पूरी तरह से तैयार है. ऐसी कोई वजह नहीं जिसके लिए हम ना करें. अगर हम खेलों को बढ़ावा देते रहें तो निश्चित ही हम ओलिंपिक्स की मेजबानी दमदार तरीके से कर सकते हैं. ये बल्कि सही समय भी है. भारत अगर हर सेक्टर में खबरों में बना है तो फिर खेलों में क्यों नहीं बन सकता. हम बड़ी गंभीरता से 2036 ओलिंपिक की ओर देख रहे हैं."

चेतन शर्मा दोबारा सिलेक्शन कमेटी के चेयरमैन बन सकते हैं

सीएसी के शॉटलिस्ट में पिछली कमेटी से चेतन और हरविंदर का नाम भी

चेतन शर्मा फिर से सिलेक्शन कमेटी का अध्यक्ष बन सकते हैं। यही नहीं वर्ल्ड कप के बाद बर्खास्त किए गए सिलेक्शन कमेटी के सेंट्रल जोन के सदस्य हरविंदर सिंह को भी एक कार्यकाल के लिए विस्तार मिल सकता है।

पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से नए सिलेक्शन कमेटी के लिए गठित क्रिकेट सलाहकार समिति ने इंटरव्यू के लिए शॉटलिस्ट किए गए नामों में चेतन शर्मा और हरविंदर सिंह को भी शामिल किया है। सीएसी में अशोक मल्होत्रा, सुलक्षणा नाइक और जतिन परांजपे शामिल हैं। सीएसी की बैठक 29 दिसंबर को मुंबई में होगी और शॉर्टलिस्ट किए गए नामों का इंटरव्यू होगा।

सिलेक्शन कमेटी के लिए करीब 60 आवेदन मिले थे

BCCI की ओर से सिलेक्शन कमेटी के लिए आवेदन करने की आखिरी डेट 28 नवंबर था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार चेतन शर्मा और हरविंदर सिंह को मिलाकर कुल 60 नए आवेदन आए थे।

चेतन शर्मा को और हरविंदर सिंह को क्यों मिल सकता है मौका

चेतन शर्मा को नॉर्थ जोन से मौका मिल सकता है। नॉर्थ जोन से चेतन के अलावा अजय रतड़ा, अतुलवासन और निखिल चोपड़ा ने आवेदन किया है। वहीं सेंट्रल जोन से हरविंदर सिंह के अलावा ज्ञानेंद्र पांडे ने दावेदारी की थी। सूत्रों के मुताबिक चेतन और हरविंदर की मजबूत दावेदारी इसलिए है कि इन दोनों ने बिना बीसीसीआई अधिकारियों की सहमति के बिना फिर से आवेदन नहीं किया है। उन्हें बीसीसीआई से हरी झंडी मिली है, तभी उन्होंने आवेदन किया है। वहीं बर्खास्त किए गए चयन कमेटी में इन दोनों के अलावा अनुभवी स्पिनर सुनील जोशी और पूर्व तेज गेंदबाज देवासीश मोहंती भी थे। जोशी और मोहंती ने दोबारा आवेदन नहीं किया है।

वहीं चेतन और हरविंदर के अलावा पश्चिम से श्लील अंकोला सबसे आगे हैं। नयन मोंगिया भी हैं, पर अंकोला का नाम आगे चल रहा है। ईस्टजोन से शिवसुंदर दास का नाम तय है। हालांकि सुब्रतो बनर्जी भी मजबूत दावेदार हैं। वहीं दक्षिण से मजबूत दावेदार माने जा रहे वेंकटेश प्रसाद का अपने एसोसिएशन से ठीक संबंध नहीं है। ऐसे में दक्षिण से किसी और को मौका मिल सकता है।

योग्यता की बात करें तो चेतन शर्मा ओर शिव सुंदर दास 23-23 टेस्ट खेले हैं। अंकोला 1 टेस्ट और ज्ञानेंद्र पांडे ने एक भी टेस्ट नहीं खेला है। चेतन दास से वनडे में आगे निकल जाते हैं। क्योंकि दास केवल 3 वनडे खेले हैं।

2023 में होंगे 4 वर्ल्ड कप: हॉकी-क्रिकेट विश्व कप की मेजबानी करेगा भारत; इसी साल पहला विमेंस आईपील

खेल डेस्क, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। नया साल शुरू होने में कुछ ही दिन बाकी है। 2022 जहां कॉमनवेल्थ गेम्स, फीफा वर्ल्ड कप, टी-20 वर्ल्ड कप जैसे इवेंट्स से भरा रहा। 2023 भी वैसे ही खेलप्रेमियों के लिए कई वर्ल्ड चैंपियनशिप और टूर्नामेंट लेकर आएगा। इनमें पहली बार महिलाओं का अंडर-19 वर्ल्ड कप और विमेंस IPL होंगे। वहीं, भारत ICC क्रिकेट वर्ल्ड कप, हॉकी वर्ल्ड कप, वर्ल्ड बॉक्सिंग और शूटिंग वर्ल्ड कप जैसे टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। 2023 के ऐसे ही टॉप स्पोर्टिंग इवेंट्स को इस खबर में हम जानेंगे।

पहली बार: महिला क्रिकेट के 2 बड़े इवेंट्स

2023 में 2 इवेंट्स पहली बार होंगे। एक तो महिलाओं को अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप और दूसरा महिलाओं की इंडियन प्रीमियर लीग । यहां जानते हैं दोनों ही इवेंट्स के बारे में...

विमेन आपीएल... भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड 2023 में पहली बार महिलाओं की इंडियन प्रीमियर लीग कराने जा रहा है। 2018 से विमेन आईपीएल के नाम पर चैलेंजर्स ट्रॉफी जरूर हो रही थी। लेकिन, इसमें 4 ही मैच होते थे और विमेन प्लेयर्स को ज्यादा मौके नहीं मिलते थे। इस बार 5 टीमों का IPL होने जा रहा है। टूर्नामेंट 5 से 26 मार्च के बीच प्रस्तावित है। जिसमें करीब 25 से ज्यादा मैच होंगे। टूर्नामेंट का ऑफिशियल शेड्यूल जल्द ही जारी कर दिया जाएगा।

अंडर-19 विमेंस वर्ल्ड कप... इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल पहली बार महिलाओं का अंडर-19 विमेंस वर्ल्ड कप आयोजित कराने जा रहा है। टी-20 फॉर्मेट का यह वर्ल्ड कप 14 से 29 जनवरी के बीच साउथ अफ्रीका में आयोजित होगा। 16 टीमों के बीच कुल 41 मैच खेले जाएंगे। टीम इंडिया मेजबान साउथ अफ्रीका, स्कॉटलैंड और यूएई की अंडर-19 टीम के साथ ग्रुप-डी में है। भारत की कप्तान शेफाली वर्मा और उपकप्तान ऋषा घोष हैं। दोनों ही प्लेयर्स सीनियर विमेन टीम से भी खेल चुकी हैं।

मेजबान भारत : हॉकी और क्रिकेट वर्ल्ड कप

भारत इस साल अलग-अलग खेलों के 4 बड़े वर्ल्ड टूर्नामेंट और एक एशियन चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। जनवरी में हॉकी वर्ल्ड कप, मार्च में विमेन वर्ल्ड बॉक्सिंग, अगस्त में शूटिंग वर्ल्ड कप और अक्टूबर-नवंबर में क्रिकेट वर्ल्ड कप होगा। वहीं, मार्च-अप्रैल के दौरान एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप भी होगी। हॉकी वर्ल्ड कप के बारे में आगे खबर में विस्तार से जानते हैं। यहां जानते हैं इन 4 इवेंट्स के बारे में...

विमेंस वर्ल्ड बॉक्सिंग... 15 से 31 मार्च तक नई दिल्ली में 12वीं विमेंस वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप होगी। करीब हर 2 साल में होने वाली चैंपियनशिप की डिफेंडिंग चैंपियन भारत की नखत जरीन हैं। चैंपियनशिप में 75 से ज्यादा देशों की बॉक्सर 12 अलग-अलग वेट कैटेगरी में हिस्सा लेंगी। 2001 में पहली चैंपियनशिप के बाद नई दिल्ली को तीसरी बार टूर्नामेंट की मेजबानी मिली है। इससे पहले 2006 और 2008 में भी देश की राजधानी ने इवेंट को होस्ट किया था।

शूटिंग वर्ल्ड कप... सितंबर में संभावित ISSF का राइफल और पिस्टल शूटिंग वर्ल्ड कप भोपाल में होगा। 1988 से हर साल होने वाले टूर्नामेंट को ओलिंपिक क्वालिफिकेशन के लिए अहम माना जाता है। वर्ल्ड कप में मनु भाकर, सौरभ चौधरी, अंजुम मोद्गिल जैसे शूटर्स भारत को रिप्रेजेंट करते नजर आएंगे।

आसीसी मेंस वर्ल्ड कप... इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप के 13वें संस्करण की मेजबानी भारत को सौंपी है। भारत ने इससे पहले 1987, 1996 और 2011 में भी क्रिकेट वर्ल्ड कप की मेजबानी की थी। उसे तब पड़ोसी देशों पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश के साथ मेजबानी शेयर करनी पड़ी। लेकिन, इस बार पूरा टूर्नामेंट भारत में ही होगा।

फीफा वर्ल्ड कप में रहा अफ्रीकी खिलाड़ियों का दबदबा

कुल 32 में से 14 टीमों में थे वहां के खिलाड़ी, टॉप स्कोरर एमबापे के पेरेंट्स भी अफ्रीकन

खेल डेस्क, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप को रोमांचक बनाने का श्रेय कई टीमों में शामिल रहे अफ्रीकन मूल के खिलाड़ियों को जाता है। इस बार की रनरअप टीम फ्रांस में सबसे ज्यादा अफ्रीकी मूल के खिलाड़ी थे। 32 टीमों में से कतर, फ्रांस, जर्मनी सहित 14 टीमों में अफ्रीकन मूल के खिलाड़ी शामिल थे। फ्रांस टीम में 14 खिलाड़ी थे, जबकि 2018 में 15 खिलाड़ी अफ्रीकी थे। सबसे ज्यादा गोल करने वाले एमबापे, साका, कोडी, वेलेंसिया, रैशफोर्ड जैसे खिलाड़ी अफ्रीकी मूल के हैं, जो यूरोप की अलग-अलग टीमों से खेले और जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

एक रिपोर्ट्स के अनुसार, अफ्रीकी टीमें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ देशों की टीम से नियमित मुकाबले नहीं खेलती हैं। इसके चलते ही अफ्रीकी देशों की टीमों की दावेदारी कम हुई है। अफ्रीका के शीर्ष देशों के 20% से कम मैच ही एलीट दावेदारों के खिलाफ हैं। वहीं, वर्ल्ड कप के सेमीफाइनलिस्ट और फाइनलिस्ट अपने सालभर के मैचों के 30% ही एलीट देशों के खिलाफ खेलते हैं। अफ्रीकी देश इन उच्चस्तरीय मैचों में से बहुत कम जीतते हैं।

राष्ट्रपति ने यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल रामप्पा मंदिर का दौरा किया

मुलुगु, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को जिले के वेंकटपुर मंडल के पालमपेट गांव में रामप्पा मंदिर के नाम से प्रसिद्ध काकतीयकालीन रुद्रेश्वर मंदिर का दौरा किया। हेलीपैड पर आदिवासी कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़ और अधिकारियों ने राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन और केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी के साथ उनका स्वागत किया। अपने परिवार के सदस्यों और मंत्रियों के साथ, राष्ट्रपति ने पीठासीन देवता भगवान रुद्रेश्वर की विशेष पूजा की।

बाद में, उन्होंने 'पिलग्रिमेज रिजुवनेशन एंड स्पिरिचुअल ऑग्मेंटेशन ड्राइव' (प्रसाद) योजना के तहत प्रस्तावित विकास कार्यों का शुभारंभ किया और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल पर कामेश्वर मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए 'भूमि पूजा' भी की। कहा जाता है कि इस काकतीय युग के मंदिर का पुनर्निर्माण यूनेस्को द्वारा मान्यता के बाद विकास कार्यों के एक हिस्से के रूप में किया गया है। हनमकोंडा में स्थित 'हजार स्तंभ' मंदिर के 'महा मंडपम' के समान, 33 मीटर लंबा और 33 मीटर चौड़ा कामेश्वर मंदिर के मंडप का पुनर्निर्माण अद्वितीय काकतीय युग सैंड-बॉक्स तकनीक का उपयोग करके किया जाएगा।

अधिकारियों के अनुसार, पुनर्निर्माण मार्च, 2026 तक पूरा करने के लिए निर्धारित है। इस अवसर पर पंचायतीराज मंत्री येरबिल्ली दयाकर राव, पर्यटन मंत्री वी श्रीनिवास गौड, स्थानीय विधायक दानसारी अनसूया उर्फ सीताका, एमएलसी पल्ला राजेश्वर रेड्डी, तेलंगाना राज्य जल संसाधन विकास निगम के अध्यक्ष वी प्रकाश राव, पूर्व सांसद ए. सीताराम नाइक, जिला कलक्टर एस. कृष्णा आदित्य समेत जिले के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

रायथु बंधु योजना : सरकार ने पहले दिन 607 करोड़ रुपये जमा किए

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि रैतु बंधु योजना के तहत दिए जा रहे निवेश समर्थन के वितरण के पहले दिन तेलंगाना में 21,000 से अधिक किसानों के खातों में कुल 607 करोड़ रुपये जमा किए गए। राज्य सरकार ने बुधवार को लगातार दसवीं फसल के लिए किसानों को 5,000 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से निवेश सहायता राशि का वितरण शुरू किया। वित्त मंत्री हरीश राव ने बुधवार को ट्विटर पर इसकी जानकारी साझा करते हुए कहा कि पहले दिन आज एक एकड़ तक के 21,02,822 किसानों के खातों में 607.32 करोड़ रुपये जमा किए जा चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि लगभग 70.54 लाख किसानों को मौजूदा यासंगी सीजन के लिए रायथु बंधु योजना के तहत निवेश सहायता प्राप्त होगी।

बंडी ने 15वें वित्त आयोग निधि के दुरुपयोग की जांच के लिए केंद्रीय जनसंपर्क मंत्री को पत्र लिखा

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय ने केंद्रीय पंचायत राज और ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह से तेलंगाना सरकार द्वारा 15वें वित्त आयोग के धन के दुरुपयोग की जांच करने का आग्रह किया है। संजय ने गिरिराज सिंह को लिखे पत्र में आरोप लगाया है कि सरपंचों और उप-सरपंचों की जानकारी के बिना पंचायत राज विभाग के अधिकारियों ने 15वें वित्त आयोग के पुराने बकाये का भुगतान नियम विरुद्ध कर दिया है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री के ध्यान में लाया कि पंचायत राज अधिनियम के अनुसार, सरपंच धन निकालने और संबंधित ग्राम पंचायतों में कल्याण और अन्य विकास गतिविधियों के लिए खर्च करने के हकदार थे। हालांकि, पंचायत राज विभाग के अधिकारियों ने सरपंचों के बैंक खातों की डिजिटल कुंजी का दुरुपयोग किया और उनकी जानकारी के बिना पैसे निकाल लिए और इसका उपयोग पहले से बकाया बिजली बिलों के भुगतान और बिलों के अग्रिम भुगतान के लिए भी किया। उन्होंने कहा कि धन की हेराफेरी हुई है, इसलिए केंद्र को मामले की जांच करनी चाहिए और राज्य सरकार के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने राज्य सरकार से 15वें वित्त आयोग द्वारा स्वीकृत राशि को सरपंचों के खाते में वापस जमा करने को भी कहा।

रेल राज्य मंत्री ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

रेल निलयम में क्षेत्रीय समीक्षा बैठक आयोजित की

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेल और वस्त्र राज्य मंत्री दर्शना जरदोश ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और स्टेशन पुनर्विकास योजना की समीक्षा की। उनके साथ निरीक्षण के दौरान दमरे महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल ए.के. गुप्ता और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी आदि उपस्थित रहे। श्रीमती जरदोश ने हरित पहलों को चिह्नित करने के लिए प्लेटफार्म संख्या 1 के प्रवेश द्वार पर द्वीप उद्यानों के पास पौधारोपण किया। केंद्रीय मंत्री ने सिकंदराबाद स्टेशन योजना की उन्नयन योजना की समीक्षा की, जिसके लिए काम पहले ही शुरू हो चुका है। मंत्री ने महत्वपूर्ण परियोजना की निगरानी कर इसे निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि स्टेशन की अगले 40 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्टेशन का उन्नयन किया जा रहा है। बाद में, उन्होंने यात्री प्रतीक्षालय का दौरा किया और आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता पर यात्रियों से बातचीत की। उन्होंने "वन स्टेशन-वन प्रोडक्ट" स्टॉल का दौरा किया, जो जूट बैग और हथकरघा और कलमकारी वस्त्र उत्पादों जैसे स्थानीय उत्पादों को प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर बाजार में बेचने के लिए कहा गया है। 10 और उनकी सफलता के बारे में पूछताछ की। उन्होंने एस्केलेटर और लिफ्ट, फुट ओवर ब्रिज और सर्कुलेटिंग एरिया, पार्किंग एरिया आदि सहित स्टेशन पर उपलब्ध समग्र सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। मीडिया प्रतिनिधियों के साथ बोलते हुए मंत्री ने कहा कि सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन जुड़वां शहरों में एक प्रमुख परिवहन केंद्र है और इस स्टेशन को अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ पुनर्विकास के लिए चुना गया था। पुनर्विकास कार्य निर्धारित समय के तीन वर्षों के भीतर पूरा किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि टीसीएएस (ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली) को दमरे पर स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है और इसे बड़े पैमाने पर लागू किया जा रहा है जिसे पूरे भारतीय रेलवे में लागू किया जाएगा। उन्होंने पर्यावरण के अनुकूल तरीके से और यात्रियों को कम असुविधा के साथ परियोजना कार्य करने के लिए दमरे के अधिकारियों की भी सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। मंत्री ने यह भी कहा कि पूरे देश में वंदे भारत की सेवाओं का विस्तार करने का प्रयास किया जा रहा है। बाद में, केन्द्रीय मंत्री ने रेल निलयम सम्मेलन हॉल में एक प्रदर्शन समीक्षा बैठक की। बैठक में अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, अमित गोयल, अपर महाप्रबंधक, दमरे एवं समस्त विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति मुर्मू ने भद्राचलम में प्रसाद योजना का शुभारंभ किया

कोठागुडेम, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को जिले के भद्राचलम में तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्धन अभियान (प्रसाद) योजना का शुभारंभ किया। वह हैदराबाद से भारतीय वायुसेना की उड़ान में राजमंद्री पहुंची और हवाई अड्डे पर उतरने के बाद वह एक भारतीय वायुसेना के हेलिकॉप्टर में सरपका बीपीएल स्कूल के हेलीपैड पर पहुंची। हेलीपैड पर राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन, मंत्री पुव्वडा अजय कुमार और सत्यवती राठौड़, जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी, पुलिस अधीक्षक डॉ. विनीत जी ने राष्ट्रपति का स्वागत किया।

श्रीमती मुर्मू के श्री सीता रामचंद्र स्वामी देवस्थानम पहुंचने पर मंदिर के पुजारियों ने पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत किया। उन्होंने पीठासीन देवताओं की पूजा की और बाद में केंद्रीय संस्कृति मंत्री, पर्यटन जी. किशन रेड्डी के साथ, उन्होंने मंदिर शहर भद्राचलम और परनासाला में 41.38 करोड़ रुपये की धनराशि से बुनियादी ढांचे के विकास के उद्देश्य से प्रसाद योजना के तहत कार्यों की आधारशिला रखी। बाद में उन्होंने महबूबाबाद और आसिफाबाद में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों का वर्चुअली उद्घाटन किया और वनवासी कल्याण परिषद द्वारा आयोजित सम्मक्का सरलम्मा जनजाति पुजारी सम्मेलन के उद्घाटन में शामिल हुईं। मुर्मू श्री सीता रामचंद्र स्वामी देवस्थानम जाने वाली पहली महिला राष्ट्रपति हैं। सांसद मलोत कविता, एमएलसी टाटा मधुसूदन, जिला परिषद अध्यक्ष के कनैया और विधायक पी वीरैया उन लोगों में शामिल थे जिन्होंने राष्ट्रपति के मंदिर पहुंचने पर उनका अभिवादन किया।

रोहित रेड्डी की याचिका पर सुनवाई जनवरी 5 तक स्थगित

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने आज सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के विधायक पायलट रोहित रेड्डी की याचिका को 5 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दिया। कोर्ट ने विधायक पोचगेट घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को आदेश जारी किया और सुनवाई की अगली तारीख तक मामले में अपना जवाब दाखिल करने को कहा।

जिरह के दौरान ईडी के वकील ने हाईकोर्ट को बताया कि उन्होंने शुक्रवार को पेश होने के लिए विधायक को नोटिस जारी किया था, लेकिन कहा कि विधायक उस दिन पेश नहीं हुए।

पद्मश्री श्रीभाष्यम विजयसारथी का निधन, सीएम ने जताया शोक

करीमनगर, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रख्यात विद्वान और पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित श्रीभाष्यम विजयसारथी का बुधवार सुबह करीमनगर शहर स्थित उनके आवास पर आयु संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे। 10 मार्च, 1936 को करीमनगर जिले के चेगुरथी गांव में जन्मे, विजयसारथी ने 7 साल की उम्र में कविता रचना शुरू कर दी थी।

नरसिंहाचार्य और गोपाम्बा उनके माता-पिता थे। हालाँकि उन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा उर्दू माध्यम से प्राप्त की, लेकिन उन्होंने संस्कृत के विद्वान के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके अलावा, उन्होंने संस्कृत के प्रचार के लिए कड़ी मेहनत की। 2020 में, उन्हें साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनके काम के लिए पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

यह उनकी माँ थीं जिन्होंने उन्हें "न्याय बोधिनी", "ठरका संगरामु", और "मीमांसा" सिखाया। इस अवधि के दौरान उन्होंने "शारदा पदाकिंकिन" की रचना की थी। उनकी आश्चर्यजनक विद्वता "विषादलहरी" और "शबरी परिदेवनम" जैसे खंडकव्यों के साथ सामने आई, जिसकी रचना उन्होंने 16 साल की उम्र में की थी। विजयसारथी ने 'सीसम', एक तेलुगु काव्य रूप पेश किया और वे पहले व्यक्ति हैं जिन्होंने संस्कृत में पत्र-पत्रिका का परिचय दिया। वह अपने काम मंदाकिनी और अपनी कविता में 'धातुओं' की अधिकतम संख्या का उपयोग करने के लिए सुर्खियों में आए। उन्होंने 11 वर्ष की आयु में "शारदा पादकिंकिनी", 16 वर्ष की आयु में "सबरी परीदेवनम", 17 वर्ष की आयु में "मनोरमा" उपन्यास और 18 वर्ष की आयु में "प्रवीण भारतम" की रचना की। उन्होंने 22 साल की उम्र में एक कवि के रूप में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने संस्कृत और तेलुगु में 100 से अधिक पुस्तकें लिखी हैं। वह करीमनगर शहर के बाहरी इलाके बोम्मकल में यज्ञ वराह स्वामी मंदिर के संस्थापक थे। विजया सारथी के निधन पर समाज के विभिन्न वर्गों ने शोक व्यक्त किया है। उधर, मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने पद्मश्री श्रीभाष्यम विजयसारथी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। सीएम ने कहा कि उनका निधन देश की संस्कृत भाषा की साहित्य जगत के लिए एक बड़ी क्षति है। इस अवसर पर सीएम केसीआर ने श्री भाष्यम के साहित्य सेवा का स्मरण किया। सीएम ने कहा कि श्रीभाष्यम ने कविताओं की रचना के साथ-साथ उन कविताओं को मधुर धुन से पढ़ने में भी गजब की प्रतिभा दिखाई और उनका जीवन आज के कवियों के लिए प्रेरणादायक है। सीएम केसीआर ने उनके परिवार के सदस्यों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

पीएम से मिले आंध्र प्रदेश के सीएम जगन, पोलावरम परियोजना के लिए फंड जारी करने का अनुरोध

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने बुधवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी के साथ राज्य से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की। साथ ही पोलावरम सिंचाई परियोजना के लिए लंबित फंड जारी करने का अनुरोध किया। नई दिल्ली में लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास पर दोनों नेताओं के बीच करीब 50 मिनट तक बैठक चली, जिसमें सीएम जगन ने कहा कि उनकी सरकार पोलावरम परियोजना पर अब तक करीब 2,900 करोड़ रुपये खर्च कर चुकी है, लेकिन केंद्र सरकार ने अभी तक फंड जारी नहीं किया है। सूत्रों ने बताया कि बैठक में सीएम जगन ने कहा कि उनकी सरकार संसाधनों की कमी का सामना कर रही है और केंद्र से परियोजना को जल्द पूरा करने के लिए 10,000 करोड़ रुपये का फंड देने का अनुरोध किया। सीएम जगन ने अनुमानित 55,548.87 करोड़ रुपये की पोलावरम परियोजना के लिए संशोधित लागत की जल्द मंजूरी की मांग की। सूत्रों ने कहा कि सीएम जगन ने पीएम मोदी के साथ आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत राज्य में अधिक लाभार्थियों को शामिल करने तथा 12 और मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी देने की मांग की। इसके अलावा राज्य सरकार द्वारा संचालित आंध्र प्रदेश खनिज विकास निगम को खदान अयस्क और समुद्र तट रेत खनिज क्षेत्रों का आवंटन करने का अनुरोध किया।

भाकपा ने मुनुगोडू में अपने नेताओं पर हमले की निंदा की

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राज्य सचिव कुनमनेनी संबाशिव राव ने मुनुगोडे निर्वाचन क्षेत्र में कथित रूप से भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा बुधवार को अपनी पार्टी के नेताओं पर किए गए हमले की कड़ी निंदा की है। संबाशिव राव ने यहां एक बयान में आरोप लगाया कि भाकपा के 98वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुनुगोडे निर्वाचन क्षेत्र के नामपल्ली मंडल के तुंगपडू गांव में पार्टी के झंडे के अनावरण के दौरान भाजपा से जुड़े कार्यकर्ताओं ने मुनुगोडे के पूर्व विधायक पार्टी जिला सचिव एन. सत्यम, उज्जिनी यादिगिरी राव और अन्य वरिष्ठ नेता पर हमला किया। भाजपा कार्यकर्ताओं की कार्रवाई की आलोचना करते हुए संबाशिव राव ने कहा कि लोकतंत्र में हिंसा करना अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को चुनाव के दौरान राजनीति करनी चाहिए। विपक्षी दलों के सदस्यों पर हमला करना लोकतंत्र की भावना के खिलाफ है। भाकपा के वरिष्ठ नेता ने चेतावनी दी कि अगर कोई पार्टी हिंसा में शामिल होने की कोशिश करती है तो उन्हें नालगोंडा जिले से बाहर निकाल दिया जाएगा क्योंकि यह कम्युनिस्टों का गढ़ था। उन्होंने पुलिस से हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया।

बच्चे की अदला-बदली के आरोपों के बाद अस्पताल में विरोध प्रदर्शन

मनचेरियल, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक महिला ने आरोप लगाया है कि बुधवार को यहां मंचेरियल गवर्नमेंट जनरल हॉस्पिटल (जीजीएच) में कर्मचारियों की लापरवाही के कारण उसके बच्चे को जन्म के समय दूसरी बच्ची के साथ बदल दिया गया। चेन्नूर मंडल के रोय्यालापल्ली गांव की ममता ने दावा किया कि उन्हें शुरू में बताया गया था कि उन्होंने एक बच्चे को जन्म दिया है, लेकिन बाद में बताया कि उन्होंने एक बच्ची को जन्म दिया है। उन्होंने डॉ. अनीता और नर्स सुप्रिया पर ऑपरेशन थियेटर में लापरवाह होने का आरोप लगाया, जिसके परिणामस्वरूप बच्चों की अदला-बदली हुई। इस बीच, आसिफाबाद की बोल्लम पावनी ने भी दावा किया कि उसे डॉक्टर और नर्स ने बताया कि उसने एक बच्चे को जन्म दिया है और वह अपने बेटे को नहीं छोड़ेगी। दोनों परिवार के सदस्यों ने जन्म के समय बच्चों के आदान-प्रदान के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए नवजात शिशुओं को संभालने में लापरवाही दिखाने के लिए थिएटर के कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर धरना दिया। इस बीच, पावनी और उसके रिश्तेदारों ने कर्मचारियों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन भी किया। जीजीएच के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हरिश्चंद्र रेड्डी ने प्रेस वालों को बताया कि बच्चों को बाल और महिला विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया गया है और जल्द ही नवजात शिशुओं का डीएनए परीक्षण कराने के बाद उन्हें माता-पिता को सौंप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

पावर ग्रिड ने ओजीएच को 65 लाख रुपये मूल्य के चिकित्सा उपकरण दान किए

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) ने अपनी सीएसआर गतिविधि के तहत बुधवार को उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल(ओजीएच) को 65 लाख रुपये के उच्च-स्तरीय चिकित्सा उपकरण दान किए।

ओजीएच में गंभीर त्वचा रोगों के इलाज के लिए पराबैंगनी विकिरण उपचार (फोटोथेरेपी) के लिए एसोफैगल मोटर फ़ंक्शन, लेजर और पूरे शरीर पीयूवीए या फोटोकेमोथेरेपी मशीन का मूल्यांकन करने के लिए उपयोग की जाने वाली एक उच्च रिज़ॉल्यूशन मैनोमेट्री का उद्घाटन गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और वेनेरोलॉजी और कुष्ठ रोग विभागों में किया गया है। अधीक्षक, ओजीएच, डॉ. बी. नागेंद्र ने सीएसआर के तहत दान के लिए पीजीसीआईएल का हार्दिक आभार व्यक्त किया और अन्य कॉर्पोरेट कंपनियों से ऐसे दान करने की अपील की, जिससे ओजीएच में गरीब और जरूरतमंद रोगियों को लाभ मिले। इस तरह के दान गरीब मरीजों की सेवा करने का मौका देते हैं जो इस तरह के उच्च अंत उपचार और नैदानिक प्रक्रियाओं को बर्दाश्त नहीं कर सकते। ओजीएच जैसे सरकारी अस्पतालों में इस तरह के उन्नत उपकरण लगाकर न केवल जटिल और महंगी प्रक्रियाओं को रोगियों को मुफ्त में किया जा सकता है, बल्कि पीजी छात्रों को भी व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से लाभान्वित किया जा सकता है और इस तरह के उच्च प्रदर्शन करने का अनुभव भी प्राप्त किया जा सकता है। चिकित्सा उपकरण का उद्घाटन तेलंगाना के चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ. के. रमेश रेड्डी, उस्मानिया मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. शशिकला ने अस्पताल के वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों की उपस्थिति में किया।

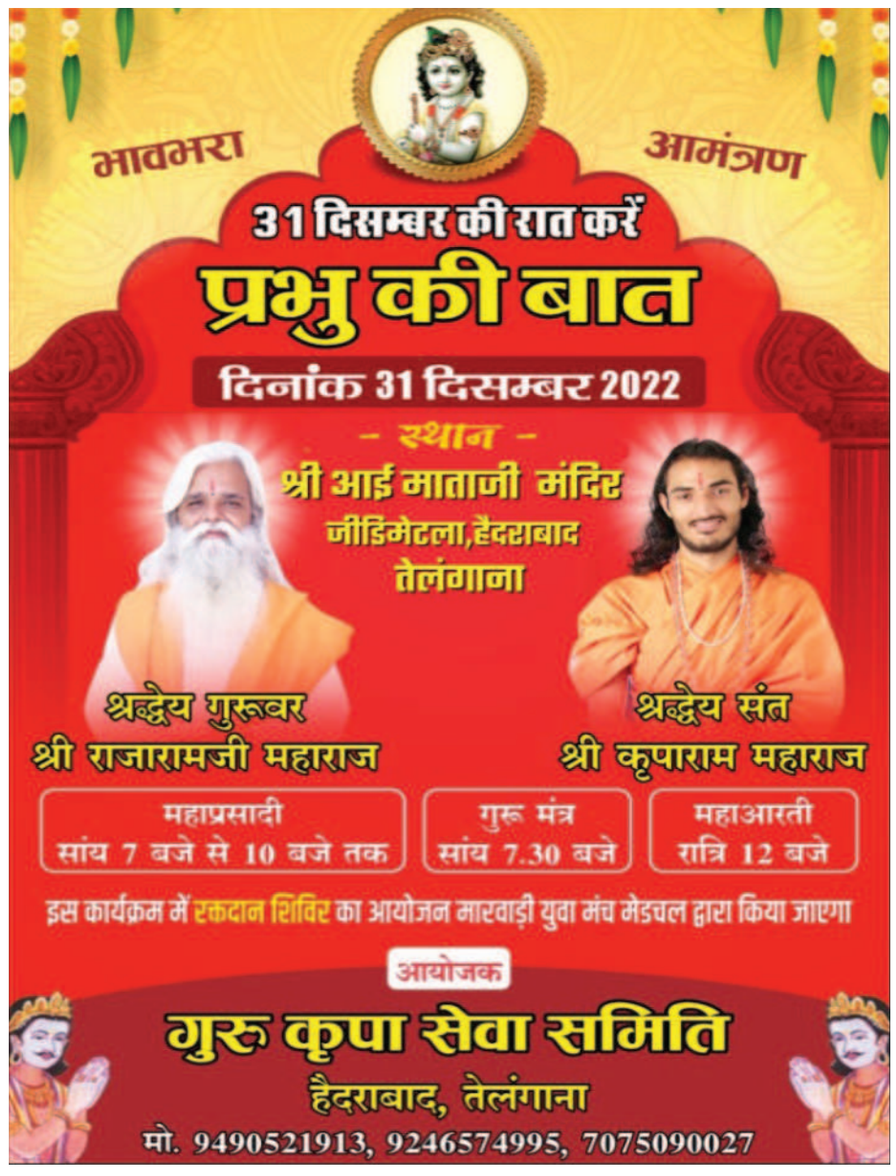

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.